page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/30/2025 1:21 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 उधमपुर में जागरूकता शिविर सह कार्यशाला का आयोजन किया

5 पिछले वर्लड रैपिड चैंपियनशिप में कोनेरू हम्पी ने जीता ब्रान्ज मेडल

8 साल भर उगाई जा सकती है मूली

मौसम जम्मू — न्यूनतम 8 — अधिकतम 17

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-320 | जम्मू तवी, मंगलवार 30 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

वन्यजीव बोर्ड ने बड़े प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी; एलजी ने बायोडायवर्सिटी की सुरक्षा का आह्वान किया

जम्मू तवी, 29 दिसंबर। लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने सोमवार को लोक भवन में J&K केंद्र शासित प्रदेश के वन्यजीव बोर्ड की छठी बैठक की अध्यक्षता की। लेफ्टिनेंट गवर्नर की अध्यक्षता में हुई बोर्ड की बैठक में कई प्रोजेक्ट्स को वन्यजीव मंजूरी दी गई और कुछ प्रस्तावों को अंतिम मंजूरी के लिए नेशनल बोर्ड ऑफ वाइल्डलाइफ को भेजा गया। इनमें 4G-सैचुरेशन, जल जीवन मिशन, ट्रांसमिशन लाइनों को फिर से बिछाना, सीमा सुरक्षा चौकियां स्थापित करना, बागवानी नर्सरी का विकास और हिमस्खलन चेतावनी प्रणाली स्थापित करने जैसे प्रोजेक्ट शामिल थे। बोर्ड को विभाग की विभिन्न संरक्षण और आवास सुधार गतिविधियों के बारे में बताया गया। इसमें मानव-वन्यजीव संघर्ष से निपटने के लिए उठाए गए कदम, बचाव केंद्र स्थापित करना और वेटलैंड्स के आवास बहाली के काम शामिल हैं। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने बायोडायवर्सिटी के स्थायी प्रबंधन और वन्यजीव आवासों के संरक्षण को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने जंबू चिड़ियाघर, होकरसर और घराना वेटलैंड जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए, खासकर स्कूली बच्चों के बीच, प्रचार गतिविधियों पर ज़ोर दिया। उन्होंने इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए इन जगहों पर पब्लिक ट्रांसपोर्ट उपलब्ध कराने को भी कहा। बैठक के दौरान ट्राल में हंगुल प्रजनन केंद्र को चालू करने में विभाग द्वारा किए गए प्रयासों को भी प्रस्तुत किया गया। बोर्ड ने 2008 में 127 से बढ़कर 2025 की जनगणना में 323 तक हंगुल की आबादी में बढ़ती प्रवृत्ति पर संतोष व्यक्त किया।

बैठक में जंगली सूअर, नीलगाय और बंदरों द्वारा कृषि फसलों को होने वाले नुकसान पर भी चर्चा हुई। बोर्ड ने जंगली जानवरों के कारण किसानों के नुकसान की भरपाई की संभावना तलाशने की इच्छा व्यक्त की होकरसर और घराना वेटलैंड संरक्षण भंडार में बहाली के काम और हंगुल प्रजनन केंद्र के संचालन को दर्शाने वाली डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। विभाग के विभिन्न प्रकाशनों में वन्यजीव कैलेंडर 2026; J&K के वन्यजीवों पर एक कॉफी टेबल बुक - संरक्षित जंगल के माध्यम से एक यात्रा; द बाउंटी ऑफ पीर पंजाल - इसके वनस्पतियों और जीवों के माध्यम से एक यात्रा नामक एक पुस्तक और J&K में पहली बार हेजहोग की खोज पर एक रिपोर्ट भी जारी की गई। जम्मू और कश्मीर लोक सेवा आयोग) ने आज लोक भवन जम्मू में लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा को वर्ष 2024-25 के लिए अपनी 66वीं वार्षिक रिपोर्ट सौंपी। कमीशन के सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल - डॉ. राजीव सिंह, तारिक अहमद जरगर, श्री यशपाल कोटवाल और आसिफ महमूद सागर - का नेतृत्व JKPSC के चेयरमैन अरुण कुमार चौधरी ने किया यह रिपोर्ट भारत के संविधान के अनुच्छेद 323(2) के तहत सौंपी गई। यह रिपोर्ट महत्वपूर्ण प्रशासनिक सुधारों के एक साल की रूपरेखा बताती है और कमीशन के कामकाज की एक व्यापक समीक्षा प्रस्तुत करती है।

ऊंचा पद नहीं, लोगों की जिंदगी में बदलाव ही असली सफलता : राष्ट्रपति

सरायकेला, 29 दिसंबर। सरायकेला-खरसावां जिले में स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जमशेदपुर के 15वें दीक्षांत समारोह में सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने छात्रों को सफलता और सामाजिक जिम्मेदारी का सन्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऊंचे पद पर पहुंचना सफलता की गारंटी नहीं है, बल्कि जब आपके ज्ञान और कार्य से आम लोगों की जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आए, तभी सफलता का वास्तविक मूल्य समझा जा सकता है। उन्होंने कहा कि एनआईटी से डिग्री प्राप्त करने के बाद कई चुनौतियां छात्रों का इंतजार कर रही हैं, लेकिन धैर्य और सतत प्रयास से इनका सामना करना ही सच्ची सफलता है। राष्ट्रपति ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 65 वर्षों से एनआईटी जमशेदपुर विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में सफलता के झंडे गाड़ रहा है। इस संस्थान ने देश को ऐसे इंजीनियर दिए हैं जिन्होंने विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। उन्होंने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी 1,114 छात्रों को बधाई दी। इनमें से 612 छात्र समारोह में व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहे। राष्ट्रपति ने कहा कि दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करना वर्ष भर के संघर्ष और परिश्रम का परिणाम है और यह सिर्फ उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि देश के प्रति नए संकल्प लेने का भी समय है। राष्ट्रपति मुर्मु ने छात्रों को राष्ट्र निर्माता की संज्ञा देते हुए कहा कि शिक्षण संस्थान केवल डिग्री देने की जगह नहीं हैं, बल्कि यह भविष्य की सोच को आकार देने वाली बौद्धिक प्रयोगशालाएं हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग देशहित में करें और तकनीकी विकास को मानव कल्याण का माध्यम बनाएं। उन्होंने कहा कि एनआईटी में शिक्षा और नवाचार को समाज की जरूरतों से जोड़ने के लिए प्रभावशाली सिस्टम विकसित किया गया है, जिसमें सेंटर फॉर इनोवेशन और स्टार्टअप इकोसिस्टम भी शामिल हैं। उन्होंने तकनीक के दुरुपयोग जैसे साइबर ठगी की ओर भी ध्यान दिलाया और उम्मीद जताई कि एनआईटी इसके समाधान पेश करेगा। समारोह के दौरान एक क्षण तब आया जब राष्ट्रपति ने छात्रों की तालियों की कमी पर चुटकी ली। उन्होंने मुस्कराते हुए कहा कि छात्रों को उत्साह दिखाते हुए तालियां बजानी चाहिए। छात्रों ने बाद में जोर-शोर से तालियां बजाकर माहौल को जीवंत किया। राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को अपने माता-पिता और शिक्षकों के प्रति कृतज्ञ रहने की सीख दी। उन्होंने विशेष रूप से मानद उपाधि प्राप्त करने वाले स्वामी गोविंद देव गिरी (डॉक्टर ऑफ लिटरेचर) और उद्योगपति रवींद्र कुमार बेहरा (डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी) को बधाई दी।

खबर संक्षेप

अवैध खनन में शामिल 17 वाहन और 3 जेसीबी मशीनें पुलिस ने जब्त कीं

बारामूला, 29 दिसंबर । बारामूला और गांदरबल में अलग-अलग अभियानों में 17 वाहन और 3 जेसीबी मशीनें जब्त की हैं।

बारामूला में ओल्ड टाउन पुलिस चौकी और भूविज्ञान एवं खनन विभाग के समन्वय से चलाए गए संयुक्त छापे में पत्थरों के अवैध खनन में शामिल तीन जेसीबी मशीनें जब्त की गईं। जब्त की गई जेसीबी मशीनों के चेसिस नंबर इस प्रकार हैं

इसके अलावा एक डंपर भी जब्त किया गया जिसमें अवैध रूप से निकाली गई रेत भरी हुई पाई गई।

सभी ज़ब्ती उचित सत्यापन के बाद की गई और उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ खान एवं खनिज अधिनियम के प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।गांदरबल में पुलिस टीमों ने 16 वाहन जब्त किए जिनमें 12 टिपर और 4 ट्रैक्टर शामिल हैं। ये वाहन गांदरबल पुलिस स्टेशनखी खीरबावानीपुलिस स्टेशन लार पुलिस स्टेशन और नागबल पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में लघु खनिजों के अवैध खनन और परिवहन में शामिल थे।

ये वाहन अनिवार्य परमिट के बिना नाला सिंध से अवैध रूप से निकाले गए पदार्थ का परिवहन कर रहे थे।

पुंछ के एक अग्रिम गांव में एक ड्रोन जब्त, उधमपुर में मिले हथियार

मेंढर, 29 दिसंबर। पुलिस ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के एक अग्रिम गांव में खेत से एक अनजान ड्रोन को ज़ब्त किया। इसी तरह उधमपुर जिले के चेनानी इलाके के सुधमहादेव में तलाशी अभियान के दौरान एक एके असॉल्ट राइफल की मैगज़ीन और सात राउंड बरामद किए गए।

अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) को आज दोपहर मेंढर सेक्टर के गोहलेड गांव के एक खेत में छोड़े गए ड्रोन के बारे में इनपुट मिला। एक पुलिस पार्टी तुरंत मौके पर पहुंची और ड्रोन बरामद कर लिया गया। ड्रोन के मालिक की पहचान के लिए जांच चल रही है।

इसके अलावा उधमपुर जिले के चेनानी इलाके के सुधमहादेव में तलाशी अभियान के दौरान एक ऐके असॉल्ट राइफल की मैगज़ीन और सात राउंड बरामद किए गए। इस बरामदगी के सिलसिले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया।

इसी बीच सुरक्षा बलों ने आज सुबह अखनूर सेक्टर के प्रगवाल इलाके के सीमावर्ती गांव गुराह मन्हासा से पीआईए मार्क वाला एक हवाई जहाज के आकार का गुब्बारा भी बरामद किया। अधिकारियों ने बताया कि यह गुब्बारा एक खेत में लावारिस हालत में पड़ा मिला, जो शायद सीमा पार से हवा के साथ बह गया था

पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत वर्ष में 21 करोड़ की अवैध ड्रग संपत्तियां जब्त कीं

उधमपुर, 29 दिसंबर । उधमपुर एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत एक बड़ी कार्रवाई में उधमपुर पुलिस ने वर्ष 2025 के दौरान जम्मू-कश्मीर में सक्रिय कुख्यात ड्रग तस्करों से संबंधित 28 एनडीपीएस मामलों में 21 करोड़ की संपत्तियां जब्त की हैं। जब्त की गई संपत्तियों में आवासीय मकान और जमीन 2 दुकानें 1 फ्लैट 47 वाहन और 4 बचत बैंक खाते शामिल हैं जिन्हें नशीले पदार्थों की तस्करी से प्राप्त धन से अर्जित संपत्ति के रूप में पहचाना गया है।

जांच अधिकारियों ने निरंतर पूछताछ के दौरान यह स्थापित किया कि ये संपत्तियां अवैध मादक पदार्थों के व्यापार से अर्जित की गई थीं और तदनुसार इन्हें एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68 के तहत जब्त कर लिया गया जिससे मादक पदार्थों के तस्करों के वित्तीय नेटवर्क बाधित हो गए।

केंद्र की 79 हजार करोड़ के रक्षा प्रस्तावों को मंजूरी, सैन्य क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सशस्त्र सेनाओं की आपातकालीन खरीद शक्तियों को बढ़ाया गया

नई दिल्ली, 29 दिसंबर । केंद्र सरकार ने तीनों सेनाओं की जरूरतों को देखते हुए हथियार और गोला-बारूद खरीदने के लिए 79 हजार करोड़ रुपये को मंजूरी दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में लिए गए इन फैसलों से सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा। जरूरी मंजूरियों में टी-90 मुख्य युद्धक टैंक की मरम्मत करने और एमआई-17 हेलीकॉप्टर के मिड-लाइफ अपग्रेड के प्रस्ताव शामिल हैं, जिनका मकसद ऑपरेशनल तैयारी को बढ़ाने के लिए युद्ध संपत्तियों की सर्विस लाइफ बढ़ाना है। बैठक में आर्टिलरी रेजिमेंट के लिए लॉइटर म्यूनिशन सिस्टम, लो लेवल लाइट वेट रडार, पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम के लिए लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट एम्युनिशन और भारतीय सेना के लिए इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके-II की खरीद को मंजूरी दी गई। लॉइटर म्यूनिशन का इस्तेमाल टैक्टिकल टारगेट पर सटीक हमला करने के लिए किया जाएगा, जबकि लो लेवल लाइट वेट रडार छोटे साइज के, कम ऊंचाई पर उड़ने वाले अनमैन्ड एरियल सिस्टम का पता लगाकर उन्हें ट्रैक करेंगे। लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट, हाई वैल्यू टारगेट पर असरदार तरीके से हमला करने के लिए पिनाका रॉकेट सिस्टम की रेंज को बढ़ाएंगे। इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके-II की रेंज ज्यादा है, जो सेना की जरूरी संपत्तियों की सुरक्षा करेगा।

नौसेना के लिए बोलार्ड पुल टग्स, हाई फ्रीक्वेंसी सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो मैनपैक खरीदने और हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग रेंज रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम को लीज पर लेने के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) दी गई।

भारत ने पाकिस्तान के आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली, 29 दिसंबर । भारत ने देश में घटने वाली कथित घटनाओं को लेकर पाकिस्तान की ओर से की गयी टिप्पणियों को सिरे से खारिज कर दिया है। भारत ने कहा कि ऐसे देश से आई टिप्पणियां पूरी तरह अस्वीकार्य हैं, जिसका इस विषय पर अपना रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोमवार को मीडिया के सवालों पर कहा कि पाकिस्तान में विभिन्न धर्मों के अल्पसंख्यकों के खिलाफ भयावह और सुनियोजित उत्पीड़न एक स्थापित तथ्य है। इस सच्चाई को किसी भी तरह के आरोप-प्रत्यारोप या उंगली उठाने से छिपाया नहीं जा सकता। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान द्वारा लगाए जा रहे आरोप उसके अपने कृत्यों से ध्यान भटकाने का प्रयास मात्र हैं। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों के अधिकारों और उनकी सुरक्षा को लेकर पाकिस्तान की स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। जायसवाल ने कहा कि भारत ऐसे निराधार और भ्रामक बयानों को पूरी तरह खारिज करता है। उन्होंने दोहराया कि किसी भी तरह की बयानबाजी से जमीनी सच्चाई नहीं बदली जा सकती। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा था कि हाल के दिनों में क्रिसमस के दौरान हुई तोड़फोड़ की घटनाएं, मुसलमानों को निशाना बनाकर चलाए जा रहे अभियानों और बार-बार लिंचिंग की घटनाओं ने डर और अलगाव की भावना को और बढ़ाया है।

जम्मू-कश्मीर उपराज्यपाल ने आईएएस अधिकारी प्रशिक्षुओं बैच 2025 के साथ बातचीत की

जम्मू, 29 दिसंबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को 2025 बैच के आईएएस अधिकारी प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत की जो शीतकालीन अध्ययन यात्रा (भारत दर्शन कार्यक्रम) के एक भाग के रूप में जम्मू के अपने 5 दिवसीय दौरे पर हैंद्य अधिकारी प्रशिक्षु वर्तमान में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए), मसूरी में चरण-1 प्रशिक्षण से गुजर रहे हैं।बातचीत के दौरान उपराज्यपाल ने शासन और सार्वजनिक सेवा पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में जम्मू कश्मीर की परिवर्तनकारी यात्रा पर भी प्रकाश डाला द्य आईएएस अधिकारी प्रशिक्षुओं के समूह में मुस्कान श्रीवास्तव हरियाणा कैडर; मेघना चक्रवर्ती और मुदिता बंसल पश्चिम बंगाल कैडर; दीपक गोदारा को एजीएमयूटी कैडर; सैचैतन्य जाधव राहुल राघवन और अमन तिवारी, तमिलनाडु कैडर; आंध्र प्रदेश कैडर के वेंकटेश बन्ना का नेतृत्व उमेश कुमार मीना (राजस्थान कैडर) कर रहे हैं जबकि विधि (एजीएमयूटी कैडर) एसोसिएट ग्रुप लीडर हैं। बातचीत के दौरान जम्मू के उपायुक्त डॉ. राकेश मिन्हास भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में श्री माता वैष्णो देवी तीर्थस्थल सलाल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट, बारी ब्राह्मण सिडको औद्योगिक क्षेत्र भारत-पाकिस्तान सीमा और जम्मू शहर का दौरा शामिल है। इस यात्रा का उद्देश्य अधिकारी प्रशिक्षुओं को क्षेत्र के प्रशासनिक, विकासात्मक और सांस्कृतिक परिदृश्य का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना है, जिससे उनके पेशेवर प्रशिक्षण और विविध प्रशासनिक वातावरण में शासन के प्रति संवेदनशीलता में योगदान दिया जा सके।

कटरा-नई दिल्ली विशेष ट्रेन 04082 को 100 प्रतिशत बुकिंग

जम्मू, 29 दिसंबर। उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल द्वारा नए साल के अवसर पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए 27 दिसंबर 2025 से 1 जनवरी 2026 तक श्री माता वैष्णो देवी कटरा-नई दिल्ली के बीच विशेष आरक्षित ट्रेन संख्या 04082/04081 चलाने के फैसले को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। 28 दिसंबर को पहले दिन का संचालन सफल रहा और ट्रेन अपने निश्चित समयानुसार चली। यात्रियों की भारी भीड़ के चलते पहले ही दिन 100 प्रतिशत सीटें बुक रही और आने वाले दिनों के लिए भी पूरी तरह आरक्षण भर चुका है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह ट्रेन यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर आवागमन सुविधा प्रदान कर रही है जिससे नए साल और शीतकालीन अवकाश पर कटरा पहुंचने वाले यात्रियों को काफी राहत मिली है।

यह केंद्र की ड्यूटी है कि वह राज्यों को बताए कि सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं रोकी जानी चाहिए:फारूक

श्रीनगर, 29 दिसंबर । नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि केंद्र को राज्य सरकारों पर दबाव डालना चाहिए कि जब उनके इलाकों में सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं हों तो उन्हें रोका जाए। अब्दुल्ला ने श्रीनगर में पार्टी मुख्यालय में मीडिया से कहा, ‘यह केंद्र की ड्यूटी है कि वह राज्यों को बताए कि ऐसी घटनाएं रोकी जानी चाहिए। वह जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में एक मस्जिद और मदरसे पर कथित पत्थरबाजी की घटना पर टिप्पणी कर रहे थे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आस-पास बुरे लोग हैं और वे हमेशा रहेंगे। हमने केंद्र पर बार-बार दबाव डाला है कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और संविधान सभी धर्मों के लोगों को अपने धर्म का पालन करने का अधिकार देता है। बांग्लादेश के हालात पर अब्दुल्ला ने उम्मीद जताई कि पड़ोसी देश में शांतिपूर्ण चुनाव होंगे ताकि वह नई सरकार बना सके। उन्होंने आगे कहा, ‘हम शांति, दोस्ती और भाईचारा चाहते हैं। मुझे उम्मीद है कि नई सरकार (ढाका में) भारत के साथ दोस्ती का नया रास्ता खोजेगी। अब्दुल्ला ने दुआ की कि आने वाला नया साल लोगों के लिए पिछले साल से बेहतर हो। ‘मुझे उम्मीद है कि हमारी परेशानियाँ कम होंगी और शांति और टूरिज्म होगा।

योगी सरकार की नई आबकारी नीति से राजस्व में रिकॉर्ड वृद्धि, निवेश व रोजगार सृजन में भी बढ़ोतरी

डिजिटल नियंत्रण, जीरो टॉलरेंस और रिकॉर्ड कमाई से यूपी मॉडल देश में नंबर वन

लखनऊ, 29 दिसंबर। योगी आदित्यनाथ सरकार ने इस साल अपने निर्णयों से आबकारी विभाग में क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं। इसलिए यह साल आबकारी विभाग के लिए कई बदलाव के लिए जाना जाएगा। नई आबकारी नीति से न केवल विभाग की पूरी कार्यप्रणाली को पारदर्शी बनाया बल्कि सरकार के राजस्व में वृद्धि हुई है। राजस्व प्राप्ति के मामले में इस साल आबकारी विभाग ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। नई आबकारी नीति इस वित्तीय वर्ष के प्रथम आठ माह में राजस्व में 15.59 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इसके अलावा निवेश और रोजगार सृजन में भी उल्लेखनीय कार्य हुआ है।योगी आदित्यनाथ सरकार की नई आबकारी नीति ने विभाग की छवि को सकारात्मक रूप से बदलने का काम किया है। इस साल शराब की दुकानों का आवंटन ई-लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया गया जिससे लाइसेंस आवंटन की प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और ऑनलाइन हो गई। शराब की दुकानों से जुड़े विभिन्न प्रकार के थोक और बॉण्ड अनुज्ञापनों का निर्गमन, मदिरा की बोतलों पर लगने वाले लेबलों का अनुमोदन, मदिरा की एमआरपी का निर्धारण और अल्कोहल निर्यात के परमिट, अब सभी प्रक्रियाएं ऑनलाइन हो गई हैं। सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि नई नीति के तहत उत्पादन से लेकर परिवहन और बिक्री तक हर स्तर पर सख्त निगरानी सुनिश्चित की गई है। शीरा के उत्पादन, उठान और वितरण की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन की गई है, जबकि आसवनियों और अन्य इकाइयों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मदिरा और स्पिरिट के टैंकरों में डिजिटल लॉक लगाए गए हैं और केवल जीपीएस युक्त वाहनों से ही परिवहन की अनुमति दी गई है। आसवनियों में डिजिटल अल्कोहलोमीटर, मास फ्लो मीटर, रडार आधारित लेवल सेंसर और बॉटलिंग काउंटर लगाए गए हैं।

अवैध शराब में लिप्त अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई प्रदेश में योगी सरकार ने इस साल अवैध शराब और अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी और प्रभावी कार्रवाई की है। इस साल प्रदेशभर में अवैध शराब के निर्माण और तस्करी से जुड़े 79,990 अभियोग दर्ज किए गए हैं। इस दौरान 20.86 लाख लीटर अवैध मदिरा एवं मादक द्रव्य बरामद किए गए। अवैध कारोबार में संलिप्त 15,085 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से 2,755 को जेल भेजा गया। अवैध मदिरा से जुड़ी किसी भी सूचना के लिए लखनऊ स्थित कंट्रोल एवं कमांड सेंटर का टोल फ्री नंबर 14405 और व्हाट्सएप नंबर 9454466019 सक्रिय है।

साथ ही, मदिरा की वैधता जांच के लिए यूपी एक्साइज सिटीजन ऐप विकसित किया गया है सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि राज्य सरकार की नई आबकारी नीति का असर राजस्व आंकड़ों में साफ दिखाई दे रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में नवंबर माह तक प्रदेश को कुल 35,144.11 करोड़ रुपये का आबकारी राजस्व प्राप्त हुआ है, जो पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 की समान अवधि में प्राप्त 30,402.34 करोड़ रुपये की तुलना में 15.59 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में सरकार को 4,741.77 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिला है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि योगी सरकार की आबकारी नीति ने राजस्व संग्रह को नई मजबूती दी उत्तर प्रदेश सरकार के विभागीय आंकड़े बताते हैं कि इस साल तक 182 करोड़ लीटर एथेनॉल का उत्पादन हुआ, जो अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

लद्दाख ने समयबद्ध, पारदर्शी भर्ती में राष्ट्रीय बेंचमार्क स्थापित किया: कविंदर

"युवाओं को मोदी के विकसित भारत 2047 की ओर देश का नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया

लेह, 29 दिसंबर। लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल, श्री कविंदर गुप्ता ने सोमवार को केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन द्वारा लद्दाख अधीनस्थ सेवा कर्मचारी चयन बोर्ड के माध्यम से आयोजित समयबद्ध और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया पर प्रकाश डाला, और कहा कि 48 घंटे के भीतर परीक्षा के अंक घोषित करना प्रशासनिक दक्षता और मजबूत संस्थागत प्रणालियों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि एक राष्ट्रीय बेंचमार्क स्थापित करती है और यह दर्शाती है कि लद्दाख जैसे दूरदराज और सीमावर्ती क्षेत्र भी मजबूत संस्थागत प्रणालियों और स्पष्ट इरादे के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ प्रशासनिक प्रथाओं को प्रभावी ढंग से अपना सकते हैं।

उपराज्यपाल लेह में जिला पंचायत संसाधन केंद्र में लद्दाख अधीनस्थ सेवा कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित हाल ही में मैट्रिक स्तर की परीक्षाओं में शामिल हुए अस्थायी रूप से चयनित उम्मीदवारों को चयन पत्र सौंपने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ऑनलाइन लद्दाख अधिवास प्रमाण पत्र पोर्टल भी लॉन्च किया, जो केंद्र शासित प्रदेश में डिजिटल शासन और युवा सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।अपने

मेडिकल रिप्रजेन्टेटिव सदाबहार कॅरिअर

जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती।

गला काट प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बाजार में टिके रहने के लिए कंपनियां विपणन नीति का सहारा ले रही हैं। इससे दवा कंपनियां भी अछूती नहीं हैं। भूमंडलीकरण ने इस प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा दिया है। जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती। लिहाजा इस क्षेत्र में भी रोजगार के बेहतर अवसर खुल रहे हैं।

मेडिकल रिप्रिजेंटिव के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक अभ्यार्थी को विज्ञान स्नातक होना आवश्यक है। लेकिन फार्मेसी में डिग्री और डिप्लोमाधारी अभ्यर्थी को सभी दवा कंपनी प्राथमिकता देती हैं। हालांकि इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए डिग्री से ज्यादा धैर्य, लगन तथा वाकपटुता की जरूरत होती है। इसके साथ ही आकर्षक व्यक्तित्व, बातचीत से दूसरे को प्रभावित करने की क्षमता और सकारात्मक सोच का होना भी जरूरी है।

एक मेडिकल रिप्रिजेंटिव यानी एमआर का काम मेडिकल व्यवसाय से जुड़े, व्यवसायियों, चिकित्सकों से संपर्क कर अपनी कंपनी द्वारा उत्पादित दवाओं की गुणवत्ता बताना होता है। उन्हें इस तरह समझाना होता है कि चिकित्सक रोगियों को उन्हीं की कंपनी की दवा लिखे। एक एमआर को अपनी कंपनी की उत्पादित तमाम दवाओं की जानकारी रखना होता है और चिकित्सकों और व्यवसायियों को बताना होता है। यानी वह कंपनी और व्यवसायियों के बीच एक पुल का काम करता है। एक तरह से उसके कंधे पर कंपनी की सफलता की पूरा दारोमदार टिका हुआ है।

एक एमआर को वेतन उसकी योग्यता और कंपनी के स्तर के आधार पर मिलता है। शुरुआत में एक एमआर को 5 से लेकर 15 हजार रुपए तक मिलते हैं। इसके अलावा वाहन, यात्रा भत्ता, हाउसिंग और सुविधाएं अलग से मिलती हैं। देश के कई संस्थानों में मेडिकल प्रशिक्षण और फार्मा मार्केटिंग मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ फार्मेसी और डिप्लोमा इन फॉर्मेसी के कोर्स कराए जाते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं-

- हमदर्द कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मदनगीर, दिल्ली।
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, पुष्प विहार, महरौली, दिल्ली।
- महिला पॉलीटेक्निक, महारानीबाग, नई दिल्ली।
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- बॉम्बे कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुंबई, महाराष्ट्र।
- बिहार कॉलेज ऑफ फार्मेसी, अनिसाबाद, पटना, बिहार।

सफलता का आईना हो आपका रिज्यूमे

नौकरी प्राप्त करने का पहला कदम रिज्यूमे प्रेषित करना होता है। आपका रिज्यूमे आपकी सफलता का आईना हो, जिसमें सब कुछ स्पष्ट दिखे। वह केवल आपकी सफलता ही नहीं, बल्कि आपके कार्य-इतिहास के बारे में भी सब कुछ कहे, ताकि नियोक्ता को कहीं कोई शंका न रह जाए।

आज के प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में आपको दूसरों से अलग बनाती हैं आपकी सफलताएं। यहां हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, ताकि आपके रिज्यूमे में आपकी सफलताएं भली-भांति प्रदर्शित हों। जहां प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है, वहां केवल योग्यता और कार्यानुभव के दम पर अच्छी नौकरी पाना आसान नहीं है। ऐसे में आपकी छोटी-बड़ी सफलताएं ही हैं, जो आपको अन्य लोगों से आगे रखती हैं। आप किसी कंपनी के लिए कितने तरीके से लाभदायी सिद्ध हो सकते हैं, इस बात को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसे बताने के लिए जरूरी है कि आपका रिज्यूमे बेहतरीन तरीके से तैयार किया जाए, जो आपको साधारण आवेदक की श्रेणी से विशेष की श्रेणी में पहुंचाएगा।

उत्तरदायित्वों को पेश करें

अपना रिज्यूमे तैयार करने का एक बढ़िया तरीका है कि आप शब्दों का चयन चतुराई से करें। यहां तक कि जब आप अपने कार्य उत्तरदायित्वों की बात करें तो उन्हें ऐसे पेश करें कि वे आपकी सफलताएं नजर आएं। मिसाल के तौर पर..

पहले- उत्तरी क्षेत्र में सेल्स की जिम्मेदारी।

अब- समूचे उत्तरी क्षेत्र के सेल्स प्रमुख।

देखिए कैसे 'जिम्मेदारी' की जगह 'प्रमुख' क्रिया का इस्तेमाल करते ही रिज्यूमे आपकी जो छवि बनाता है, उसमें कितना अंतर दिखाई देने लगा है। अगर एक रिज्यूमे में सिर्फ आपके उत्तरदायित्वों का ही जिक्र होता है तो किसी भी कंपनी को यह बिल्कुल समझ में नहीं आता कि आप असल में करते क्या थे! साथ में उन्हें बमुश्किल ही पता चल पाता है कि आप उनके लिए क्या कर सकते हैं। इस बात का खास ख्याल रखें कि अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों को बताने के लिए दमदार क्रिया-शब्दों जैसे लेड, इनीशिएटेड, स्पीयरहेडेड, कंट्रोल्ड, एक्सेलरेटेड, अटेंड, कॉन्सेप्चुलाइज्ड, कंडक्टेड, डिवाइस्ड, डायरेक्टेड, ड्राफ्टेड, एक्जीक्युटेड, एन्हैंस्ड, एस्टेब्लिश्ड आदि का इस्तेमाल करें। इन शब्दों के माध्यम से आपकी छवि एक सक्रिय कर्मचारी की बनेगी और कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जब आप यह कहेंगे कि आपको क्या हासिल हुआ, बजाए इसके कि आप क्या संभालते थे तो आपकी छवि एक उत्तरदायी और पहल करने वाले कर्मचारी के रूप में बनेगी, न कि सिर्फ ऐसे व्यक्ति के रूप में, जो केवल दिया हुआ काम ही पूरा करता है।

जिम्मेदारियों के बारे में बताएं

किसी कंपनी को यह बताना भी बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपने काम को कितने अच्छे तरीके से संभालते हैं। इसके लिए भी आपको 'रिस्पॉन्सिबल फॉर' से कुछ अधिक कहना होगा, जैसे..

पहले- कंपनी में एमआईएस इंटरफेस की जिम्मेदारी।

अब- नए मार्केट्स की तलाश और क्लाइंट्स को बेहतर सेवा देने के लिए एमआईएस के साथ तकनीकी तरक्की के लिए कार्य (इंटरफेस)।

पहले जो रिज्यूमे में लिखा गया है, उससे कंपनी के दिमाग में यह बात स्पष्ट नहीं होती कि आप कितने प्रभावी तरीके से अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे थे, वहीं दूसरे मामले में 'इंटरफेस' शब्द ने आपको एक सक्रिय आवेदक के रूप में प्रस्तुत किया है। इस तरह किसी भी कार्य के साथ जुड़ने ने यह दिखा दिया है कि आपका इसमें क्या योगदान रहा और यही आपकी सफलता भी है। साथ ही इससे कंपनी को यह भी समझ में आ गया कि भविष्य में आप किस प्रकार से उन्हें योगदान दे सकते हैं। दरअसल हम एक बेसिक रिज्यूमे में अपने संपर्क की जानकारी, अपना उद्देश्य, अपने बारे में जानकारी, कार्यानुभव, अतिरिक्त गतिविधियां और दूसरी जानकारी देने में काफी जल्दबाजी करते हैं। हम अक्सर ऐसी जगह आकर रुक जाते हैं, जहां हमें वास्तव में अपनी वर्तमान कंपनी में अपने योगदान का जिक्र करना चाहिए।

एक दमदार रिज्यूमे का मुख्य तत्व 'प्रमाण' होता है। प्रमाण इस बात का कि आपने रिज्यूमे में जो कुछ भी कहा है, आप उसकी इज्जत रखेंगे - और यह प्रमाण आपके वाइटल स्टेटस में होता है, जिसमें तथ्य व आंकड़े या परिणाम दर्शाने वाले कथन होते हैं। ये सब आपके वर्तमान कार्य को दर्शाते हैं व आपको एक सफल व कार्य करने के इच्छुक कर्मी के रूप में साबित करते हैं।

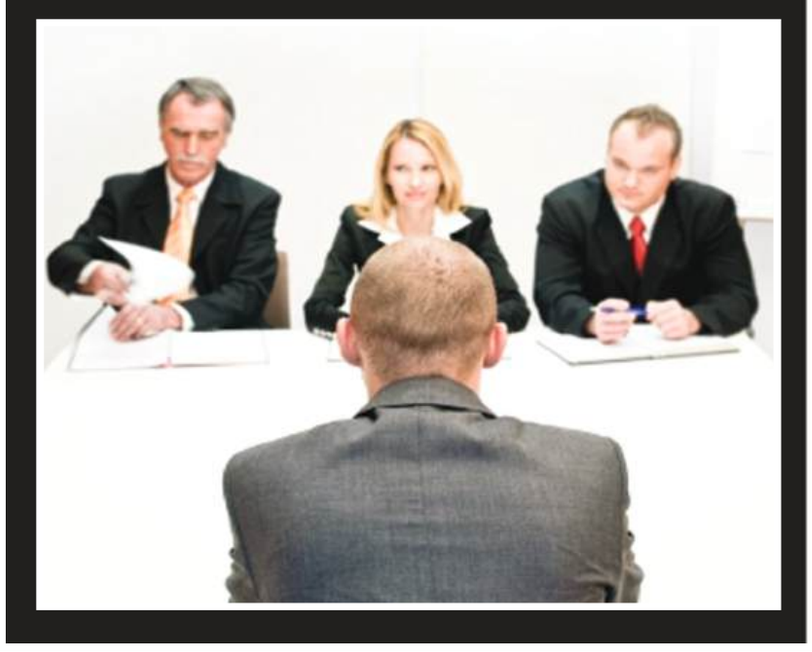

जब भटक जाए करियर प्लान

कॉलेज डिग्री के बाद आप कॉर्पोरेट जगत में अपना प्रोफेशनल जीवन शुरू करते हैं। इसके लिए आप इंटरव्यू की तैयारियां भी पूरे मनोयोग से करते हैं, जहां 'आप पांच वर्ष में खुद को कहा देखते हैं?' जैसे प्रश्नों की आप खास तैयारी करते हैं। लेकिन पांच या दस वर्ष बाद आपकी महत्वाकांक्षाएं कितनी पूरी हो पाती हैं? क्या आप अपनी प्रगति से संतुष्ट होते हैं या आपको लगता कि यदि एक और मौका मिले तो आप अपने प्रयास कुछ अलग तरीके से करना चाहेंगे ? जब करियर लक्ष्य पूरे न हों तो निराशा होनी स्वाभाविक होती है; फिर जरूरी हो जाता है कि आप अपनी मौजूदा स्थिति का आकलन करें और करियर ग्राफ को ऊपर ले जाने के लिए भावी योजना की रूपरेखा एक बार फिर तैयार करें।

निराशा से जूझना - क्या शुरुआत में वह नौकरी आपके हाथ से निकल गई थी जिसे आप सचमुच प्राप्त करना चाहते थे, और क्या आपका मौजूदा कार्य आपको तरक्की करने के पूरे मौके नहीं दे रहा और क्या कोई नया ऑफर भी आपकी ओर नहीं आ रहा, या फिर कई नौकरियां बदलने के बावजूद आप वहां नहीं पहुंच पा रहे जहां पहुंचने की आपने उम्मीद की थी, और इन सबके अलावा अर्थव्यवस्था का कठिन दौर भी आपके खिलाफ जा रहा है?

कई बार आपके सच्चे प्रयासों के बाद भी परिस्थितियां शुरू से ही आपके विपरीत रहती हैं। फिर भी, यहां यह ध्यान रखना होगा कि आप जो रास्ता पार कर चुके हैं, उस पर आप वापस तो नहीं जा सकते, लेकिन भविष्य की तैयारी अपने अनुसार जरूर कर सकते हैं।

पुनःप्रयास - तो यदि आपको लगता है कि आपके करियर चार्ट में कुछ कमी है तो उसका सही **आकलन करें** - क्या यह वह बुनियादी हुनर है जिसकी कमी से आप बड़ी परियोजनाओं का हिस्सा नहीं बन पा रहे हैं या कोई सॉफ्ट स्किल है जो महत्वपूर्ण कार्य संबंधों को आपसे दूर रख रहा है? इसके बाद, उपरोक्त कमियों को दूर करने के लिए जरूरी प्रशिक्षण के बाद की परिस्थितियों का भी आकलन करें। यह भी जरूरी है कि आप अपने करियर के मौजूदा दौर में प्रशिक्षण की महत्ता को समझें।

फोकस बदलें - आपने अपनी सारी ऊर्जा एक ही दिशा में लगा दी थीं, परंतु वह आपके काम नहीं आई। तो अब समय आ गया है कि आप आगे बढ़ें और अन्य दिशाओं में अपने प्रयास शुरू कर दें। इसका मतलब करियर की दिशा में परिवर्तन नहीं होता, बल्कि मौजूदा कार्य के साथ नई जिम्मेदारियां उठाना, जिनमें आपको कुछ नए हुनर सीखने की जरूरत हो। याद रखें कई बार विपरीत परिस्थितियों में नए अवसर छुपे होते हैं; एक अदद निराशा को अपने समूचे करियर को नुकसान न पहुंचाने दें।

खुद पर भरोसा - दुविधा के समय अपने निर्णयों पर सवाल करना अक्सर एक प्राकृतिक क्रिया होती है; परंतु जरूरी है कि अपनी सोच और क्षमताओं पर विश्वास डगमगाना नहीं चाहिए। गलत नौकरी या विपरीत परिस्थितियों का शिकार होना ही आपके बारे में नहीं बताता। इसलिए, अपनी जमीन पर जमें रहें।

कैसे पाएं प्रोमोशन

फर्ज करें आपके बॉस, आपके बॉस के बॉस और अन्य कंपनी एग्जीक्यूटिव्स एक साथ बैठकर आपके बारे में विचार कर रहे हों। इस दौरान वह आपके कार्य चरित्र, आपकी लीडरशिप क्वालिटीज, आपके प्रोजेक्ट्स, आपके अधीनस्थों, आपके द्वारा प्राप्त नतीजों और गत वर्ष के दौरान आपकी परफॉरमेंस के बारे में चर्चा करते हैं। यह समिति एक बहुत महत्वपूर्ण नतीजा लेती है- आपको तरक्की मिलनी चाहिए या नहीं ? बेशक आपके संस्थान में इस कार्य से जुड़ा कोई अनौपचारिक तरीका न हो, लेकिन इस तरह की प्रक्रिया कमोबेश प्रत्येक छोटी या बड़ी कंपनी में होती है। दरअसल, इस प्रक्रिया के दौरान कुछ ऐसा होता है- प्रत्येक मैनेजर अपनी पसंद के प्रत्याशी को तरक्की प्राप्त करने के सबसे बड़े उम्मीदवार के तौर पर पेश करता है। उस समय समिति के अन्य सदस्य यह जानना चाहते हैं कि ऐसा क्यों है।

इसलिए ऐसे समय आपको एक ऐसे मैनेजर का सहयोग होना चाहिए जो आपके बारे में सही छवि पेश कर सके। आपके मैनेजर के साथ अन्य ऐसे मैनेजर्स और एग्जीक्यूटिव्ज भी होंगे जिन्होंने आपके साथ काम किया है, वह भी अपने विचार रखेंगे। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि वह आपका सकारात्मक और असरकारी रूप सामने रखें। जाहिर है जब प्रत्येक मैनेजर अपने प्रत्याशी के पक्ष में बात सामने रखेगा, उस समय प्रतिस्पर्धा बहुत सख्त हो जाएगी। प्रत्याशियों की संभावी तरक्की के बारे में अधिकारियों के बीच यह मंत्रणा ईमानदार और कड़वी भी हो सकती है। यदि आपको कोई पसंद नहीं करता, तो वह भी ऐसे समय स्पष्ट हो जाता है। कई बाद हालात उस समय सचमुच बिगड़ जाते हैं जब अपने प्रत्याशी को किसी भी कीमत पर तरक्की दिलाने पर उतारू कोई मैनेजर अन्य प्रत्याशियों की बढ़-चढ़ कर बुराइयां करने लगता है। तो तरक्की पाने का आपका मौका तब अधिक होता है जब आपको -

- हाई परफॉरमेंस रिव्यूज मिले हों।
- आपने दिए गए सभी लक्ष्य प्राप्त कर लिए हों।
- आपने भावी सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने की शुरुआत कर दी हो।
- आपने टीम के कार्य पूरे कर दिए हों।
- कंपनी को बचत करने की विधि बताई हो।
- अतिरिक्त कार्यों की जिम्मेदारी ली हो।
- नए संबंध स्थापित किए हों।
- कार्य के दौरान ज्यादा देर तक काम किया हो।

परंतु कुछ बिंदु आपके खिलाफ भी जा सकते हैं यदि -

- समिति में सब आपको, आपके कार्य और उपलब्धियों से परिचित न हों।
- मंत्रणा के दौरान यदि ज्यादा लोगों ने आपके पक्ष में न बोला हो।
- आप दफ्तर की राजनीति से दूर रहते हों यानी आप समूचे 'खेल का हिस्सा' न हों।
- आपने दिए गए कार्य से अतिरिक्त कुछ और न किया हो।
- यदि नीति निर्धारक आपसे प्रभावित न हों और कम ही लोग आपके पक्ष में बात रख रहे हों।

यदि प्रोमोशन नहीं मिलती तब?

यदि ऐसा होता है तो तुरत-फुरत अपने रिज्यूमे अन्य स्थानों को भेजने न शुरू कर दें। इससे अनुभव लें और अगली बार के लिए तैयार रहें। कुछ उपाय-

बॉस से सही फीडबैक लें

प्रोमोशन से जुड़ी मीटिंग की अधिकाधिक जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करें। आपके बॉस बेशक ऐसे समय कुछ बातें आपको नहीं बताएं, परंतु फिर भी वह बिना नाम लिए जरूरी जानकारी आपको दे सकते हैं।

अपनी कमियों को भी जाहिर करें

रक्षात्मक न बनें। अपनी कमियों को दूर करने के लिए अपने बॉस के साथ काम करें। उदाहरण के लिए, यदि वरिष्ठ समूह कहता है कि आप वित्तीय मामलों में अधिक मजबूत नहीं हैं, तो कहें कि आप इस विषय में प्रशिक्षण लेने को तैयार हैं।

अगली मीटिंग का इंतजार न करें

यह कभी न सोचें कि आपका कार्य अपनी पहचान खुद बनेगा। आपका लक्ष्य होना चाहिए कि मीटिंग रूम में सब को आपकी उपलब्धियों का पहले से पता हो। इसके लिए कंपनी के हित में आपके कार्य के बारे में नीति निर्माताओं को समझाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करें।

तरक्की प्राप्त करने से जुड़े तीन उपाय

चूंकि अब आप जानते हैं कि इस दौरान 'खेल' खेला जाता है, तो प्रोमोशन प्राप्त करने से जुड़े कुछ उपाय जानिए।

बॉस को करें तैयार

इस बात पर ध्यान दें कि आपके बॉस के पास आपकी उपलब्धियों से जुड़ी सभी जानकारी दस्तावेजों के रूप में मौजूद हो।

बॉस को सहयोग दें

ऐसे कुछ बिंदुओं को तैयार करें जो बताएं कि आप क्यों आदर्श प्रत्याशी हैं। इन बिंदुओं के साथ अत्य तथ्यात्मक जानकारी भी दें जो कंपनी के हित से जुड़ी हो। कुछ बड़े ग्राहकों या उपभोक्ताओं से प्राप्त प्रशंसा पत्र आदि भी साथ रखें।

अन्य लोगों की प्रतिक्रियाओं का पूर्वानुमान

अपने सहयोगियों का लाभ लें और विरोधियों द्वारा संभावी नुकसान का आकलन करें। अपने बॉस को यह भी सूचना दें कि आपने मंत्रणा कक्ष में मौजूद लोगों की किस तरह मदद की थी। यदि कुछ विरोधी तत्व आपकी नजर में हैं तो उनकी जानकारी भी बॉस को दें। उनसे आपके बॉस कैसे निपटें, इस पर विचार किया जाना जरूरी होता है।

अप्रेजल का समय आने को है। इसके बहाने आप अपने कार्य की समीक्षा स्वयं भी कर सकते हैं। तो शुरुआत कीजिए इस कार्य की जो आपको इस वर्ष तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ाने जा रहा है। बता रहे हैं जोल गार्फिकल

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

सतीश शर्मा ने जिम्मेदार नागरिक बनाने और राष्ट्र निर्माण के लिए भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की तारीफ़ की

जम्मू, 29 दिसंबर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले, आईटी, परिवहन, युवा सेवा और खेल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री, सतीश शर्मा ने आज कहा कि भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश शाखा एक सदी से भी ज़्यादा समय से युवाओं के चरित्र, साहस और प्रतिबद्धता को आकार देने में अहम भूमिका निभा रही है।

मंत्री आज यहां भारत स्काउट्स एंड गाइड्स द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

इस मौके पर डीजी युवा सेवा और खेल, अनुराधा गुप्ता, कृषि विभाग में सचिव, राजिंदर सिंह तारा, रिटायर्ड विंग कमांडर मनोज जोशी, संगठन के अन्य पदाधिकारी और

स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स और यूनिट लीडर्स मौजूद थे।

मंत्री ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और जम्मू और कश्मीर सरकार की ओर से शुभकामनाएं और बधाई दीं। उन्होंने कहा कि भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की J&K UT शाखा लगातार मज़बूत हो रही है, जो अनुशासित, ज़िम्मेदार और सामाजिक रूप से जागरूक नागरिक तैयार कर रही है जो

हमेशा राष्ट्र की सेवा के लिए तैयार रहते हैं।

मंत्री ने स्काउट और गाइड आंदोलन को सिर्फ़ एक एक्स्ट्रा-करिकुलर एक्टिविटी नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका बताया, जो स्काउट वादा और कानून द्वारा निर्देशित है, जो युवाओं में भगवान और देश के प्रति कर्तव्य, दूसरों की सेवा, शारीरिक फिटनेस, मानसिक सतर्कता और नैतिक ईमानदारी के मूल्यों को पैदा करता है। आपात स्थितियों के दौरान स्काउट्स और गाइड्स द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, सतीश शर्मा ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं और संकट के समय, वे हमेशा सबसे पहले मदद करने वालों में से होते हैं। उन्होंने विनाशकारी बाढ़ और अन्य आपात स्थितियों के दौरान छ्ब्ब्य स्काउट्स और गाइड्स द्वारा दी गई अनुकरणीय सेवाओं को याद किया, जब उन्होंने सशस्त्र बलों, हृष्ठत्रस्न और नागरिक प्रशासन के साथ मिलकर राहत वितरण, सामुदायिक रसोई चलाने और हजारों प्रभावित परिवारों में आशा जगाने के लिए अथक प्रयास किया। मंत्री ने कहा, स्काउट्स और गाइड्स द्वारा प्रदर्शित स्वयं से पहले सेवा की भावना हमारे समाज के बेहतरीन मूल्यों को दर्शाती है और विपरीत परिस्थितियों में राष्ट्र को मज़बूत करती है। सतीश शर्मा ने उन संगठनों के प्रति सरकार के निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया जो युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए काम करते हैं और एक लचीला, अनुशासित और सेवा-उन्मुख समाज बनाने में योगदान करते हैं।

डीसी कठुआ ने डिस्ट्रिक्ट कैपेक्स बजट, CDS के तहत कामों की समीक्षा की

कठुआ, 29 दिसंबर। डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कमिश्नर कठुआ, राजेश शर्मा ने आज जिले में डिस्ट्रिक्ट कैपेक्स बजट और कैपेक्स डेवलपमेंट स्कीम के तहत चल रहे कामों की प्रोग्रेस का जायजा लेने के लिए एक रिव्यू मीटिंग की अध्यक्षता की। मीटिंग में चीफ प्लानिंग ऑफिसर, रंजीत ठाकुर; एडिशनल कमिश्नर डेवलपमेंट, अखिल सडोत्रा, पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट, पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग, पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट (PDD), रूरल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट, हेल्थ, इरिगेशन, ग्राउंड वाटर, सोशल फॉरेस्ट्री और यूथ सर्विसेज एंड स्पोर्ट्स के सीनियर अधिकारी शामिल हुए। डिप्टी कमिश्नर ने

चल रहे और पूरे हो चुके कामों की फिजिकल और फाइनेंशियल प्रोग्रेस का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि सभी पूरे हो चुके कामों की फाइनेंशियल देनदारियों को तय फाइनेंशियल नियमों के अनुसार सख्ती से क्लियर किया जाए डिप्टी कमिश्नर ने सभी काम करने वाली एजेंसियों से तय टाइमलाइन का पालन करने के लिए मिलकर प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया, सरकारी गाइडलाइंस के अनुसार, 31 दिसंबर, 2025 को 30 प्रतिशत बजट में कटौती होनी है, इसलिए फंड के किसी भी नुकसान से बचने के लिए मौजूदा फाइनेंशियल ईयर के लिए तय कम से कम 70 प्रतिशत काम कट-ऑफ डेट से काफी पहले पूरे किए जाने चाहिए।

केजीएफ टीम ने हिल्स व्यू राजौरी टीम को 4 विकेट से हराया

कठुआ, 29 दिसंबर (हि.स.)। 14वें पुलिस शहीद स्मारक उत्तर क्षेत्र टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप 2025-26 के आठवें दिन कठुआ के स्पोर्ट्स स्टेडियम में दो मैच खेले गए। पहला मैच हिल्स व्यू राजौरी और केजीएफ टीम के बीच खेला गया जबकि दूसरा मैच विकी इलेवन पठानकोट और जेकेपी कठुआ टीम के बीच खेला गया। पहला मैच टूर्नामेंट के आठवें दिन सुबह के सत्र में केजीएफ और हिल्स व्यू राजौरी के बीच खेला गया जिसमें केजीएफ टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए हिल्स व्यू राजौरी टीम ने 20 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए। टीम के मुख्य स्कोरर निपिन शारदा रहे जिन्होंने 35 गेंदों में 3 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 47 रन बनाकर सर्वोच्च स्कोर बनाया।

वहीं वाहिद तेली ने 20 गेंदों में 3 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 32 रन बनाए। 169 रनों के लक्ष्य कान पीछा हुए केजीएफ टीम ने आसानी से जीत हासिल कर ली।

'एयरटेल कार्टून नेटवर्क क्लासिक्स' का एक्सक्लूसिव लॉन्च

जम्मू, 29 दिसंबर। भारत की अग्रणी टेलीकॉम्युनिकेशन सर्विस प्रोवाइडर्स में से एक भारती एयरटेल ने आज एयरटेल कार्टून नेटवर्क क्लासिक्स के लॉन्च की घोषणा की है। यह एक एक्सक्लूसिव वैल्यू-ऐडेड सर्विस है, जिसे एयरटेल डिजिटल टीवी पर वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के सहयोग से पेश किया गया है। यह नया चैनल कार्टून नेटवर्क की कुछ सबसे प्रतिष्ठित और लोकप्रिय एनिमेटेड किरदारों को (फ्रेंचाइज़ को) एक मंच पर ला रहा है, जिससे सदाबहार कहानियों और पारिवारिक मनोरंजन के लिए एक खास प्लेटफॉर्म तैयार हुआ है। एयरटेल कार्टून नेटवर्क क्लासिक्स दर्शकों को टॉम एंड जेरी, द फ्लिंटस्टोन्स, लूनी ट्यून्स, स्कूबी डू, जॉनी ब्रावो सहित कई अन्य क्लासिक कार्टून की यादों को ताजा करेगा। यह चैनल उन दर्शकों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है, जो इन लोकप्रिय शोज़ को देखते हुए बड़े हुए हैं। यह चैनल परिवारों को यह मौका भी देता है कि वे नई पीढ़ी को उन एनिमेटेड कहानियों से रूबरू करा सकें, जो 90 के दशक और 2000 के शुरुआती वर्षों में सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा बनीं और आज भी उतनी ही लोकप्रिय हैं।

बारामूला और गांदरबल में अवैध खनन में शामिल 17 वाहन और 3 जेसीबी मशीनें पुलिस ने जब्त कीं

बारामूला, 29 दिसंबर (हि.स.)। बारामूला और गांदरबल में अलग-अलग अभियानों में 17 वाहन और 3 जेसीबी मशीनें जब्त की हैं। बारामूला में ओल्ड टाउन पुलिस चौकी और भूविज्ञान एवं खनन विभाग के समन्वय से चलाए गए संयुक्त छापे में पत्थरों के अवैध खनन में शामिल तीन जेसीबी मशीनें जब्त की गईं। जब्त की गई जेसीबी मशीनों के चेसिस नंबर इस प्रकार हैं

1384197ऐ2010एचएआरडी3डीएक्सटीऐ01488983 और एचआरडी3ड्डX SSC01846152। इसके अलावा पंजीकरण संख्या JK05J7048 वाला एक डंपर भी जब्त किया गया जिसमें अवैध रूप से निकाली गई रेत भरी हुई पाई गई। सभी ज़ब्ती उचित सत्यापन के बाद की गई और उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ खान एवं खनिज अधिनियम के प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

गांदरबल में पुलिस टीमों ने 16 वाहन जब्त किए जिनमें 12 टिपर और 4 ट्रैक्टर शामिल हैं। ये वाहन गांदरबल पुलिस स्टेशनखी खीरबावानीुलिस स्टेशन लार पुलिस स्टेशन और नागबल पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में लघु खनिजों के अवैध खनन और परिवहन में शामिल थे।

शहीद रवि कुमार की स्मृति में किश्तवाड में भव्य क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन

जम्मू, 29 दिसंबर (हि.स.)। किश्तवाड में शहीद राइफलमैन रवि कुमार, कीर्ति चक्र (मरणोपरांत) की याद में 'राइफलमैन रवि कुमार मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट' का भव्य समापन हुआ।

12 सितंबर 2023 को राजौरी के नरला क्षेत्र में आतंकवादियों से भिड़ते हुए असाधारण वीरता दिखाने वाले रवि कुमार ने अपने साथी को बचाते हुए अंतिम सांस तक लड़ाई जारी रखी थी और देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था। इसी अदम्य साहस और प्रेरणा को सलाम करते हुए किश्तवाड बटालियन ने ऑपरेशन सद्भावना के तहत इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जिसमें 114 पुरुषों और 2 महिला टीमों ने हिस्सा लिया।

समापन समारोह में प्रसिद्ध गायिका समृद्धि सेन की प्रस्तुति और वुशु अकादमी के छात्रों का प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहा।

रोमांचक फ़ाइनल में बार एसोसिएशन ने वॉरियर्स किश्तवाड को एक विकेट से हराया जहाँ मेहमूद उर रहमान मैन ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए। कार्यक्रम में शहीद के पिता सुभाष चंदर, कमांडर 5 सेक्टर असम राइफल्स, एसएसपी नरेश सिंह, एसपी ऑपरेशंस निसार खोजा समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे और शहीद के बलिदान को नमन किया।

श्रीनगर को कश्मीर डिवीजन में विशेष रूप से सक्षम बच्चों के लिए पहला अत्याधुनिक स्कूल मिलेगा : डीसी श्रीनगर

श्रीनगर 29 दिसंबर हि.स.। श्रीनगर को विशेष रूप से सक्षम बच्चों के लिए अपना पहला अत्याधुनिक स्कूल मिलने वाला है जिससे यह पूरे कश्मीर क्षेत्र में एकमात्र ऐसा संस्थान बन जाएगा। डिप्टी कमिश्नर श्रीनगर अक्षय लाबरू ने कहा कि अभिनंदन स्कूल दृष्टि और श्रवण बाधित बच्चों के लिए बनाया जा रहा है और यह पूरे कश्मीर डिवीजन में विशेष रूप से सक्षम बच्चों की ज़रूरतों को पूरा करेगा।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि समाज कल्याण विभाग जिले में कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं लागू कर रहा है जिसमें पलाश और परीशा विशेष स्कूल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हाल के अपग्रेड में शिक्षा खेल और स्वास्थ्य शिविरों से संबंधित ज़रूरतों को पूरा किया गया है। उन्होंने अभिनंदन स्कूल को श्रीनगर के लिए एक प्रमुख और विशेष परियोजना बताया।

लाबरू ने कहा कि सभी संबंधित विभाग समय पर पूरा होने को सुनिश्चित करने के लिए समन्वय में काम कर रहे हैं। इनमें आर और बी, बिजली, पानी, राजस्व, पुलिस, योजना और समाज कल्याण विभाग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि परियोजना की समय सीमा 2027 है लेकिन गुणवत्ता पर पूरा ध्यान देते हुए इसे समय से पहले पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

2026 के लिए प्राथमिकताओं के बारे में बात करते हुए डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि श्रीनगर में सभी स्वीकृत परियोजनाओं को पूरा करने पर ध्यान रहेगा। उन्होंने कहा कि स्वीकृत फंड वाली परियोजनाएं बीच में नहीं रुकनी चाहिए। उन्होंने लास्ट माइल कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों को पूरा करने ट्रैफिक जाम कम करने और अतिक्रमण के बिना ज़मीन का सही इस्तेमाल करने पर ज़ोर दिया। लैबू ने श्रीनगर शहर में आग लगने की बढ़ती घटनाओं पर भी चिंता जताई। उन्होंने लोगों से प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा सलाह का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने निवासियों से बिजली के उपकरणों का ऑडिट करवाने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि बिजली का लोड इस्तेमाल के हिसाब से हो।

उधमपुर में जागरूकता शिविर सह कार्यशाला का आयोजन किया

उधमपुर, 29 दिसंबर। बागवानी योजना और विपणन विभाग ने आज यहां गांव गजद-पंचायत लोअर मदा ब्लॉक चेनानी में स्थानीय किसानों, सहकारी समिति के सदस्यों और युवाओं को कृषि आधारित आजीविका योजनाओं के बारे में जानकारी देने के लिए एक दिवसीय जागरूकता शिविर सह-कार्यशाला का आयोजन किया।

भाग लेने वाले किसानों और हितधारकों को कृषि आधारित उद्यम स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के औपचारिककरण योजना, समग्र कृषि विकास कार्यक्रम और कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार परियोजना का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

विपणन निरीक्षक, अब्दुल कबीर वानी ने PMFME योजना के बारे में जागरूकता फैलाई, और आत्मनिर्भरता प्राप्त करने और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में इसके बड़े दायरे के बारे में बताया। पंजीकरण की प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों के बारे में विस्तार से बताया गया। सहायक ग्रेडिंग और विपणन अधिकारी, कमल किशोर ने HADP और JKCIP के तहत उपलब्ध कई अवसरों और उनका लाभ उठाने की प्रक्रिया पर चर्चा की। क्षेत्र विपणन अधिकारी ©ïampur-रियासी, सुनील सिंह ने भाग लेने वाले किसानों, SHG, सहकारी सदस्यों को प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करके आय बढ़ाने के लिए फसल कटाई के बाद प्रबंधन (PHM) योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

DDC चेयरमैन डोडा ने GHSS कहारा में फेंसिंग प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया

डोडा, 29 दिसंबर। ग्रामीण विकास विभाग ने आज गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल कहारा- पंचायत धारयूथ में नए बने चैनलिंग और फेंसिंग प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया।

स्कूल परिसर की सुरक्षा और स्टाफ और छात्रों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए बनाया गया यह फेंसिंग प्रोजेक्ट ग्रामीण विकास विभाग द्वारा CAPEX PRI ग्रांट 2024-25 के तहत 2.20 लाख रुपये की लागत से पूरा किया गया है।

उद्घाटन समारोह में जिला विकास परिषद डोडा के चेयरमैन, धनान्तर सिंह कोटवाल मौजूद थे, जिन्होंने सुरक्षित, संरक्षित और छात्र-हितैषी शिक्षण संस्थानों के निर्माण के महत्व पर जोर दिया, खासकर ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में। इस कार्यक्रम में ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर कहारा, ब्लॉक-स्तरीय अधिकारी, पूर्व PRI प्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक समाज के सदस्य शामिल हुए। सामुदायिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने जमीनी स्तर पर शुरू की गई विकास पहलों के लिए सक्रिय सार्वजनिक भागीदारी और समर्थन को दिखाया।

पुलिस ने छह फरार आरोपियों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया

पुंछ, 29 दिसंबर (हि.स.)। सुरनकोट पुलिस स्टेशन ने पिछले कई वर्षों में दर्ज विभिन्न आपराधिक मामलों में शामिल छह फरार आरोपियों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया है। सुरनकोट पुलिस स्टेशन की समर्पित पुलिस टीमों की निरंतर निगरानी गतिविधियों पर सावधानीपूर्वक नज़र रखने और सुव्यवस्थित प्रयासों के बाद ये गिरफ्तारियां की गईं। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति गंभीर आपराधिक मामलों में शामिल होने के बावजूद वर्षों से गिरफ्तारी से बच रहे थे। विशिष्ट सूचनाओं और लंबित वारंटों को तामील करने के नए प्रयासों के आधार पर पुलिस टीमों ने अभियान तेज किया जिसके परिणामस्वरूप विभिन्न स्थानों से सभी छह फरार आरोपियों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है और उचित प्रक्रिया के अनुसार आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए उन्हें सक्षम न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। गिरफ्तार किए गए फरार आरोपियों का विवरण इस प्रकार है मोहम्मद आरिफ पिता फिरोज दीन निवासी फजलाबाद एफआईआर संख्या 192 2002 धारा 325 323 आरपीसी, जाकिर हुसैन पिता बरकत हुसैन निवासी मुर्राह एफआईआर संख्या 13 2009 धारा 458 323 34 आरपीसी, मोहम्मद असलम पिता गुलाम हुसैन निवासी संगलियानी एफआईआर संख्या 108 2008 धारा 351 325 323 आरपीसी, बुर्जो पिता फैज अकबर ।

कुपवाड़ा प्रशासन ने दो महीने के लिए वीपीएन सेवाओं के इस्तेमाल पर रोक लगाई

कुपवाड़ा, 29 दिसंबर (हि.स.)। कुपवाड़ा जिला प्रशासन ने सोमवार को सार्वजनिक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने से संबंधित चिंताओं का हवाला देते हुए पूरे जिले में दो महीने के लिए वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) सेवाओं के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

कुपवाड़ा के जिला मजिस्ट्रेट श्रीकांत बालासाहेब सुसे द्वारा जारी एक आधिकारिक आदेश के अनुसार यह निर्णय कुपवाड़ा और हंदवाडा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से प्राप्त सूचनाओं के बाद लिया गया जिसमें जिले में बड़ी संख्या में संदिग्ध इंटरनेट उपयोगकर्ताओं द्वारा वीपीएन के उपयोग में वृद्धि की सूचना दी गई थी। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत जारी आदेश में कहा गया है कि वीपीएन सेवाओं का दुरुपयोग गैरकानूनी और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए किया जा सकता है जिसमें अशांति फैलाना, भ्रामक या भड़काऊ सामग्री का प्रसार करना और सार्वजनिक व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए हानिकारक गतिविधियों का समन्वय करना शामिल है।

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MECHANICAL & HOSPITAL DIVISION, DODA

Email: /xen-mhddoda@jk.gov.in

ANNEXURE "A"

NOTICE INVITING e-TENDERS

E-NIT No:-MHDD/TS/2025-26/117 DATED: 27.12.2025 Due on: 05.01.2026

For and on behalf of the Lt. Governor of UT of J&K, e-tenders in two cover system, Cover-I : CDR / FDR & Pre-Qualifications, Techno-Commercial Bid and Cover-II Price Bid, are invited from the registered firms / workshops having their own workshops, for the following work -

S. No.	Name of Work	Cost of Tender Documents(in Rs)	Estimated Cost	Earnest Money	Time of Completion	Eligibility criteria of bidder	Tender Receiving Authority
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	REPAIRS TO DEPARTMENTAL TRUCK NO. JK06 – 6369 (ASHOKA LEYLAND-1613).	Rs.200.00	Rs. 112500/-	2% of the Estimated cost	10 days	Registered/Reputed Mechanical firms having sufficient experience for the similar nature work	Executive Engineer, Mechanical & Hospital Division, Doda

1. AAA: Accordedvide S.E Mechanical and Hospital Circle Jammu order No.14 Dated:- 11-06-2025 under Endorsement No. MHCJ/DEK/452-54 Dated: - 11-06-2025.
2. Position of Funds: Available.
3. Technically sanctioned: Accorded vide T.S No. 159 of 12-2025

The critical dates for the tendering process are:

1.	Date of Publicity on website	27-12-2025	16:00 PM
2.	Downloading of tender documents, start date	27-12-2025	16:00 PM
3.	Downloading of tender end date	05-01-2026	12:00 PM
4.	Uploading of tender documents	27-12-2025	16:00 PM
5.	Due Date/Time	05-01-2026	12:00 PM
6.	Opening of Tender	05-01-2026	14:00 PM

1. Only tenders from the firms having the following pre-qualifications will be considered. Self-attested copies of:

a) Latest GST registration certificate.
b) Registration certificate with PWDOOMS (active)
c) Latest Income Tax Clearance Certificate
d) PAN Card.
e) Experience certificate in the relevant field.
f) BID SECURITY DECLARATION FORM as per ANNEXURE "D"
g) Bid Acceptance Form as per Annexure "E".
h) Valid Registration Card JKPWDOOMS

No: - MHDD/TS/2025-26/3620-24 Date:-27-12-2025

SD/-
Executive Engineer
Mechanical & Hospital Division
Doda

DIP/J-9511/25
Dtd: 29-12-2025

1008 स्वामी अक्षरानंद जी ने हिंदू सम्मेलन में एकता और देशभक्ति का आह्वान किया

जम्मू, 29 दिसंबर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष को मनाने के लिए, जम्मू के मुट्ठी इलाके में बुआ श्री दाती मंदिर में एक हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस मौके पर जम्मू के जूना अखाड़ा, पट्टी (राया) आश्रम के सम्मानित संत, महामंडलेश्वर श्री 1008 श्री अक्षरानंद जी महाराज मुख्य वक्ता थे, जिन्होंने पुरुषों, महिलाओं, बच्चों और युवाओं की बहुत बड़ी सभा को आध्यात्मिकता, हिंदुत्व के असली अर्थ और देशभक्ति पर अपने बहुत प्रेरणादायक ज्ञान भरे शब्दों से आशीर्वाद दिया। स्वामी विवेकानंद जी, श्री रवींद्रनाथ टैगोर, श्री विनोबा भावे, डॉ. मोहम्मद इकबाल के जीवन, कार्यों और साहित्य के साथ-साथ वेदों, रामायण, महाभारत, भगवद गीता, गुरु तेग बहादुर जी, गुरु गोविंद सिंह जी और चार साहिबजादों के बलिदानों, डोगरा लोक कथाओं और मुहावरों की स्थानीय परंपराओं का व्यापक रूप से हवाला देते हुए, महामंडलेश्वर ने लोगों से स्वस्थ जीवन शैली अपनाने और सभी भाषाओं और विषयों के सांसारिक ज्ञान को आत्मसात करते हुए अपनी समय-परीक्षित हिंदू संस्कृति और सभ्यता के प्रति दृढ़ रहने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है और हम सभी को संस्कृत के साथ-साथ उससे निकली भाषाओं को भी सीखना चाहिए। उन्होंने लोगों से बहादुर बनने और राष्ट्र के लिए सेवा और बलिदान की भावना के साथ मातृभूमि भारत के प्रति समर्पित रहने को कहा। उन्होंने आगे इस बात पर ज़ोर दिया कि हर किसी को, जाति, पंथ, रंग, लिंग की परवाह किए बिना, अपनी प्रतिभा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करनी चाहिए, चाहे वह बौद्धिक रूप से हो, पेशेवर रूप से हो, सामाजिक रूप से हो या पारिवारिक मामलों में हो।

उत्तराखंड के निवासियों के लिए, दिल्ली के प्रवासी उत्तराखंडियों द्वारा एक सराहनीय प्रयास

नई दिल्ली / पौड़ी गढ़वाल 29 दिसंबर। । उत्तराखंड एडवरटाइजिंग क्लब (यूकेएसी), दिल्ली, जिसकी स्थापना का एकमात्र उद्देश्य – फ्रउत्तराखंड के निवासियों के लिए, दिल्ली के प्रवासी उत्तराखंडियों द्वारा कुछ सकारात्मक करने की भावना के साथ की गई है। इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए यूकेएसी ने शिक्षा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। गत सप्ताह यूकेएसी के प्रमुख सदस्य श्रीमान मनोज डोभाल, जो वर्तमान में डिश टीवी के चेयरमैन, पूर्णकालिक निदेशक एवं सीईओ के पद पर कार्यरत हैं, के करकमलों द्वारा उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जनपद अंतर्गत घुड़दौड़ी गाँव स्थित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय के 12 विद्यार्थियों की एक वर्ष की शिक्षा शुल्क को प्रायोजित करने के संकल्प के अंतर्गत ?82,800 की राशि का प्रतीकात्मक चैक विद्यालय प्रबंधन को सौंपा गया। इसी संकल्प के तहत जनवरी 2026 की 12 विद्यार्थियों की फीस सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय के खाते में जमा करा दी गई है। उल्लेखनीय है कि आर्थिक अभाव के कारण इन विद्यार्थियों की शिक्षा असमय रुकने की स्थिति में थी। बच्चों की शिक्षा निरंतर एवं बाधारहित रूप से चलती रहे,को सुनिश्चित करने के लिए यूकेएसी अपने इस प्रयास पर गर्व महसूस करता है।

संपादकीय

पाकिस्तान की हिचकिचाहट भरी स्वीकारोक्ति

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार की हालिया टिप्पणियों ने चुपचाप लेकिन निर्णायक रूप से सीमा पार भारतीय सैन्य कार्रवाई पर इस्लामाबाद के लंबे समय से चले आ रहे सार्वजनिक रुख को खत्म कर दिया है। यह स्वीकार करके कि भारत ने रावलपिंडी में नूर खान एयर बेस पर हमला किया था, जिसे नई दिल्ली ने ऑपरेशन सिंदूर कहा था, पाकिस्तान का नेतृत्व इनकार से हिचकिचाहट भरी स्वीकारोक्ति की ओर बढ़ गया है। यह बदलाव न केवल इसलिए महत्वपूर्ण है कि यह क्या स्वीकार करता है, बल्कि इसलिए भी कि यह क्षेत्र की रणनीतिक वास्तविकताओं के बारे में क्या बताता है।

इन घटनाओं की पृष्ठभूमि में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुआ क्रूर आतंकवादी हमला था, जिसमें 26 हिंदू पर्यटकों को बेरहमी से मार दिया गया था। इसकी जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली थी, जिसे व्यापक रूप से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ माना जाता है, जो पाकिस्तानी धरती से काम करता है। भारत की प्रतिक्रिया - पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर लक्षित हमले - को तनाव बढ़ाने के बजाय निवारक कार्रवाई के रूप में पेश किया गया। हफ्तों तक, पाकिस्तान ने इन हमलों के प्रभाव को कम करने या खारिज करने की कोशिश की। डार की हालिया टिप्पणियां अब उस रुख का खंडन करती हैं।

स्वीकारोक्ति से भी ज्यादा खुलासा करने वाला पाकिस्तान के विदेश मंत्री द्वारा अपनाया गया लहजा है। हमलों को एयर शो बताकर और ड्रोन इंटरसेप्शन पर ज़ोर देकर, इस्लामाबाद नियंत्रण और लचीलापन दिखाने के लिए उत्सुक दिख रहा है। फिर भी, ऐसी बयानबाजी केंद्रीय वास्तविकता को छिपाने में नाकाम रहती है- पाकिस्तान के सैन्य मुख्यालय के पास एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण एयर बेस पर हमला हुआ। स्वतंत्र एजेंसियों द्वारा जारी सैटेलाइट तस्वीरों से कई एयर बेस को हुए नुकसान की पुष्टि होती है, जो भारत के सटीक और पहुंच के दावों को मज़बूत करता है। पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व की स्वीकारोक्ति इन आकलन की विश्वसनीयता को और मज़बूत करती है।

डार का यह खुलासा कि पाकिस्तान ने हमले के समय का गलत अनुमान लगाया, ऑपरेशन द्वारा उजागर की गई कमज़ोरी को और उजागर करता है। रणनीतिक गलतियाँ - खासकर उच्च-मूल्य वाले सैन्य प्रतिष्ठानों के संबंध में - मामूली गलतियाँ नहीं हैं। वे मज़बूत रक्षा क्षमताओं के बार-बार के दावों के बावजूद तैयारी और खुफिया जानकारी में कमियों की ओर इशारा करती हैं। रावलपिंडी में, जो पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठान का दिल है, वरिष्ठ नेताओं का अचानक पकड़े जाना प्रतीकात्मक और परिचालन दोनों तरह से महत्वपूर्ण है।

इसी तरह व्यापक राजनीतिक संदर्भ भी महत्वपूर्ण है। डार और प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ दोनों ने अब अलग-अलग समय पर यह स्वीकार किया है कि भारतीय मिसाइलें संवेदनशील ठिकानों तक पहुँचीं। ये बयान बताते हैं कि पाकिस्तान का आंतरिक नैरेटिव बदल रहा है, भले ही उसका बाहरी संदेश अभी भी अड़ियल बना हुआ हो। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय का लंबे समय तक एक्टिव रहना इस बात का भी संकेत देता है कि उसे इस बात का एहसास है कि आतंकवाद पर इंटरनेशनल माहौल अब अस्पष्टता को बर्दाश्त नहीं करेगा।

आखिर में, भारत का रुख साफ और पक्का है। आतंकवाद का जवाब फोकस्ड और नपे-तुले मिलिट्री एक्शन से देकर, नई दिल्ली ने यह साफ कर दिया है कि उसके नागरिकों पर हमलों का जवाब ज़रूर दिया जाएगा। साथ ही, भारत ने आतंकी इंफ्रास्ट्रक्चर तक ही अपनी कार्रवाई सीमित रखकर और गैर-ज़रूरी तनाव बढ़ाने से बचकर संयम भी दिखाया है। यह तरीका एक भरोसेमंद रणनीति को दिखाता है - जो जवाबदेही और ज़िम्मेदारी के बीच संतुलन बनाती है - और यह संकेत देता है कि इस क्षेत्र में स्थायी शांति आतंकवाद को समर्थन खत्म करने पर निर्भर करती है, न कि उसके नतीजों से इनकार करने पर।

सुधार, समायोजनीयता और संकल्प- 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था

— अमिताभ कांत

जैसे-जैसे परिवारों की आय बढ़ेगी, उनके पास यादा खर्च करने या बचत करने या फिर दोनों के विकल्प होंगे। संगठित क्षेत्र में रोजगार बढ़ने से भविष्य निधि, पेंशन और बीमा कोष में निवेश बढ़ेगा। दुनिया भर में इस तरह के कोष घरेलू पूंजी बाजारों के लिए पूंजी का एक बड़ा स्रोत होते हैं, क्योंकि ये कंपनियों, परियोजनाओं या सरकारी बॉन्ड में ऋण और इक्विटी के रूप में निवेश किए जाते हैं। बीमा क्षेत्र में शत प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देने से भारत का पूंजी बाजार और मजबूत होगा, साथ ही प्रतिस्पर्धा और सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा।

पिछले पांच वर्षों में आए कई वैश्विक झटकों ने दुनिया भर में अस्थिरता और अनिश्चितता का माहौल पैदा किया है। साल 2025 अब तक भू-राजनीतिक बिखराव,व्यापारिक अनिश्चितता, आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव और तकनीकी वर्चस्व की जंग के नाम रहा है।दुनिया के इस अशांत माहौल के बीच, भारत की सूक्ष्म अर्थव्यवस्था सबसे अलग दिखती है। हालिया तिमाही में भारत की विकास दर 8.2 प्रतिशत रही है, जिसने बड़े-बड़े जानकारों के अनुमानों को भी पीछे छोड़ दिया है। राहत की बात यह है कि महंगाई और राजकोषीय घाटा नियंत्रण में है। तमाम बाहरी चुनौतियों के बावजूद, भारत की नीतियों का मुख्य उद्देश्य घरेलू अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत और लचीला बनाना रहा है।

किसी भी मजबूत अर्थव्यवस्था की असली बुनियाद घरेलू मांग होती है। करोड़ों भारतीय परिवारों के लिए कर नीतियों में बदलाव, खपत बढ़ाने का एक बड़ा जरिया साबित हुआ है। इस साल भारत ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह के टैक्स सुधारों को अपनाया है। फरवरी में पेश किये गए बजट में 12 लाख रुपये तक की सालाना आय को टैक्स-मुक्त किया गया था जिससे लोगों के हाथों में ज्यादा पैसाआया, साथ ही पुराने जटिल कानूनों की जगह नया आयकर अधिनियम 2025 लागू किया गया। इसके बाद सितंबर में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को और आसान बनाते हुए इसे दो स्लैब में रखा गया। इन सुधारों का असर यह रहा कि त्यौहार के सीजन में 6 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिक्री हुई। खास बात यह है कि टैक्स में राहत देने से सरकारी खजाने को नुकसान नहीं हुआ है, बल्कि बाजार में बढ़ी मांग और खपत के कारण आने वाले समय में टैक्स संग्रह के और बढ़ने की उम्मीद है।हमारी अर्थव्यवस्था का करीब 55-60 प्रतिशत हिस्सा घरेलू खपत पर आधारित है। जैसे-जैसे खपत बढ़ती है, उद्योगों की उत्पादन क्षमता का भी बेहतर इस्तेमाल होने लगता है। जब उत्पादन अपनी पूरी क्षमता तक पहुँच जाता है, तो अर्थव्यवस्था में निवेश भी बढ़ता है, जिसके कई सकारात्मक प्रभाव होते हैं।

उपभोक्ता मांग लंबे समय तक तभी बनी रह सकती है जब लोगों की आय में भी लगातार बढ़ोतरी हो, श्रम कानूनों में किये गए सुधार यह सुनिश्चित करेंगे। 29 पुराने और बिखरे हुए कानूनों की जगह चार आधुनिक श्रम संहिताएं लागू होने से अब भारत का श्रम ढांचा व्यवसायों के लिए अधिक पारदर्शी और श्रमिकों के लिए अधिक सुरक्षित हो गया है। इन कानूनों का मुख्य जोर उचित वेतन, बेहतर औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और श्रमिकों की सुरक्षा पर है। ये बदलाव यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारा 64 करोड़ का विशाल कार्यबल समृद्ध बने और भारत की विकास गति को और तेज बनाये।

जैसे-जैसे परिवारों की आय बढ़ेगी, उनके पास यादा खर्च करने या बचत करने या फिर दोनों के विकल्प होंगे। संगठित क्षेत्र में रोजगार बढ़ने से भविष्य निधि, पेंशन और बीमा कोष में निवेश बढ़ेगा। दुनिया भर में इस तरह के कोष घरेलू पूंजी बाजारों के लिए पूंजी का एक बड़ा स्रोत होते हैं, क्योंकि ये कंपनियों, परियोजनाओं या सरकारी बॉन्ड में ऋण और इक्विटी के रूप में निवेश किए जाते हैं। बीमा क्षेत्र में शत प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देने से भारत का पूंजी बाजार और मजबूत होगा, साथ ही प्रतिस्पर्धा और सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा। बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाना न केवल एक वित्तीय सुधार है, बल्कि यह सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने वाला एक बड़ा कदम है।

मांग के जरिए निवेश को बढ़ावा देने के साथ-साथ, इस साल देश में निवेश का माहौल भी काफी बेहतर हुआ है। जीएसटी सुधारों का मकसद केवल टैक्स दरों को सही करना ही नहीं था, बल्कि इससे पंजीकरण और नियमों के पालन की प्रक्रिया भी काफी आसान हो गई है। अब छोटी कंपनियों के लिए पंजीकरण के समय को 90 प्रतिशत तक घटा दिया गया है यानि 30 दिनों की बजाए अब पंजीकरण का समय महज 3 दिन कर दिया गया है। इसी तरह सिक्योरिटी मार्केट कोड से भारतीय पूंजी बाजारों के कामकाज में पारदर्शिता आएगी, ग्राहकों के हितों की रक्षा होगी और कागजी कार्रवाई का बोझ कम होगा। स्वायत नियन्त्रक भी विकास की राह आसान बना रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, रिजर्व बैंक ने अपने 9,000 से यादा सर्कुलरों को घटाकर 250 से भी कम कर दिया है। वहीं, भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (ईआरडीएआई) ने भी बीमा क्षेत्र में सुधारों के लिए एक कमेटी का गठन किया है।

पर्यावरण और निर्माण नियमों में भी बड़े सुधार किए गए हैं, जिसके तहत अब सभी के लिए एक जैसे नियम के बजाय जोखिम के आधार पर नियम तय किए जा रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, हर जगह 33त्न ग्रीन क्षेत्र की अनिवार्यता खत्म होने से 1.2 लाख हेक्टेयर औद्योगिक जमीन खाली हो जाएगी। अब औद्योगिक पार्कों में स्थित उन इकाइयों को अलग से पर्यावरण मंजूरी नहीं लेनी होगी, जिनके पास पहले से ही व्यापक अनुमति ली हुई है। इसके अलावा, कम जोखिम वाले उद्योगों के लिए एक नई श्वेत श्रेणी (व्हाइट कैटेगरी) बनाई गई है, जिससे उनके लिए नियमों का पालन करना सस्ता और आसान हो जाएगा। इससे प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भी यादा प्रदूषण फैलाने वाले और यादा जोखिम वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी।

जन विश्वास सुधारों के तहत 200 से अधिक छोटे-मोटे उल्लंघनों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया गया है और सैकड़ों पुराने पड़ चुके कानूनों को खत्म कर दिया गया है। इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए, कई राय सरकारें भी 1,000 से अधिक नियम उल्लंघनों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिए एक जुट हुई हैं। रायों ने जमीन, पर्यावरण मंजूरी और निर्माण जैसे क्षेत्रों में भी प्रक्रियागत सुधार किए हैं, जिससे परियोजनाओं को मिलने वाली मंजूरी की रफ्तार तेज हुई है। अब जल्द ही जन विश्वास का अगला चरण शुरू होने वाला है। ये तमाम बदलाव एक महत्वपूर्ण संकेत हैं कि भारत अब नियंत्रण के बजाय भरोसे पर आधारित अर्थव्यवस्था की ओर मजबूती से कदम बढ़ा रहा है।

पास-पड़ोस में मची उथल-पुथल और अनिश्चितता के बावजूद, भारत के विकास लक्ष्यों के लिए व्यापार सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ बना रहेगा। संसद के मानसून सत्र में, सरकार ने 1908, 1925 और 1958 के पुराने कानूनों को हटाकर भारत के समुद्री शासन (समुद्री क्षेत्र के प्रबंधन) का आधुनिकीकरण किया है। इन सुधारों के साथ ही भारत का समुद्री शासन ढांचा अब अंतरराष्ट्रीय मानकों के बराबर आ गया है। कागजी कार्रवाई में कटौती और सुदृढ़ शासन से लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी, जिससे भारतीय प्रतिस्पर्धिता बढ़ेगी।दूसरी बड़ी बात यह है कि 200 से अधिक गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) को हटाए जाने से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और निर्यातकों के सिर से एक बड़ा बोझ उतर गया है। इसके साथ ही, हमने अपने निर्यातकों के लिए नए बाजारों के दरवाजे भी खोल दिए हैं। ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और ओमान के साथ हुए व्यापार समझौतों के साथ-साथ यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के साथ हुए करार के लागू होने से भारतीय निर्यात को एक नई मजबूती मिली है।

रोजगार के अवसर और निर्यात की मजबूती बड़े स्तर की कंपनियों से ही आती है। लंबे समय तक हमारी नीतियां ऐसी रहीं जिनसे कंपनियों को छोटा बने रहने में ही फायदा दिखता था, लेकिन छोटा रहने का मतलब था कि कंपनियां बड़े पैमाने पर उत्पादन के फायदों का लाभ नहीं उठा पा रही थीं।अब पांच साल में दूसरी बार एमएसएमई की सीमा को बढ़ाया गया है। अगर 2020 से पहले की परिभाषा से तुलना करें, तो यह सीमा अब 10 गुना बढ़ चुकी है। इस बदलाव से कंपनियां सरकारी मदद का लाभ लेते हुए भी बढ़ने में मदद मिलती है। इसके साथ ही, निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 20,000 करोड़ रुपये का एक नया मिशन शुरू किया गया है, जो विशेष रूप से एमएसएमई की मदद करेगा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)और संबंधित बुनियादी ढांचे जैसी डेटा सेंटर में बढ़ते निवेश के कारण ऊर्जा खपत में ज़बरदस्त उछाल देखा जा रहा है। पिछले कुछ ही दिनों में भारत ने इस क्षेत्र में 70 अरब डॉलर का भारी-भरकम निवेश प्राप्त किया है। इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए परमाणु ऊर्जा एक संवहनीय विकल्प बनकर उभरी है। इसी को देखते हुए संसद ने शीतकालीन सत्र में शांति (सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया) विधेयक पारित किया गया है। यह एक बड़े बदलाव का संकेत है, क्योंकि भारत स्वेछा से राय-एकाधिकार मॉडल से हटकर सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाले और निवेश के अनुकूल ढांचे की ओर बढ़ रहा है। नए कानून के तहत अब नागरिक परमाणु परियोजनाओं में निजी और विदेशी कंपनियां भी हिस्सेदारी कर सकेंगी,जबकिईंधन, संवर्धन और पुन:प्रसंस्करण और हथियार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सरकार के नियंत्रण में ही रखा गया है।

सुधारों का यह सिलसिला केवल आर्थिक क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं है। ग्रामीण रोजगार कानून में सुधार करके अब काम की गारंटी को 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। नया कानून केवल राहत देने के बजाय उत्पादक रोजगार पर केंद्रित है जिसके तहत मजदूरी को जल सुरक्षा, जलवायु संरक्षण और बुनियादी ढांचे जैसे स्थायी निर्माण कार्यों से जोड़ा गया है। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान अधिनियम के जरिए एक बड़ा क्रांतिकारी कदम उठाया गया है।इसके तहत यूजीसी, एआईसीटीई, एनसीटीई जैसे कई एक ही तरह का काम कर रहे निकायों की जगह एकीकृत उच शिक्षा नियामक बनाया गया है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप किए गए इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य फंडिंग और विनियमन को अलग-अलग करना है, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जा सके।

अस्थिरता और अनिश्चितता के बीच भारत मजबूती से डटा हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में साल 2025 बड़े और निर्णायक सुधारों के वर्ष के रूप में दर्ज हुआ है, जिसकी मुख्य पहचान—भरोसा, सरलता और पूर्वानुमेयता है। ये सुधार आसान नहीं थे; इन्हें लागू करने के लिए मजबूत इछाशक्ति और राजनीतिक साहस की जरूरत थी। ये बदलाव एक बुनियादी आर्थिक सच को स्वीकार करते हैं कि सतत विकास केवल वित्तीय राहत या मौद्रिक प्रोत्साहन पर ही नहीं, बल्कि संस्थागत गुणवत्ता पर भी निर्भर करता है। अब राय सरकारों की बारी है कि वे भी इसी दिशा में कदम बढ़ाएं।

**लेखक पूर्व जी 20 शेरपा और नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। लेख में व्यक्त लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं।*

अरावली पर्वत श्रृंखला - प्राकृतिक धरोहर को संभालना होगा

योगेश कुमार सोनी

राजस्थान में अरावली पर्वत श्रृंखला (अरावली की पहाड़ियां) इन दिनों राजनीतिक जंग का मैदान बनी हुई हैं। अरावली को सब अपने-अपने हिसाब से परिभाषित कर रहे हैं। इस पर जबरदस्त विवाद छिड़ा हुआ है। भाजपा कह रही है कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जो 'सेव अरावली' कैंपेन चला रहे थे, उन्हीं के कार्यकाल में अरावली 100 मीटर की परिभाषा की सिफारिश की गई थी और हमने वो ही किया। हमें पहले यह समझना चाहिए कि अरावली भारत की रीढ़ है जो चार राज्यों से गुजरती है। यह उत्तर-पश्चिम भारत में लगभग 670 किलोमीटर लंबी मानी जाती है। यह दिल्ली के पास से शुरू होकर दक्षिण हरियाणा और राजस्थान के अंदर तक जाती है और फिर गुजरात में अहमदाबाद के आसपास के मैदानों तक पहुंचती है। भूगोलविद् सीमा जालान बताती हैं कि अरावली 67 करोड़ वर्ष पुरानी पर्वतमाला है और यह नहीं होतीं तो उत्तर भारत की जाने कितनी नदियां नहीं होतीं। जाने कितने जंगल, कितनी वनस्पतियां, कितने बहुमूल्य धातु और कितने इकोलॉजिकल वैभव नहीं होते। विशेषज्ञों के अनुसार, अरावली केवल जीव-जंतुओं के लिए ही नहीं बल्कि इंसानों के लिए भी जीवनरेखा है। केंद्र सरकार ने 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली घोषित किया है और इस पर उच्चतम न्यायालय ने इस पर अपनी मुहर लगा दी। इसके अलावा हरियाणा सरकार के हस्तक्षेप करने का कारण यह है कि अरावली का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा उसके अधिकार क्षेत्र में आता है और बाकी हिस्सा राजस्थान में है। कुछ लोग कह रहे हैं कि बीते कई वर्षों से अरावली में चोरी-छुपे खनन हुआ है और 100 मीटर की परिभाषा काकोई औचित्य नहीं है।

कांग्रेस का आरोप है कि देश में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है, वहीं केंद्र सरकार अरावली जैसी प्राकृतिक दीवार को कमजोर करने का काम कर रही है। उच्चतम न्यायालय में केंद्र सरकार की पैरवी भाजपा शासित चारों राज्यों की सरकारों ने की, जिससे सरकार की मंशा साफ नजर आती है। पहले ही अरावली में बड़े स्तर पर अवैध खनन हो रहा है। बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हो रहा है, ऐसे में कैसे बचेगी अरावली और कैसे बचेगा पर्यावरण? यह सब जानते हैं कि कोई भी प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर नष्ट या क्षतिग्रस्त अचानक नहीं होती। ऐसा होने में लंबा समय लगता है और यह खुला खेल हमेशा शासन-प्रशासन के सामने ही होता रहा है। शासन-प्रशासन को लगता है कि जनता को कुछ समझ नहीं आ रहा। यह कहने में संकोच नहीं कि अन्य देशों की अपेक्षा पर्यावरण व प्राकृतिक धरोहरों को बचाने व संभालने में हम उतने सक्षम नहीं हैं, जितने की हमें जरूरत हैं। दरअसल बात यह है कि लगातार बढ़ रही जनसंख्या को व्यवस्थित करने के लिए हम पर्यावरण व धरोहरों का विनाश करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाते हुए और हाई टेक दुनिया का निर्माण करना गलत नही हैं लेकिन मानव जीवन की सबसे अहम व मूलभूत जरूरत को दरकिनार करके तरक्की करना अपराध सा लगता है। प्रदूषण हमारा सबसे बड़ा दुश्मन बना हुआ है। इसका कारण भी धरोहरों को नष्ट करना है। देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। मनुष्य की शहरीकरण की भूख ने प्रकृति को इतनी हानि पहुंचा दी कि उसको यह मालूम ही नहीं पड़ा कि वो कब काल के गर्भ में प्रवेश कर गया। यदि महानगरों की जीवनशैली की चर्चा करें तो पिछले दो दशकों कम आयु में होने वाली मौतों के आंकडे ने चौंका दिया। मनुष्य की आयु का घटना लगातार जारी है। इंसान की उम्र करीब 100 वर्ष होती थी लेकिन आज के दौर में साठ साल पर आकर सीमित रह गई। वैज्ञानिकों के अनुसार, लगातार हो रही आपदाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बेतहाशा इस्तेमाल जिम्मेदार है। उनका मानना है कि आज हमारी धरती अपने भार से कहीं अधिक भार वहन कर रही है। अगर यही हाल रहा तो अगले कुछ वर्ष बाद ही धरती रहने लायक नहीं बचेगी। मनुष्य अब भी सही राह पर चलने लगो तो वह अपना भविष्य सुधार सकता है। पर्यावरणविद् मानते हैं कि अगर इस परिभाषा को स्वीकार कर लिया जाएगा, तो अरावली के 90 फीसदी इलाके खनन के लिए खुल जाएंगे, जिससे आने वाले समय में समस्या और बढ़ेगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दुनिया के लिए बड़ी चुनौती बना पर्यावरण संकट

कुलभूषण उपमन्यु

पिछली डेढ़ शताब्दी, जब से औद्योगिक क्रांति ने विकास की गति तेज की और प्रकृति को जीतने की होड़ मच गई, मशीनों ने बंधक- निर्माण- शक्ति मानव के हाथ में दे दी तब से विकास की परिभाषा भी धीरे-धीरे बदल गई। गुणात्मक जीवन के बजाय बाहुल्य को विकास माना जाने लगा। प्रकृति के साथ दुर्व्यवहार का एक अंतहीन सिलसिला आरंभ हो गया। प्रकृति के दोहन से ही बाहुल्य के लिए सामान बनाए जा सकते थे, इसलिए प्राकृतिक संसाधनों के असीमित दोहन की शुरुआत हो गई। उपनिवेशवाद के दौर में कम मशीनी शक्ति वाले देशों पर तथाकथित विकसित देशों द्वारा कब्जे किये गए और उनके संसाधनों को बेदर्दी से नष्ट किया गया। सभ्य कहलाने वाले देशों द्वारा कमजोर देशों के मूल निवासियों को किस तरह प्रताड़ित किया गया और उनकी सभ्यताओं को असभ्य घोषित करके नष्ट करने का कार्य किया गया, वह अपने आप में घिनौना इतिहास है, जिसके अवशेष अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के रूप में देखे जा सकते हैं। किन्तु यह आधुनिक सभ्यता अब अपने ही भार से भस्मासुर की तरह नष्ट होने की दिशा में बढती प्रतीत हो रही है।

इस सभ्यता ने अपने ही मूल पर आघात करना शुरू कर दिया है। हालांकि वैज्ञानिक समझ के विकास के चलते सब गलत दिशा को समझ भी रहे हैं किन्तु विज्ञान का दुरुपयोग प्रकृति विनाशक शक्ति के रूप में किया जा रहा है। दुनिया के सबसे विद्वान वैज्ञानिकों की बहुसंख्या युद्ध विज्ञान के विकास में संलग्न कर दी गई है, क्योंकि निर्णय लेने वाले लोग तो आदिम क्रूर मानसिकता के ही वाहक बने हुए हैं, जिनके हाथ में मशीन और विज्ञान, प्रकृति एवं प्राणी समाज के साथ मनमानी करने का हथियार बन गया है। ज्ञान, सुख और शांति का वाहक बनने के बजाय युद्ध और क्रूरता का वाहक बन गया है। इस स्थिति में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के सातवें अधिवेशन में नैरोबी में प्रस्तुत की गई ग्लोबल आउटलुक 2025 रिपोर्ट पर्यावरण के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार को संरेखित करती है और अपने तौर तरीकों पर मानव समाज को पुनर्विचार करके संशोधित करने की दिशा दिखलाती है। जलवायु परिवर्तन, प्रकृति के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार की प्रतिक्रिया के रूप में एक बड़े खतरे के रूप में चुनौती पेश कर रहा है। मशीनीकरण को चलाए रखने के लिए जिस ऊर्जा की बड़े पैमाने पर जरूरत है, वह जीवाश्म ईंधन से पैदा की जा रही है। इस उत्पादन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धुआं और जहरीली गैसें उत्सर्जित होती हैं जो हरित प्रभाव पैदा करके वायुमंडल के तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि कर रही हैं। तापमान वृद्धि से पूरा जलवायु का संतुलन हिल गया है। कहीं अतिवृष्टि हो रही है तो कहीं अनावृष्टि हो रही है। ग्लेशियर पिघल कर समाप्त होने की ओर अग्रसर हैं जो आसन्न जल संकट का कारण बनेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन से अभी 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड तक तापमान में वृद्धि हुई है जो 2024 में 1.55 डिग्री सेंटीग्रेड हो गई है। इस गति से वृद्धि होने पर जलवायु पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है, जो आगे बढ़ता ही जाएगा यदि तापमान वृद्धि को रोका नहीं गया तो इसके कारण जैव विविधता पर भी बुरा असर पड़ने वाला है, जिससे 10 लाख प्रजातियों के लुप्त हो जाने का खतरा पैदा हो गया है। 20-से 40 प्रतिशत भू-भाग वैश्विक स्तर पर अनुपजाऊ होने के कगार पर है, जिससे 300 करोड़ लोग प्रभावित होंगे। जलवायु से जुडी भीषण घटनाओं के कारण जन-धन की भारी हानि हो रही है। आर्थिक रूप में वार्षिक 14300 करोड़ डॉलर की हानि पिछले दो दशकों से हो रही है। वायु प्रदूषण के कारण 2019 में स्वास्थ्य संबंधी आर्थिक नुकसान 8.1 ट्रिलियन डॉलर आंका गया, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था का 6.1 प्रतिशत है। 90 लाख मौतें प्रदूषण संबंधी कारणों से हुईं। 80 हजार लाख टन प्लास्टिक कचरा फैला हुआ है, जिससे गंभीर रासायनिक तत्वों से संपर्क हो रहा है और इससे 1.5 ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक हानि प्रति वर्ष हो रही है। नैनो प्लास्टिक तत्व मनुष्य शरीर तक पहुंच कर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर रहे हैं। अनुमान है कि यदि 2040 तक तापमान वृद्धि दो डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंच गई तो जलवायु परिवर्तन के कारण पारिस्थितिक-व्यवस्था का अपूरणीय विनाश हो सकता है, जिससे बड़े पैमाने पर विस्थापन होगा। अर्थव्यवस्थाएं चौपट हो सकती हैं और बेरोजगारी, गरीबी, और अस्थिरता बढ़ेगी। उपजाऊ जमीनों के नष्ट होने से भूख, विविधता विनाश, पौष्टिक आहार की कमी, अकाल और सामाजिक असंतोष के हालात बनेंगे।

इस स्थिति से निपटने के लिए तत्काल गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। किन्तु जलवायु नियंत्रण समझौतों के विषय में बहुत से देश विमुखता दिखा रहे हैं, जो मान भी रहे हैं वे भी हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लिए स्व घोषित लक्ष्य ही मानने तक सीमित रहना चाहते हैं। इस स्थिति से बाहर निकल कर कुछ आवश्यक कदम उठाने होंगे, खासकर हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में भारी कटौती करनी होगी, जिसके लिए कार्बनमुक्त ऊर्जा विकल्पों की ओर मुड़ना होगा। सौर ऊर्जा, पवन उर्जा, हाइड्रो काईनैटीक ऊर्जा आदि विकल्प उपलब्ध और विकसित करने होंगे। पेट्रोल, डीजल पर दी जा रही सब्सिडी को हरित ऊर्जा की ओर मोड़ना पड़ेगा। अत्यधिक संसाधन दोहन और दुरुपयोग को नियंत्रित करने के लिए यूज एंड थ्रो उत्पाद पद्धति को बदल कर टिकाऊ और मुरम्मत किये जाने योग्य उत्पाद बनाने होंगे। बेकार पदार्थों और कचरे के पुन- चक्रीकरण की व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करना संसाधनों के अत्यधिक दोहन को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। वायु प्रदूषण को रोकना और पारिस्थितिक तंत्र को बचाना और पुनर्जीवित करने पर जोर देना पड़ेगा। जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने के लिए जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने के साथ-साथ जलवायु अनुकूलन की विधियां तलाशनी होंगी। परिवहन के कारण होने वाले भारी प्रदूषण से निपटने के लिए टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आरामदायक बनाते हुए विकसित करना पड़ेगा। समस्याएं तो आती ही रहेंगी किन्तु समाधान के लिए प्रकृति आधारित हल प्राथमिकता से ढूंढे जाएं तो हालत सुधरने में मदद जरूर मिलेगी।

(लेखक, हिमालय नीति अभियान के अध्यक्ष और पर्यावरणविद् हैं।)

मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच में जिला प्रशासन ने रेल प्रशासन को सात रन से दी शिकस्त

एजेंसी

प्रयागराज। माघ मेला की तैयारियों के दृष्टिगत आपसी समन्वय, सहयोग एवं सौहार्द को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से डीएसए ग्राउण्ड में जिला प्रशासन एवं रेल प्रशासन के मध्य एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच हुआ। रेल प्रशासन, एनसीआर की टीम डीआरएम-11 की कप्तानी मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल ने तथा जिला प्रशासन की टीम डीएम-11 की कप्तानी जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा ने की। मैच की मुख्य अतिथि मंडलायुक्त प्रयागराज सौम्या अग्रवाल रहीं। इसके अतिरिक्त इस आयोजन में वंदना अग्रवाल, अंकिता एवं तरुण प्रकाश भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। फ्रेंडली क्रिकेट मैच का आयोजन प्रयागराज मंडल खेलकूद संघ द्वारा किया गया, जिसके आयोजक शैलेंद्र कुमार सिंह, मंडल क्रीड़ा अधिकारी, प्रयागराज रहे। टॉस जीतकर रेल प्रशासन की टीम ने पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया। जिला प्रशासन की टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज के रूप में डीएम मनीष कुमार वर्मा एवं इमरान ने पारी की शुरुआत की। जिला प्रशासन की टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 116 रन बनाए। इस दौरान श्री ऋषिराज ने 29 गेंदों में 31 रन बनाकर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया।

राउंडग्लास पंजाब और आर्मी बॉयज ने सब जूनियर पुरुष अकादमी चैम्पियनशिप के फाइनल में बनाई जगह

सूरत। राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी और आर्मी बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी ने तीसरी हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरुष अकादमी चैम्पियनशिप 2025- जोन ए और बी के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। सूरत के वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के हॉकी ग्राउंड में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में जहां राउंडग्लास पंजाब ने सेल हॉकी अकादमी को हराया, वहीं आर्मी बॉयज ने रितु रानी हॉकी अकादमी को मात दी। पहले सेमीफाइनल में आर्मी बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी ने अर्जुन की हैट्रिक (25वें, 37वें और 39वें मिनट) और शुभम संजय शिंदे (44वें मिनट) व अर्कित बरुआ (58वें मिनट) के गोलों की बदौलत रितु रानी हॉकी अकादमी के खिलाफ 5-1 से जीत दर्ज की। रितु रानी हॉकी अकादमी की ओर से संदीप सिंह (45वें मिनट) ने एकमात्र गोल दागा। दूसरे सेमीफाइनल में राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी ने सेल हॉकी अकादमी के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में जीत हासिल की। राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी की ओर से सनमुख सिंह ने 57वें मिनट में और सेल हॉकी अकादमी की ओर से मोहम्मद शाहिद ने 30वें मिनट में गोल दागा। दोनों टीमों के बीच 1-1 से स्कोर बराबरी के बाद, राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी ने पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से जीत दर्ज की।

पूर्वोत्तर रेलवेः अंतर विभागीय टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में इंजीनियरिंग विभाग फाइनल में

वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल स्थित लहरतारा रेलवे स्टेडियम में आयोजित अंतर विभागीय टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल में इंजीनियरिंग विभाग ने वाणिज्य विभाग को 32 रनों से पराजित कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। खेले गए इस मुकाबले में वाणिज्य विभाग ने टॉस जीतकर इंजीनियरिंग विभाग को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। इंजीनियरिंग विभाग की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 151 रन बनाए। टीम की ओर से ऋषभ ने 29 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 39 रन बनाए। सुभाष ने 12 गेंदों पर 24 रन, अखिलेश ने 13 गेंदों पर 29 रन तथा सुरेंद्र ने 12 गेंदों पर 16 रन का योगदान दिया। वाणिज्य विभाग की गेंदबाजी में संतोष ने चार ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि विष्णु मीणा और भूषण ने दो-दो विकेट प्राप्त किए। अमित राज को एक विकेट मिला। 152 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वाणिज्य विभाग की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। नियमित अंतराल पर विकेट गिरने के कारण टीम दबाव में आ गई और 20 ओवर में 9 विकेट खोकर मात्र 119 रन ही बना सकी।

सद्भावना क्रिकेट टूर्नामेंट में फाइनल में महोली बनी चैंपियन

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद सीतापुर विकासखण्ड कसमण्डा के गांव विक्रमपुर सरैया में आयोजित सद्भावना क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेल प्रेमियों के लिए रोमांच से भरपूर रहा। खचाखच दर्शकों से भरे मैदान और जोश के बीच खेले गए इस मुकाबले में महोली की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रेवरी को 10 रनों से पराजित कर विजेता कप अपने नाम कर लिया।

फाइनल मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए रेवरी की टीम ने निर्धारित 12 ओवर में 84 रन का लक्ष्य महोली के सामने रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी महोली की टीम ने आखिरी ओवर की अंतिम गेंद पर जीत दर्ज कर मैदान में जश्न का माहौल बना दिया। इस रोमांचक मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए साकिब को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच के समापन के बाद पुरस्कार वितरण किया गया। मुख्य अतिथि निर्धन परिवार कल्याण के प्रबंधक अभिषेक ठाकुर ने विजेता टीम महोली के कप्तान मानस सिंह को 11, हजार नगद पुरस्कार प्रदान किया। वहीं उपविजेता टीम रेवरी के कप्तान सुनील को 5 हजार एक सौ नगद पुरस्कार एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

फिडे वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप में कोनेरू हम्पी ने जीता ब्रॉन्ज, सीएम चंद्रबाबू नायडू ने बधाई दी

एजेंसी

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कोनेरू हम्पी को फिडे वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'चैंपियन एक नतीजे से नहीं, बल्कि बार-बार उच्चतम स्तर पर मुकाबला करने के साहस से परिभाषित होते हैं। विश्व मंच पर कांस्य पदक सच्ची उत्कृष्टता को दर्शाता है। आपकी यात्रा, निरंतरता और आप भारत को जिस तरह गौरवान्वित करती हैं। वह लाखों लोगों को प्रेरित करता है।' इसके साथ ही सीएम ने वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने पर अर्जुन एरिगैसी को भी बधाई दी। सीएम नायडू ने लिखा, 'पोडियम फिनिश करना उन्हें ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद के बाद यह

उपलब्धि हासिल करने वाला एकमात्र भारतीय पुरुष बनाता है। तेलंगाना के बेटे अर्जुन ने भारत की शानदार शतरंज विरासत में गौरव का एक और अध्याय जोड़ा है।' इस मौके पर खेल मंत्री मंडीपल्ली रामप्रसाद रेड्डी ने कहा, 'हम्पी पहले ही फिडे वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप में 5 पदक जीत चुकी हैं। भारत को उनकी इन उपलब्धियों पर गर्व है।' खेल मंत्री ने कोनेरू हम्पी को सभी महिला खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बताते हुए कामना की है कि वह भविष्य में और भी पदक अपने नाम करें। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने अर्जुन एरिगैसी को बधाई देते हुए लिखा, 'फिडे वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल हासिल करने पर धरती के बेटे को बधाई। इस उपलब्धि के साथ, वह विश्वनाथन आनंद के बाद इस इवेंट में पोडियम तक पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। तेलंगाना को आपकी उपलब्धियों पर गर्व है।' इसके साथ उन्होंने फिडे वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने पर कोनेरू हम्पी को भी बधाई देते हुए कहा है कि वह भारत को गौरवान्वित करती रहेंगी। आंध्र प्रदेश खेल प्राधिकरण (एसएएपी) के अध्यक्ष ए. रवि नायडू ने कहा है कि हम्पी ने फिडे चैंपियनशिप में 5 मेडल जीतकर भारत को गौरवान्वित किया है।

सिडनी टेस्ट से पहले इंग्लैंड को बड़ा झटका, गस एटकिंसन बाहर

एजेंसी

सिडनी। एशेज सीरीज के आखिरी टेस्ट से पहले इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी यूनिट को एक और बड़ा झटका लगा है। हैमस्ट्रिंग चोट के कारण गस एटकिंसन को सिडनी टेस्ट से बाहर कर दिया गया है। स्कैन में उनके बाएं पैर में चोट की पुष्टि होने के बाद सोमवार को उन्हें आधिकारिक तौर पर टीम से बाहर कर दिया गया। एटकिंसन को मेलबर्न टेस्ट के दूसरे दिन चोट लगी थी। वह शुरुआत में पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट के लिए चुने गए चार तेज गेंदबाजों–ब्राइडन कार्स, मार्क वुड, जोफ्रा आर्चर और गस एटकिंसन–में शामिल थे। इन चारों को ऑस्ट्रेलिया में अपनी रफ्तार से मेजबान टीम को चुनौती देने की उम्मीद थी। , यह योजना एक-एक कर चोटों की भेंट चढ़ती चली गई। मार्क वुड पर्थ में दो दिन में मिली हार के बाद घुटने की समस्या के चलते सिर्फ एक टेस्ट खेल पाए। इससे पहले इसी साल उनके बाएं घुटने की सर्जरी हुई थी। तीसरे टेस्ट, एडिलेड के बाद जोफ्रा आर्चर भी बाहर हो गए, जो इंग्लैंड के लिए खासा निराशाजनक रहा क्योंकि उन्होंने उसी मैच में पहली पारी में पांच विकेट लेकर सीरीज की अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी की थी। अब गस एटकिंसन तीसरे तेज गेंदबाज हैं जो चोट के कारण बाहर हुए हैं। उन्हें एडिलेड टेस्ट से ड्रॉप किया गया था, लेकिन आर्चर की जगह मेलबर्न में दोबारा बुलाया गया। इस दौरे पर एटकिंसन ने 47.33 की औसत से छह विकेट लिए। उनकी प्रमुख उपलब्धि ब्रिस्बेन टेस्ट की चौथी पारी में ट्रैविस हेड और मार्नस लाबुशेन के विकेट रहे। इन हालात में ब्राइडन कार्स अब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इंग्लैंड के इकलौते 'आउट-एंड-आउट' एक्सप्रेस पेसर रह गए हैं। मेलबर्न में इंग्लैंड की जीत में कार्स का प्रदर्शन इस गर्मी का उनका सर्वश्रेष्ठ रहा, जबकि इससे पहले पहले तीन टेस्ट में वह कुछ खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए थे।

भारत बनाम श्रीलंकाः लगातार तीसरे टी 20 मैच में शेफाली वर्मा का अर्धशतक, इस लिस्ट में बनाई जगह

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के लगातार तीसरे मैच में अर्धशतक लगाया है। शेफाली ने ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में मेहमान टीम के खिलाफ 79 रन की पारी खेली। इसी के साथ शेफाली टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार सबसे ज्यादा 50 से ज्यादा स्कोर बनाने वालीं भारतीय महिलाओं में दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। शेफाली वर्मा श्रीलंका के विरुद्ध टी20 सीरीज के पहले मैच में 9 रन ही बना सकी थीं। इसके बाद उन्होंने दूसरे मुकाबले में नाबाद 69 रन की पारी खेली, जबकि अगले मैच में 79 रन बनाए। इस लिस्ट में मिताली राज और स्मृति मंधाना संयुक्त रूप से शीर्ष पायदान पर हैं। मिताली ने साल 2016 से 2018 के बीच लगातार 4 मुकाबले में 50 से ज्यादा रन की पारियां खेलीं। वहीं, स्मृति मंधाना ने साल 2024 से 2025 के बीच लगातार 4 पारियों में 50 रन के आंकड़े को छुआ था। खेले जा रहे इस मुकाबले में भारत ने निर्धारित ओवरों में 2 विकेट खोकर 221 रन बनाए। टीम को शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने जबरदस्त शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 15.2 ओवरों में 162 रन जुटाए। शेफाली 46 गेंदों में 1 छक्के और 12 चौकों के साथ 79 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, स्मृति मंधाना ने 48 गेंदों में 80 रन बनाए। उनकी इस पारी में 3 छक्के और 11 चौके शामिल थे। भारतीय टीम ने 168 के स्कोर तक दोनों सलामी बल्लेबाजों का विकेट गंवा दिया था। यहां से हरमनप्रीत कौर ने ऋचा घोष के साथ 23 गेंदों में 53 रन की साझेदारी की। ऋचा 16 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 40 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि कप्तान हरमनप्रीत ने 10 गेंदों में 16 रन बनाए। विपक्षी टीम के लिए मलशा शेहानी और निमाशा मदुशानी ने 1-1 विकेट निकाला। भारत ने सीरीज के पहले मैच को 8 विकेट से अपने नाम किया था। इसके बाद टीम इंडिया ने 7 विकेट से अगला मैच जीता। भारत ने तीसरे मुकाबले को 8 विकेट से जीतकर सीरीज में 3-0 से अजेय बढ़त बना ली है। सीरीज का अंतिम मुकाबला 30 दिसंबर को खेला जाना है।

नाथन एके को साइन करना चाहती है बार्सिलोना, मगर मैनचेस्टर ने मांग ली 250 करोड़ की ट्रांसफर फीस

एजेंसी

मैनचेस्टर। डिफेंडिंग ला लीगा चैंपियन एफसी बार्सिलोना अपना डिफेंस मजबूत करने के लिए नाथन एके को साइन करना चाहती है, लेकिन उसकी इन कोशिशों में झटका लगा है। पूर्व इंग्लिश चैंपियन मैनचेस्टर सिटी ने डच डिफेंडर को रिलीज करने के लिए भारी ट्रांसफर फीस की मांग की है। सीजन के पहले हाफ में बार्सिलोना को अपनी बैकलाइन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ा है। यह टीम जनवरी ट्रांसफर विंडो में डिफेंसिव खिलाड़ियों को लाने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। इस मामले में, नाथन एके स्पेनिश दिग्गजों के लिए सही विकल्प के रूप में उभरे हैं। बाएं पैर का यह खिलाड़ी सेंटर-बैक के रूप में सहज है। वह जरूरत पड़ने पर लेफ्ट-बैक के रूप में भी खेल सकते हैं। यह खूबी टैक्टिकल फ्लेक्सिबिलिटी देती है। इसके बावजूद नाथन एके शुरुआती टीम में जगह नहीं बना पाए हैं, हालांकि नीदरलैंड्स के साथ उनके प्रदर्शन से पता चलता है कि वह हाई इंटरनेशनल लेवल पर खेल सकते हैं। 'स्पोर्ट' की एक रिपोर्ट में दावा किया गया, 'डच इंटरनेशनल खिलाड़ी मैनचेस्टर सिटी छोड़ने के लिए तैयार है। बार्सिलोना के लिए खेलने का विचार उन्हें खासतौर पर पसंद आया। बार्सिलोना के लिए, अनुभव और बहुमुखी प्रतिभा का यह कॉम्बिनेशन सीमित विकल्पों वाले बाजार में उन्हें एक आकर्षक नाम बनाता है।' रिपोर्ट में दावा किया गया, 'मैनचेस्टर सिटी एके को तभी रिलीज करने को तैयार होगी, जब कोई ऑफर 25 मिलियन यूरो (करीब 250 करोड़ रुपए) से अधिक हो।

डिफेंडर का कॉन्ट्रैक्ट 2027 तक है।' यहीं से बार्सिलोना की समस्याएं शुरू होती हैं। वे वर्तमान में सख्त वित्तीय नियंत्रण और अपनी सैलरी कैप को लेकर अनिश्चितता के तहत काम कर रहे हैं। यही वजह है कि जनवरी में इतनी बड़ी डील करना बहुत मुश्किल है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बार्सिलोना यह मानती है कि उसे अपने डिफेंस को मजबूत करना जरूरी है, लेकिन क्लब मैनेजमेंट आंतरिक रूप से इस बारे में स्पष्ट नहीं है कि वे वित्तीय जरूरतों को कैसे पूरा कर सकते हैं।

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डग ब्रेसवेल ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लिया

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डग ब्रेसवेल ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने का ऐलान किया है। 35 साल के ब्रेसवेल ने अपने करियर के दौरान 2011 से 2023 तक 28 टेस्ट, 21 वनडे और 20 टी20 मैच खेले। ब्रेसवेल ने कुल 74 टेस्ट विकेट लेकर रिटायरमेंट लिया है। अपने तीसरे ही टेस्ट मैच में उन्होंने होबार्ट में ऑस्ट्रेलिया को हराने में न्यूजीलैंड की मदद की थी, जिसमें उन्होंने मैन ऑफ द मैच परफॉर्मेंस देते हुए रोमांचक आखिरी पारी में 6-40 विकेट लेकर सात रन से जीत दिलाई थी। यह आखिरी बार था जब न्यूजीलैंड ने टेस्ट लेवल पर ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अपने ट्रांस-तस्मान प्रतिद्वंद्वियों को हराया था।

ब्रेसवेल ने न्यूजीलैंड के लिए व्हाइट-बॉल मैचों में भी 46 विकेट लिए। उनका आखिरी इंटरनेशनल मैच 2023 में वेलिंगटन में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट मैच था, लेकिन हाल ही में पसली में चोट लगने के

कारण ब्रेसवेल को न्यूजीलैंड की घरेलू टीम सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के साथ अपना करियर खत्म करना पड़ा।

ब्रेसवेल ने एक बयान में कहा, 'यह मेरी जिंदगी का एक गौरवपूर्ण हिस्सा रहा है। एक युवा क्रिकेटर के तौर पर मैं हमेशा से यही चाहता था। मैं क्रिकेट के जरिए मिले मौकों और अपने देश के लिए खेलने के मौके के लिए हमेशा आभारी रहूंगा। साथ ही, अपने पूरे घरेलू करियर में सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के लिए खेलने के मौके के लिए भी। उन्होंने कहा, 'मैं इस मौके पर उन सभी टीम के साथियों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिनके साथ मैं खेला हूं। मैं उन कोच और मैनेजमेंट को भी धन्यवाद देना चाहता हूं जो इस सफर में मेरे साथ रहे और मेरे लिए कुछ किए। ब्रेसवेल ने आगे कहा कि फर्स्ट-क्लास और इंटरनेशनल क्रिकेट खेलना एक सौभाग्य की बात है। मैं शुक्रगुजार हूं कि मैंने इतने लंबे समय तक यह खेल का आनंद लिया। ब्रेसवेल न्यूजीलैंड क्रिकेट के उन कुछ मॉडर्न ऑलराउंडरों में से एक के तौर पर रिटायर हुए हैं जिन्होंने 4 हजार रन और 400 करियर विकेट का एलीट फर्स्ट-क्लास डबल हासिल किया है। इनमें से 3,029 रन और 258 विकेट सेंट्रल के लिए थे, जो टीम के इतिहास का सबसे अच्छा ऑलराउंड रिकॉर्ड है। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के लिए डोमेस्टिक क्रिकेट के अलावा, ब्रेसवेल ने इंग्लैंड की काउंटी क्रिकेट में एसेक्स और नॉर्थम्पटनशायर के लिए भी खेला है। उन्होंने आईपीएल 2012 में दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स), एसए20 2024 में जोबर्ग सुपर किंग्स और इस साल की शुरुआत में ग्लोबल सुपर लीग में सेंट्रल स्टैग्स के लिए भी खेला है।

27 वीं उप्र पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिताः तीसरे दिन सीतापुर, मुरादाबाद व लखनऊ की टीम का रहा दबदबा

एजेंसी

मुरादाबाद। डा. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी मुरादाबाद में 27 वीं उप्र पुलिस चार दिवसीय घुड़सवारी प्रतियोगिता में मिडले रिले, यूपी पुलिस फाल्ट एंड आउट व रईस कम्पटीशन स्पर्धा आयोजित की गई। तीसरे दिन भी सीतापुर, मुरादाबाद व लखनऊ की टीम का दबदबा रहा, जबकि बरेली व अलीगढ़ टीम ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। रविवार की सुबह करीब आठ बजे अकादमी के घुड़सवारी मैदान में प्रतियोगिता की शुरूआत की गई। सबसे पहले यूपी पुलिस सईस कम्पटीशन स्पर्धा कराई गई। जिसमें मुरादाबाद पुलिस अकादमी के घुड़सवार सुधीर की घोड़ी उर्वी ने प्रथम स्थान हासिल किया। लखनऊ टीम घुड़सवार चंद्रशेखर यादव की घोड़ी सरिता ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। जबकि सीतापुर टीम घुड़सवार अशोक शर्मा की घोड़ी शाहीन ने तीसरा व अलीगढ़ टीम घुड़सवार कृपाल सिंह के घोड़े मस्तमौला ने चौथा स्थान हासिल किया। इसके बाद यूपी पुलिस मिडले रिले स्पर्धा हुई। जिसमें सीतापुर टीम ए के घुड़सवार हिमांशु कुमार के घोड़े रणकुम्भ, अविनाश कुमार की घोड़ी शाहीन व अजय सिंह की घोड़ी चंचल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि सीतापुर टीम बी के घुड़सवार मोहित कुमार के घोड़े दारा, कुलदीप कुमार की घोड़ी अहिल्या व मोहम्मद नाजिर के घोड़े राजा ने दूसरा स्थान हासिल किया। बरेली टीम के घुड़सवार अनुराग कुमार की घोड़ी सरिता, शुभम कुमार की घोड़ी इला व रविंद्र कुमार के घोड़े रेम्बो ने तीसरा व मुरादबाद पुलिस अकादमी टीम बी के घुड़सवार प्रमोद कुमार मौर्य की घोड़ी उर्वी, मुकेश बाबू की घोड़ी मोंटीना और तुषार कांत के घोड़े नेल्शन को चौथा स्थान मिला।

टी20 वर्ल्ड कप टीम में शामिल होंगे पैट कमिंस और जोश हेजलवुड

एजेंसी

मेलबर्न। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस और जोश हेजलवुड को चोट की चिंताओं के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ अपने टी20 वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगा, जिससे पहले ये टीम जनवरी में पाकिस्तान में तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने बताया है कि चार हफ्तों में पैट कमिंस का एक और स्कैन होगा, जिसके बाद वर्ल्ड कप में उनकी उपलब्धता पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। टी20 विश्व कप की शुरुआत 7 फरवरी से होने जा रही है। एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, 'मुझे लगता है

कि पैट कमिंस का चार हफ्तों में एक और स्कैन होगा, जिससे हमें वर्ल्ड कप के लिए उनकी स्थिति के बारे में जानकारी मिल जाएगी। उन्हें 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया जाएगा, और फिर हमें पता चलेगा कि उनकी स्थिति कैसी है।' पैट कमिंस को जुलाई में पीठ में स्ट्रेस इंजरी हुई थी, जिसके बाद से कमिंस ने सिर्फ एक ही इंटरनेशनल मैच खेला। इस बीच कमिंस ने पीठ की स्ट्रेस इंजरी से उबरने के लिए रिहैब किया और एडिलेड में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट में वापसी की। उस मुकाबले में कमिंस ने 6 विकेट निकाले और ऑस्ट्रेलिया ने 82 रनों से जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया कोई और जोखिम नहीं लेना चाहता था। ऐसे में कमिंस को सीरीज के शेष मुकाबलों से आराम दिया गया। जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग और अकिलीज की चोटों के कारण पूरी एशेज सीरीज से बाहर रहे। हालांकि, उनके फिट होने की संभावना है। मैकडोनाल्ड ने कहा, 'जोश गेंदबाजी करने के लिए लौट रहे हैं। ऐसा लगता है कि वह संभावित समय-सीमा के हिसाब से ठीक हो जाएंगे।' ऑस्ट्रेलिया खेमे के लिए एक और चिंता टिम डेविड हैं। यह विस्फोटक बल्लेबाज बिग बैश लीग (बीबीएल) होबार्ट हरिकेंस की ओर से खेलते हुए चोटिल हो गया था। हैटस्ट्रिंग की वजह से ही इस फिनिशर को साल की शुरुआत में दो महीने के लिए बाहर कर दिया गया था, लेकिन मैकडोनाल्ड का मानना है कि 29 वर्षीय खिलाड़ी इस बड़े 20-ओवर टूर्नामेंट के लिए समय पर फिट हो जाएगा।

बीबीएलः जो क्लार्क की तूफानी पारी, मेलबर्न स्टार्स ने सिडनी थंडर्स को 9 विकेट से रौंदा

एजेंसी

कैनबरा। मेलबर्न स्टार्स ने सिडनी थंडर्स के खिलाफ मनुका ओवल में खेले गए बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 के 14वें मैच को 9 विकेट से अपने नाम किया। जीत के चौके के साथ मेलबर्न स्टार्स ने शीर्ष पायदान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी सिडनी थंडर्स ने 20 ओवरों में 128 रन बनाए। इस टीम को सैम कोंस्टास और मैथ्यू गिलक्स की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने 3.5 ओवरों में 33 रन जुटाए। मैथ्यू गिलक्स 13 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद टीम लड़खड़ा गई। आलम ये रहा कि सिडनी ने 63 के स्कोर तक अपने 4 विकेट गंवा दिए थे। यहां से शादाब खान ने सैम बिलिंग्स के साथ पांचवें विकेट के लिए 25 गेंदों में 27 रन जुटाकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस साझेदारी के टूटते ही टीम फिर से लड़खड़ा गई। शादाब खान ने 25 रन का योगदान टीम के खाते में दिया, जबकि बिलिंग्स ने 23 रन की पारी खेली।

विपक्षी टीम से हारिस रऊफ ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए। इनके अलावा, टॉम करेन, मार्कस स्टोइनिस और मिचेल स्वेपसन ने 2-2 विकेट निकाले। इसके जवाब में मेलबर्न स्टार्स ने 14 ओवरों में महज 1 विकेट गंवाकर जीत दर्ज कर ली। इस टीम को जो क्लार्क और सैम हार्पर की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने 9.4 ओवरों में 86 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत की पटरी पर ला दिया था। क्लार्क 37 गेंदों में 1 छक्के और 8 चौकों की मदद से 60 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सैम हार्पर ने ग्लेन मैक्सवेल के साथ दूसरे विकेट के लिए 46 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को 6 ओवर शेष रहते जीत दिलाई। हार्पर 27 गेंदों में 2 चौकों की मदद से 29 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि मैक्सवेल ने 20 गेंदों में 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 39 रन बनाए। विपक्षी टीम की तरफ से एकमात्र सफलता क्रिस ग्रीन के हाथ लगी।

मेलबर्न स्टार्स 8 प्वाइंट्स के साथ 8 टीमों के बीच प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान पर है, जबकि सिडनी थंडर्स 4 में से तीन मैच गंवाकर सातवें पायदान पर मौजूद है।

कोलकाता में फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल 2025 के अंतिम संस्करण में जुटे ओलंपियन और खेल प्रेमी

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय तीरंदाजी की स्टार जोड़ी ओलंपियन दीपिका कुमारी और उनके पति अतनु दास सहित बंगाल के अन्य ओलंपियन और अर्जुन अवॉर्डी खिलाड़ियों ने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के कोलकाता रीजनल सेंटर में आयोजित विशेष आयोजन में शिरकत की। यह आयोजन फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल का 2025 का अंतिम संस्करण था। साल के अंत में आयोजित यह विशेष संस्करण फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल का 54वां एडिशन था, जिसे एक भव्य माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर साई कोलकाता सेंटर में लगभग 1,500 लोगों की भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम में एथलीटों, कॉर्पोरेट पेशेवर, छात्रों, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों, बीमा कंपनी के कर्मचारियों (जो इस संस्करण के विशेष भागीदार थे) और सभी आयु वर्ग के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस भव्य साइकिल रैली को ओलंपियन और अर्जुन अवॉर्ड विजेता दीपिका कुमारी, जॉयदीप कर्माकर और मंगल सिंह चंपिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर दीपिका कुमारी ने रोजाना फिटनेस के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि एनर्जी और ताकत सिर्फ खेल के लिए ही नहीं, बल्कि निजी जिंदगी के लिए भी जरूरी है।

दिल्ली के आर्यन ने दी प्रतिद्वंदियों को करारी शिकस्त,आठवें राउण्ड बाद ही बन गए चैम्पियन

एजेंसी

नई दिल्ली। भीलवाड़ा ओपन अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग शतरंज प्रतियोगिता में सातवें एवं आठवे राउण्ड के मुकाबलों में कड़ी टक्कर, प्रतियोगिता का समापन कल भीलवाड़ा। जिला शतरंज संघ के तत्वावधान में आयोजित छह दिवसीय द्वितीय भीलवाड़ा ओपन अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग शतरंज में पांचवे दिन सातवें एवं आठवें राउण्ड के मुकाबले भरपुर रोमांच ओर कश्मकश वाले रहे। इन मुकाबलों में बाजी जीतने के लिए शतरंज के शातिरों ने हर दाव पेच आजमाया। कई चाले प्रतिद्धंदी को चौका देने वाली ओर सोचने के लिए मजबूर करने वाली थी। शह ओर मात से भरपुर इस रोमांचक प्रतियोगिता के आठ राउण्ड के मुकाबले पूर्ण होने के बाद दिल्ली के आर्यन वार्ष्नेय ने एकल बढ़त बनाते हुए आठ राउण्ड में आठ पॉइन्ट अर्जित कर अपनी खिताबी दावेदारी पर मोहर लगा दी। हॉलाकि अभी प्रतियोगिता में अंतिम नवें दौर की बाजी होना बाकी है लेकिन पॉइन्ट टेबल के हिसाब से उनका चैम्पियन बनना तय हो चुका है। सातवे राउण्ड में आर्यन ने दिल्ली के ही अक्षत नेगी एवं आठवे राउण्ड में महाराष्ट्र के अपूर्वशेखर देशमुख को हराकर अपने अंकों की संख्या आठ तक पहुंचाई। आठवें दौर में बोर्ड नंबर दो पर राजस्थान के मुकेश मंडलोई एवं छतीसगढ़ के आशुतोष बनर्जी के मध्य बाजी ड्रॉ पर समाप्त हुई। काफी समय तक मंडलाई का पलड़ा भारी लग रहा था पर उन्होंने टाइम प्रेशर में भूल की ओर ड्रॉ पर संतोष करना पड़ा। आठवें राउण्ड में सभी टेबल पर रोमांचक एवं कश्मकश वाले गेम देखने को मिले। आर्यन के चैम्पियन बनना तय होने के बाद अब साढ़े छह अंकों के साथ आठ खिलाड़ी संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर चल रहे है। अंतिम नवें राउण्ड के मुकाबले के बाद ही तय हो पाएगा कि दूसरे स्थान पर कौनसा खिलाड़ी रहता है। सातवें राउण्ड के मुकाबले प्रारंभ होने से पूर्व शुभारंभ विशिष्ट अतिथि एसबीआईएसए के सहायक महासचिव सुनील फरीक, बीएसएनएल के सेवानिृवत सहायक महाप्रबंधक प्रभुलाल जीनगर एवं एसबीआई के सेवानिवृत अधिकारी राकेश सिंघल ने किया। अतिथियों ने दीप प्रज्वलन करने के साथ सरस्वती वंदना की। इसके बाद टेबल एक पर सांकेतिक चाल चल राउण्ड का शुभारंभ किया। अतिथियों का स्वागत राजस्थान शतरंज संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैलाशचन्द्र डाड, कोषाध्यक्ष अजयकुमार गुप्ता, जिलाध्यक्ष मुकेश गुर्जर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हीरालाल टेलर, उपाध्यक्ष कन्हैयालाल टेलर, संयुक्त सचिव सत्यनारायण पुरोहित आदि ने किया। इस प्रतियोगिता में चार दृष्टिबाधित खिलाड़ियों सहित देश के 16 राज्यों के 248 शतरंज खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे है। प्रतियोगिता में 20 लाइव चैस बोर्ड चल रहे है जिसके माध्यम से हर मैच को ऑनलाइन दुनिया में देखा जा सकता है। महेश छात्रावास में चल रही शतरंज प्रतियोगिता में शामिल चार दृष्टिबाधित खिलाड़ियों राहुल वाधेला, अनिकेत चन्द्रकांत पटनी, ध्रुव भुवा, राहुल वाधेला,राहुल साहनी का भीलवाड़ा में दिव्यांग सेवा के क्षेत्र में कार्यरत संस्था सक्षम भीलवाड़ा के पदाधिकारियों ने सम्मान किया। संस्था के प्रान्तीय सदस्य अशोक व्यास, जिला उपाध्यक्ष अशोक चौहा, जिला सचिव शिवकुमार वैष्णव, सेवा केन्द्र संचालक रमेशचन्द्र असावा,राजेन्द्र पारीक, अरविन्द पारीक आदि ने दृष्टिबाधित खिलाड़ियों का उपरणा ओढ़ाकर स्वागत किया ओर उनकी हौंसला अफजाई की। दृष्टिबाधित खिलाड़ियों ने बता दिया हम किसी से कम नहीं समाज ने भले उन्हें दृष्टिबाधित की श्रेणी में रखा हो लेकिन उन्होंने अपने प्रदर्शन से बता दिया है कि वह प्रतिभा में किसी से कम नहीं है। भीलवाड़ा ओपन अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग शतरंज प्रतियोगिता में अहमदाबाद के एनजीओ ब्लाइंड पीपुल्स एसोसिएशन के सहयोग से चार दृष्टिबाधित शतरंज खिलाड़ी शामिल है।

सुधारों की नाव पर 2025 में मजबूती से आगे बढ़ी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। समाप्ति की ओर अग्रसर वर्ष 2025 भारतीय अर्थव्यवस्था में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में अभूतपूर्व सुधारों का साक्षी बना और तमाम वैश्विक चुनौतियों तथा पश्चिमी सीमा पर पड़ोसी देश के साथ सैन्य टकराव के बीच लंबे समय बाद एक दुर्लभ स्थिति बनी है जहां अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण संकेतक पूरी तरह अनुकूल हैं। इस समय दुनिया के सबसे बड़े बाजार अमेरिका में सर्वोच्च 50 प्रतिशत के आयात शुल्क का सामना कर रही भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर पिछली दो तिमाहियों में औसतन आठ प्रतिशत के स्तर पर है। इसके साथ ही मुद्रास्फीति एक दशक के निचले स्तर पर है और रिजर्व बैंक की नीतिगत दरें भी इस साल लगातार नीचे आ रही हैं। डॉलर की तुलना में रुपये की विनिमय दर में गिरावट के बावजूद चालू खाता का घाटा सीमित है और विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर के करीब मजबूत बना हुआ है। वैश्विक एजेंसियों और विश्लेषकों ने भारतीय अर्थव्यवस्था की इस वर्तमान स्थिति का श्रेय देश में आर्थिक सुधारों में निरंतरता और राजकोषीय तथा मौद्रिक नीति में तालमेल को दिया है।

ओला इलेक्ट्रिक ने '4680 भारत सेल' से चलने वाले एस1 प्रो प्लस स्कूटर की डिलीवरी बढ़ाई

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने '4680 भारत सेल' बैटरी से चलने वाले एस1 प्रो प्लस (5.2 किलोवाट) इलेक्ट्रिक स्कूटर की आपूर्ति बढ़ा दी है। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। ओला इलेक्ट्रिक ने एक बयान में बताया कि कंपनी ने कोयंबटूर, कोच्चि और हैदराबाद में आपूर्ति शुरू कर दी है, साथ ही बेंगलुरु में डिलीवरी जारी है। एस1 प्रो प्लस (5.2 किलोवाट) कंपनी का ऐसा पहला स्कूटर है, जो देश में निर्मित '4680 भारत सेल बैटरी' पैक से चलता है। ओला इलेक्ट्रिक के प्रवक्ता ने बताया, 'ग्राहक अब हमारे अपने '4680 भारत सेल' से चलने वाले स्कूटर खरीद रहे हैं और इसकी आपूर्ति पूरे जोश के साथ की जा रही है। कई राज्यों में आपूर्ति बढ़ रही है और अब हम '4680 भारत सेल' से चलने वाले वाहनों को देश के हर हिस्से तक पहुंचाने की तैयारी कर रहे हैं।'

सरकार ने 44,700 करोड़ रुपये की लागत वाली जलपोत निर्माण परियोजनाओं के दिशानिर्देश जारी किए

नई दिल्ली। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) ने 44,700 करोड़ रुपये से अधिक के कुल परिव्यय के साथ दो प्रमुख जलपोत निर्माण योजनाओं के लिए दिशानिर्देश अधिसूचित किए हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, जहाज निर्माण वित्तीय सहायता योजना (एसबीएफएएस) और जहाज निर्माण विकास योजना (एसबीडीएस) नामक दो पहल का उद्देश्य देश की घरेलू जहाज विनिर्माण क्षमता को मजबूत करना और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करना है। एसबीएफएएस के तहत सरकार जहाज की श्रेणी के आधार पर प्रति जहाज 15-25 प्रतिशत की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। इस योजना का कुल कोष 24,736 करोड़ रुपये है।

एसबीडीएस 19,989 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय के साथ दीर्घकालिक क्षमता और क्षमता निर्माण पर केंद्रित है। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री (एमओपीएसडब्ल्यू) सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि ये दिशानिर्देश एक स्थिर और पारदर्शी ढांचा तैयार करते हैं जो घरेलू जहाज विनिर्माण को पुनर्जीवित करेगा।

उपग्रह सेवाएं सुरक्षा मंजूरी, स्पेक्ट्रम आवंटन के बाद शुरू होंगीः सिंधिया

नई दिल्ली। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि उपग्रह संचार (सैटकॉम) सेवाएं देश में तब शुरू की जाएंगी, जब इस क्षेत्र की कंपनियां, जिनमें एलन मस्क के स्वामित्व वाली स्टारलिंक भी शामिल है, सुरक्षा एजेंसियों की मांगों का पालन करेंगी।मंत्री ने कहा कि सरकार जल्द ही सैटकॉम कंपनियों - स्टारलिंक, यूटेलसैट वन और जियो एसईएस - को स्पेक्ट्रम आवंटित करने की स्थिति में होगी। ऐसा दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा स्पेक्ट्रम की कीमत तय करने के बाद किया जाएगा। सिंधिया ने कहा, 'दो मुद्दे हैं, जिनका समाधान करना है। पहला है लाइसेंसधारकों - वनवेब, रिलायंस जियो, और स्टारलिंक - का सुरक्षा मंजूरी से संबंधित अंतरराष्ट्रीय गेटवे की आवश्यकताओं का पालन करना, जिसमें यह सुनिश्चित करना शामिल है कि डेटा भारत में ही रहे।'

मंत्री ने कहा कि सरकार ने सुरक्षा एजेंसियों के साथ अनुपालन क्षमता दिखाने के लिए सैटकॉम कंपनियों को अस्थायी रूप से स्पेक्ट्रम भी आवंटित कर दिया है। सिंधिया ने कहा, 'वे इस प्रक्रिया में हैं, इसलिए उन्हें अनुपालन करना होगा।' उन्होंने यह भी बताया कि सरकार स्पेक्ट्रम मूल्य निर्धारण को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है, जिसे दूरसंचार विभाग और दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) देख रहे हैं। उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि यह जल्द ही सुलझ जाएगा।' ट्राई और डीओटी के बीच सैटकॉम सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम को लेकर कई बिंदुओं पर मतभेद हैं। वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) द्वारा मांगी गई राहत के बारे में मंत्री ने कहा कि डीओटी अभी भी इस पर काम कर रहा है।

वैश्विक एआई क्षेत्र में अदाणी ग्रुप की भूमिका लगातार बढ़ रही है : गौतम अदाणी

एजेंसी

मुंबई। अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा कि भारत एक ऐसे अहम दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां तकनीक, प्रतिभा और राष्ट्रीय उद्देश्य एक साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के युग में आगे आएं और नेतृत्व करें। महाराष्ट्र के बारामती में विद्या प्रतिष्ठान के शरद पवार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (सीओई-एआई) के उद्घाटन के मौके पर अपने उद्बोधन में गौतम अदाणी ने कहा, 'भारत की अटूट शक्ति लोगों, संस्थानों और लंबे समय की सोच को एकजुट करने की क्षमता में निहित है। अब यही सोच युवाओं को एआई के बारे में अपनानी होगी, सिर्फ उपयोगकर्ता बनकर नहीं, बल्कि इसे बनाने वाले और नेतृत्व करने वाले बनकर।' एआई को लेकर लोगों की चिंताओं

को समझते हुए उन्होंने कहा कि इतिहास इस मामले में हमें आश्वासन प्रदान करता है। अदाणी ग्रुप के चेयरमैन ने आगे कहा, 'औद्योगिक क्रांतियों से लेकर भारत के डिजिटल बदलाव तक, हर बड़ी तकनीकी क्रांति ने इंसानों की क्षमता को बढ़ाया है।' 'उन्होंने कहा कि एआई इसे और आगे ले जाएगा, क्योंकि इससे आम लोगों के हाथों में सीधे बुद्धिमत्ता और काम करने की ताकत आएगी। इससे हर वर्ग के युवाओं को विकास में भाग लेने का मौका मिलेगा। गौतम अदाणी ने यह भी चेतावनी दी कि एआई के क्षेत्र में नेतृत्व को आउटसोर्स नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, 'आज के समय में जब बुद्धिमत्ता तेजी से आर्थिक शक्ति और राष्ट्रीय प्रभाव को आकार दे रही है, तब विदेशी तकनीक पर पूरी तरह निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है।' उन्होंने कहा कि डेटा, फैसले लेने की क्षमता और तकनीकी ताकत देश के हित में ही होनी चाहिए। भारत को अपने खुद के एआई मॉडल, मजबूत कंप्यूटिंग क्षमता और सुरक्षित तकनीकी सिस्टम बनाने की जरूरत है, ताकि देश की आर्थिक सुरक्षा, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और स्वतंत्रता बनी रहे। उन्होंने बताया कि वैश्विक एआई क्षेत्र में अदाणी ग्रुप की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

ग्रुप डेटा सेंटर्स, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और स्वच्छ ऊर्जा में बड़ा निवेश कर रहा है, जिससे बड़े स्तर पर कंप्यूटिंग संभव हो सके। इसी वजह से गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी वैश्विक कंपनियां भारत में एआई से जुड़े विकास में रुचि दिखा रही हैं। यह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बारामती की शैक्षणिक संस्था विद्या प्रतिष्ठान के तहत बनाया गया है। इसके लिए गौतम अदाणी ने साल 2023 में 25 करोड़ रुपए का योगदान दिया था। इस पहल का उद्देश्य उन्नत शोध, कौशल विकास और उद्योग से जुड़े प्रशिक्षण को बढ़ावा देना है।

भारतीय बाजार से विदेशी निवेशकों का बड़ा पलायनः 8 महीनों में निकाले 74,822 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पूंजी बाजार के लिए वर्ष 2025 का अंत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) की भारी बिकवाली के साथ हो रहा है। सीडीएसएल (CDSL) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, इस साल 26 दिसंबर तक विदेशी निवेशकों ने बाजार से शुद्ध रूप से 74,822 करोड़ रुपये की निकासी की है। चौंकाने वाली बात यह है कि साल के 12 में से 8 महीनों में विदेशी निवेशक शुद्ध बिकवाल रहे। अकेले दिसंबर महीने में 29,571 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई, जो जनवरी के बाद का सबसे बड़ा आंकड़ा है। हालांकि, इक्विटी से पैसा निकालने के बावजूद विदेशी निवेशकों ने 'डेट मार्केट' (Debt) में रुचि दिखाई और वहां करीब 72,893 करोड़ रुपये का निवेश किया, जो बाजार में बदलाव के संकेतों को दर्शाता है। विदेशी निवेशकों के भारतीय बाजार से मोहभंग होने के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण जिम्मेदार हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, चीनी सरकार द्वारा अपनी अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए दिए गए भारी 'स्टिमुलस पैकेज' के कारण निवेशक भारत जैसे महंगे बाजार से पैसा निकालकर चीन के सस्ते शेयरों की ओर रुख कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय शेयर बाजार का उच्च वैल्यूएशन (P/E Ratio) और अमेरिका में बढ़ती बॉन्ड यील्ड ने डॉलर को मजबूती दी है, जिससे उभरते बाजारों से पूंजी का बहिर्वाह तेज हुआ है। घरेलू स्तर पर कई बड़ी कंपनियों के कमजोर कॉर्पोरेट नतीजों ने भी विदेशी निवेशकों के भरोसे को कमजोर किया है, जिससे वे मुनाफावसूली को प्राथमिकता दे रहे हैं। विदेशी निवेशकों की महा-बिकवाली के बावजूद भारतीय शेयर बाजार घरेलू संस्थागत निवेशकों (DII) और खुदरा निवेशकों की सक्रियता के कारण स्थिर बना हुआ है।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर प्रह्लाद जोशी ने बम निरोधक प्रणाली मानक किया जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बम निरोधक उपकरणों के प्रदर्शन मूल्यांकन और सुरक्षा जांच को मानकीकृत करने के लिए आईएस 19445:2025 बम निपटान प्रणाली प्रदर्शन मूल्यांकन और आवश्यकताएं मानक जारी किया। यह मानक गृह मंत्रालय और डीआरडीओ की टीबीआरएल प्रयोगशाला की मांग पर तैयार किया गया है। राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम में प्रह्लाद जोशी ने राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के अवसर पर इस मानक का विमोचन किया। यह मानक पीजीडी 28 समिति के तहत सहमति आधारित प्रक्रिया से विकसित किया गया। इसके लिए पीजीडी 28 पी1 पैनल का गठन टीबीआरएल, डीआरडीओ की अध्यक्षता में हुआ। निर्माण प्रक्रिया में डीआरडीओ, एनएसजी, एमईएस, डीजीक्यूए, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, राज्य

पुलिस, एआई, एनसीआरटीसी, अनुसंधान संस्थान, सार्वजनिक व निजी निर्माता और परीक्षण विशेषज्ञ शामिल रहे।

उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव निधि खरे ने कहा कि मानक स्वैच्छिक रूप से अपनाने के लिए है, जिससे गुणवत्ता आधारित निर्माण और परीक्षण में एकरूपता को बढ़ावा मिलेगा। मानक में बम कंबल, बम बास्केट और बम इन्हिबिटर जैसे उपकरणों के परीक्षण के लिए टेस्ट रेंज की दशा, उपकरण, नमूने, परीक्षण विधि और स्वीकृति मानदंड तय किए गए हैं। मानक से ऑपरेटर, पहले प्रतिक्रिया दल और आम नागरिकों की सुरक्षा बढ़ेगी, खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और मेक इन इंडिया के तहत स्वदेशी निर्माताओं को नवाचार और गुणवत्ता सुधार में मदद मिलेगी।

साल के आखिरी सप्ताह में सुस्त रहेगा प्राइमरी मार्केट, सिर्फ 1 आईपीओ की होगी लॉन्चिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। शुरू होने वाले इस साल के आखिरी कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट की हलचल काफी सामान्य रहने वाली है। इस साल के आखिरी 3 कारोबारी दिनों के दौरान सिर्फ एक कंपनी अपना आईपीओ लॉन्च करने वाली है। ये कंपनी भी एसएमई सेगमेंट की है। इस इकलौते आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह 26 दिसंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले एक पब्लिक इश्यू में इस सप्ताह 30 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है तो इस सप्ताह 11 कंपनियों के शेयर लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट पर अपने कारोबार की शुरुआत कर सकते हैं। इनमें 10 कंपनियों के शेयर 2025 के आखिरी तीन दिनों के दौरान लिस्ट होने वाले हैं, जबकि एक कंपनी के शेयर 2026 में लिस्ट हो सकते हैं। साल 2025 के आखिरी दिन 31 दिसंबर को मॉडर्न डायग्नोस्टिक का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में 2 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू में बोली लगाने के लिए 85 रुपये से लेकर 90 रुपये प्रति शेयर का प्राइस

बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 7 जनवरी 2026 को कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस नए आईपीओ की लॉन्चिंग के अलावा निवेशक पिछले सप्ताह 26 दिसंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले ई टू ई ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के 84.22 करोड़ रुपये के आईपीओ में 30 दिसंबर तक बोली लगा सकते हैं। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 164 रुपये से लेकर 174 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 800 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 2 जनवरी को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इस आईपीओ को अभी तक 7.42 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका है। जहां तक शेयर बाजार में लिस्टिंग की बात है, तो सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 30 दिसंबर को गुजरात किडनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होकर कारोबार की शुरुआत करेंगे। इसी दिन डाचेपल्ली पब्लिशर्स के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे, जबकि ईपीडब्ल्यू इंडिया, श्याम धनी इंडस्ट्रीज और सुंदरेक्स ऑयल के शेयरों की लिस्टिंग एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी।

टॉप 10 में शामिल देश की 7 कंपनियों के मार्केट कैप में 35 हजार करोड़ से अधिक की गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण बीएसई की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 7 के मार्केट कैप में 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 कंपनियों में से 3 कंपनियों के मार्केट कैप में 22 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और इंफोसिस के मार्केट कैप में 22,113.41 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टूब्रो और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मार्केट कैप में 35,439.36 करोड़ रुपये की कमी हो गई। 22 से 26 दिसंबर के बीच हुए कारोबार के दौरान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मार्केट कैप 12,692.10 करोड़ रुपये फिसल कर 8,92,046.88 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 8,254.81 करोड़ रुपये की लुढ़क कर 21,09,712.48 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 5,102.43 करोड़ रुपये घट कर 6,22,124.01 करोड़ रुपये के स्तर पर, लार्सन एंड टूब्रो का मार्केट कैप 4,002.94 करोड़ रुपये गिरावट के साथ 5,56,436.22 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 2,571.39 करोड़ रुपये गिर कर 9,65,669.15 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 1,802.62 करोड़ रुपये घट कर 5,37,403.43 करोड़ रुपये के स्तर पर और टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 1,013.07 करोड़ रुपये घट कर 11,86,660.34 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 10,126.81 करोड़ रुपये बढ़ कर 15,26,765.44 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह इंफोसिस का मार्केट कैप 6,626.62 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 6,87,818.84 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा भारती एयरटेल का मार्केट कैप 5,359.98 करोड़ रुपये बढ़ कर 12,00,692.32 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 21,09,712.48 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 15,26,765.44 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 12,00,692.32 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 11,86,660.34 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 9,65,669.15 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 8,92,046.88 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,87,818.84 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 6,22,124.01 करोड़ रुपये), लार्सन एंड टूब्रो (कुल मार्केट कैप 5,56,436.22 करोड़ रुपये) और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) (कुल मार्केट कैप 5,37,403.43 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

सोने-चांदी में आई तूफानी तेजी, प्लैटिनम के भी बढ़े भाव

एजेंसी

नई दिल्ली। साल 2025 सोना, चांदी और प्लैटिनम जैसी कीमती धातुओं के लिए शानदार साल साबित हुआ है। इस साल इन तीनों धातुओं के भाव में जोरदार तेजी आई। इस तेजी की वजह से साल के अंत में ये तीनों चमकीली धातुएं अपने ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच गईं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड 4,530 डॉलर प्रति औंस के स्तर को भी पार कर गया। इसी तरह चांदी ने भी सभी अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए 75 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार करने में सफलता हासिल कर ली। इसके अलावा तरह प्लैटिनम भी साल के अंत में 2,400 डॉलर प्रति औंस के स्तर के पार पहुंच कर कारोबार कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में आई तूफानी तेजी की एक बड़ी वजह दुनिया के कई देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा अपना स्वर्ण भंडार मजबूत करने के लिए की जा रही सोने की खरीदारी भी रही है। इसी तरह गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स में भी इस साल लगातार भारी निवेश होता रहा है। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने से भी सोने की कीमत को काफी सपोर्ट मिला है। इस साल अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में तीन बार कटौती कर चुका है। अनुमान लगाया जा रहा है कि साल 2026 में भी यूएस फेड ब्याज दरों में कटौती करना जारी रख सकता है। ब्याज दरों में कमी होने से स्वाभाविक रूप से अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग में तेजी आ जाती है, जिसका असर उसकी कीमत बढ़ाने के रूप में साफ-साफ नजर आता है। कमोडिटी मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन के अनुसार भारत में रुपये की कीमत में भले ही गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन फॉरेक्स मार्केट में ओवरऑल डॉलर इंडेक्स कमजोर हुआ है।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने जारी किया इलेक्ट्रिक कृषि ट्रैक्टर का नया मानक

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इलेक्ट्रिक कृषि ट्रैक्टरों के लिए भारतीय मानक 'आईएस 19262:2025 इलेक्ट्रिक एग्रीकल्चरल ट्रैक्टर्स टेस्ट कोड' जारी किया। यह मानक ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (बीआईएस) द्वारा तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य इलेक्ट्रिक ट्रैक्टरों के परीक्षण को एकरूप, पारदर्शी और वैज्ञानिक बनाना है। केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार, आईएस 19262:2025 में इलेक्ट्रिक कृषि ट्रैक्टरों की जांच के लिए सरल दिशा-निर्देश और एक समान शब्दावली निर्धारित की गई है। इसमें पीटीओ पावर, ड्रॉबार पावर, बेल्ट-पुली प्रदर्शन, कंपन परीक्षण तथा ट्रैक्टर के विभिन्न घटकों के निरीक्षण से जुड़ी आवश्यक परीक्षण प्रक्रियाएं शामिल हैं। मंत्रालय का कहना है कि इससे किसानों और निर्माताओं, दोनों को एक स्पष्ट और भरोसेमंद परीक्षण ढांचा मिलेगा। मंत्रालय की ओर से बताया गया कि डीजल से चलने वाले ट्रैक्टरों की तुलना में इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर खेतों में धुआं नहीं छोड़ते, कम शोर उत्पन्न करते हैं और संचालन लागत भी अपेक्षाकृत कम होती है। इनमें चलित पुर्जों की संख्या कम होने के कारण मरम्मत और रखरखाव की आवश्यकता भी कम पड़ती है। लंबे समय तक खेतों में काम करने वाले किसानों के लिए इन्हें पर्यावरण-अनुकूल और स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहतर विकल्प माना जा रहा है।

बीआईएस ने यह मानक कृषि मंत्रालय के अनुरोध पर प्राथमिकता के आधार पर विकसित किया है। इसके निर्माण में इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर निर्माता कंपनियों, शोध संस्थानों और कृषि अभियांत्रिकी विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी रही। इस प्रक्रिया में आईसीएआर-केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान (भोपाल), केंद्रीय फार्म मशीनरी परीक्षण संस्थान (बुदनी), ट्रैक्टर एंड मेकेनाइजेशन एसोसिएशन (नई दिल्ली), ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (पुणे) और ऑल इंडिया फार्मर्स एलायंस जैसे संगठनों ने सहयोग किया। हालांकि, यह मानक फिलहाल स्वैच्छिक है, लेकिन सरकार और बीआईएस का मानना है कि इसके लागू होने से देश में इलेक्ट्रिक कृषि ट्रैक्टरों के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा, नई तकनीकों को अपनाने में तेजी आएगी और खेती में प्रदूषण कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

वित्त मंत्रालय ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों से सतर्कता मामलों की शीघ्र जानकारी देने को कहा

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और इंश्योरेंस कंपनियों सहित फाइनेंशियल संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे अपनी-अपनी कंपनियों के पूर्णकालिक निदेशकों (डब्ल्यूटीडी)से जुड़े सतर्कता संबंधी मामलों की जानकारी तुरंत दें। वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने यह निर्देश ऐसे कई मामलों के बाद जारी किया है, जिनमें बोर्ड स्तर पर नियुक्त किए गए अधिकारियों के बारे में नकारात्मक या समस्यास्पद जानकारी समय पर साझा नहीं की गई। डीएफएस की ओर से इस माह जारी की गई सलाह में बिना किसी विशेष मामले का जिक्र किए कहा गया है कि कुछ मामलों में पूरे समय कार्यरत निदेशकों से जुड़ी अहम जानकारी को सतर्कता मंजूरी के फॉर्म में नहीं भरा जाता, इस वजह से कि ऐसे खुलासे के लिए कोई अलग कॉलम मौजूद नहीं है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों से ऐसी मामलों में सख्त पालन की उम्मीद की जाती है। डीएफएस ने

वित्तीय सेवा विभाग के सलाह में कहा गया कि किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी को छोड़ना, खासकर नियुक्ति, पदोन्नति, बोर्ड स्तर की नियुक्ती और पूरे समय कार्यरत निदेशकों की तैनाती से जुड़ी जानकारी, गंभीर चिंता का विषय है। इसलिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे बोर्ड स्तर के अधिकारियों के बारे में किसी भी नकारात्मक जानकारी को तुरंत सूचित करें, भले ही वह जानकारी किसी अन्य भूमिका से संबंधित हो।

एसएस रिटेल ने 500 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए सेबी के पास मसौदा दस्तावेज दाखिल किए

एजेंसी

नई दिल्ली। मोबाइल खुदरा कंपनी एसएस रिटेल ने अपनी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किये हैं। कंपनी

द्वारा सेबी के पास दाखिल किए गए मसौदा दस्तावेज के अनुसार, कंपनी की पहली सार्वजनिक पेशकश 300 करोड़ रुपये के शेयरों के ताजा निर्गम के साथ-साथ प्रवर्तकों और अन्य शेयरधारकों द्वारा 200 करोड़ रुपये की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) का संयोजन होगी। दस्तावेजों में बताया गया, नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग वित्त वर्ष 2026-27 और 2027-28 में नए स्टोर खोलने के लिए आवश्यक निर्माण व सजावट पर होने वाले पूंजीगत खर्च, कार्यशील पूंजी की जरूरतों और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

मप्र में खेती बनी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़, टमाटर कर रहा किसानों को समृद्ध

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की खेती ने दिसंबर 2025 तक एक नया मुकाम हासिल कर लिया है। अब यह सिर्फ जीवन-यापन का साधन नहीं रही है, राज्य में खेती करना मतलब किसानों की समृद्धि, आत्मनिर्भरता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुका है। खासतौर पर टमाटर की खेती ने प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई है। नरेंद्र बढ़ते रकबे, रिकॉर्ड उत्पादन, आधुनिक कृषि तकनीकों और सरकार की दूरदर्शी नीतियों के चलते आज देश का सबसे बड़ा टमाटर उत्पादक राज्य बनकर मप्र उभरा है। दिसंबर 2025 के संदर्भ में देखें तो मध्य प्रदेश सब्जी उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर अपनी स्थिति और मजबूत कर चुका है। प्रदेश में अब लगभग 13 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में सब्जियों की खेती हो रही है, जिसमें टमाटर का योगदान सबसे अधिक है। वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत तक टमाटर की खेती का रकबा बढ़कर करीब 1 लाख 35 हजार हेक्टेयर के आसपास पहुँच चुका था। अनुमान है कि इससे 38 से 40 लाख मीट्रिक टन तक टमाटर उत्पादन हो रहा है, जो कि देश की कुल सब्जी आपूर्ति में मध्य प्रदेश की अहम भूमिका को दर्शाता है। इसके साथ ही स्वाभाविक तौर पर दिसम्बर तक उत्पादन का आंकड़ा ओर ऊपर गया है। पिछले पाँच वर्षों में टमाटर के रकबे में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2021-22 में जहाँ टमाटर की खेती लगभग 1.10 लाख हेक्टेयर में होती थी, वहीं दिसंबर 2025 तक यह आंकड़ा लगभग 25 हजार हेक्टेयर की बढ़ोतरी के साथ नए रिकॉर्ड पर पहुँच गया है। यह विस्तार सिर्फ क्षेत्रफल तक सीमित नहीं रहा है गुणवत्ता, उत्पादकता और

बाजार में विश्वसनीयता का भी प्रमाण है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के टमाटर की मांग महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के अलावा दिल्ली-एनसीआर, गुजरात और पूर्वी भारत के कई बड़े मंडी केंद्रों तक है। ताजगी, बेहतर आकार, लंबी शेल्फ लाइफ और स्वाद के कारण मध्य प्रदेश का टमाटर थोक व्यापारियों और प्रोसेसिंग उद्योगों की पहली पसंद बन गया है। उत्पादकता के मामले में भी राज्य ने अच्छी प्रगति की है। दिसंबर 2025 तक टमाटर की औसत उत्पादकता लगभग 29 से 30 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर तक पहुँच गई है, जोकि प्रदेश की औसत उद्यानिकी उत्पादकता से लगभग दोगुनी है। यह सफलता उन्नत बीजों, वैज्ञानिक फसल प्रबंधन, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई तथा समय पर तकनीकी मार्गदर्शन का परिणाम है। प्रदेश में कुल उद्यानिकी फसलों का रकबा अब लगभग 27 लाख हेक्टेयर तक पहुँच गया है, जिसमें सब्जियों का हिस्सा लगातार बढ़ रहा है। टमाटर के साथ-साथ धनिया और लहसुन के उत्पादन में भी मध्य प्रदेश दिसंबर 2025 तक देश में प्रथम स्थान बनाए हुए है। इससे राज्य की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को बहुआयामी मजबूती मिली है। राज्य सरकार की योजनाओं ने इस परिवर्तन में निर्णायक भूमिका निभाई है। टमाटर के प्रमाणित बीजों पर 50 प्रतिशत तक अनुदान, सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं में सब्सिडी, फसल बीमा और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के माध्यम से सामूहिक विपणन ने किसानों का जोखिम कम किया है। साथ ही प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना के तहत टमाटर आधारित प्रसंस्करण इकाइयों की संख्या भी 2025 तक तेजी से बढ़ी है।

हूती नेता की चेतावनीः 'सोमालीलैंड में इजरायली ठिकाना बना तो करेंगे सैन्य हमला'

सना। यमन के हूती विद्रोही समूह ने इजरायल और सोमालीलैंड के बीच बढ़ती नजदीकियों को लेकर कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अगर सोमालीलैंड की धरती पर इजरायल अपनी कोई भी उपस्थिति दर्ज कराता है, तो उसे हूती सेना का 'सैन्य लक्ष्य' माना जाएगा। हूती कमांडर अब्दुलमलिक अल-हूती ने स्पष्ट किया कि सोमालीलैंड (सोमालिया का अलग हुआ क्षेत्र) को इजरायल की दी गई मान्यता न केवल सोमालिया की संप्रभुता का उल्लंघन है, बल्कि यह यमन और पूरे अरब जगत की सुरक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती है। उसने आरोप लगाया कि इजरायल इस क्षेत्र का उपयोग अफ्रीकी देशों और यमन के खिलाफ शत्रुतापूर्ण गतिविधियों के लिए एक 'लॉन्च पैड' के रूप में करना चाहता है। हूती कमांडर ने सोमालिया के लोगों के प्रति एकजुटता जाहिर करते हुए कहा कि उनका समूह सोमालिया की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगा। उसने मुस्लिम और अरब देशों से अपील की कि वे इजरायल के इस 'विस्तारवाद' के खिलाफ एकजुट होकर कड़ा रुख अपनाएं। हाल ही में इजरायल द्वारा सोमालीलैंड को मान्यता दिए जाने के फैसले का कई मुस्लिम देशों ने विरोध किया है। एक संयुक्त बयान में कई अरब देशों ने सोमालिया की अखंडता और संप्रभुता का समर्थन करते हुए इजरायल के कदम की निंदा की। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विवाद से लाल सागर और 'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव और गहरा सकता है।

कैलिफोर्निया के सुसानविले के समीप 5.0 तीव्रता का भूकंप

बीजिंग। कैलिफोर्निया के सुसानविले से 15 किमी उत्तर-उत्तर पश्चिम में सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय समयानुसार 0041 बजे 5.0 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए। यह जानकारी अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने दी। यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप का केंद्र 5.4 किलोमीटर की गहराई में शुरुआत में 40.54 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 120.69 डिग्री पश्चिमी देशांतर पर निर्धारित किया गया। फिलहाल किसी जानमान के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

ऑपरेशन सिंदूर के समय मुझसे बंकर में छिपने के लिये कहा गया : ज़रदारी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली ज़रदारी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सैन्य कार्रवाई से पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व में मची खलबली को स्वीकार करते हुए कहा है कि इस दौरान उन्हें बंकर में शरण लेने की सलाह दी गयी थी। श्री ज़रदारी ने शनिवार को एक कार्यक्रम में कहा कि उनके सैन्य सचिव ने उन्हें सूचित किया कि युद्ध शुरू हो चुका है और सुरक्षा कारणों से उन्हें बंकर में जाना चाहिए। श्री ज़रदारी ने कहा कि उन्होंने चार दिन पहले ही आशंका जता दी थी कि युद्ध हो सकता है। उन्होंने कहा, 'मेरे सैन्य सचिव मेरे पास आए और बोले कि जंग शुरू हो गई है। मैंने उन्हें चार दिन पहले ही बता दिया था कि युद्ध होने वाला है। जब उन्होंने मुझे बंकर में चलने को कहा तो मैंने जवाब दिया कि अगर शहादत लिखी है तो यहीं आएगी। नेता बंकरों में नहीं मरते, वे युद्ध के मैदान में मरते हैं। ' उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या के बाद भारत ने आतंक के ठिकानों पर लक्षित हमले करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया। इस अत्यंत गोपनीय अभियान के तहत भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्ज़े वाले जम्मू-कश्मीर में स्थित आतंकवादी संगठनों के ठिकानों पर सटीक हमले किए।भारतीय सेना ने हिज्बुल मुजाहिदीन, जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के कुल नौ आतंकी शिविरों को निशाना बनाया। इनमें , मुरीदके, सियालकोट, कोटली, मुज़फ्फराबाद और अन्य क्षेत्रों में स्थित आतंकी प्रशिक्षण व लॉजिस्टिक केंद्र शामिल थे।

बंगलादेश ने देश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के संबंध में भारत की टिप्पणी को किया खारिज, किया पलटवार

ढाका। बंगलादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने देश में अल्पसंख्यकों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करने वाले भारत के बयान को खारिज कर दिया और भारत में मुसलमानों और ईसाइयों सहित धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने वाली 'सामूहिक हिंसा' पर चिंता व्यक्त की तथा दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान किया। भारत की ओर से 'इस्लामवादी चरमपंथियों' के हाथों बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ 'निरंतर शत्रुता' को गहरी चिंता का विषय बताने के दो दिन बाद बंगलादेश के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एसएम महबूबुल आलम ने रविवार शाम को एक बयान में भारत से अल्पसंख्यकों के बारे में 'भ्रामक जानकारी' फैलाने से बचने का आग्रह किया। श्री आलम ने कहा, 'हमने बंगलादेश में अल्पसंख्यक समुदायों की स्थिति के संबंध में भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की हालिया टिप्पणियों पर गौर किया है।

कोरियाई प्रायद्वीप पर तनावः अमेरिकी कमांडर ने बताया दक्षिण कोरिया की रणनीतिक मजबूती का 'राज'

एजेंसी

सोल । दक्षिण कोरिया में तैनात अमेरिकी सेना के कमांडर ने सोल की रणनीतिक मजबूती का राज खोला! उन्होंने दावा किया कि वो कोरियाई प्रायद्वीप में 'किसी भी तरह के खतरे का जवाब इसलिए नहीं दे रहा क्योंकि ऐसा करने की अपील यूएस ने उससे की है।' यूएस फोर्सेज कोरिया (यूएसएफके) के कमांडर जनरल जेवियर ब्रूनसन ने अमेरिका के साथ अलायंस (गठजोड़) को लेकर आयोजित एक फोरम में यह बात कही। उन्होंने नई यूएस नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजी का भी जिक्र किया साथ ही सोल और टोक्यो को 'फर्स्ट आइलैंड चेन' की रक्षा के लिए सक्षम बनाने की बात कही। ये चेन पैसिफिक में चीन के खिलाफ अमेरिका को मजबूती देता है। कमांडर ने नॉर्थ कोरिया के बारे में कुछ नहीं कहा। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, अपने संबोधन में ब्रूनसन ने कहा, 'हाल ही

में यूएस नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजी दस्तावेज को जारी किया गया, जो न सिर्फ इस इलाके की बल्कि खुद कोरिया की भी अहमियत से रूबरू कराता है। यह इस बात पर भी जोर देता है कि इंडो-पैसिफिक को स्थिर और उम्मीद के मुताबिक बनाए रखने में एक जैसी सोच वाले साझेदार कितनी अहम भूमिका निभाते हैं। '

उन्होंने आगे कहा, 'और उस मामले में, कोरिया सिर्फ प्रायद्वीप पर खतरों का जवाब नहीं दे रहा है। कोरिया बड़े रीजनल डायनामिक्स के चौराहे पर है जो पूरे नॉर्थईस्ट एशिया में शक्ति संतुलन को आकार देता है।' रूस के साथ नॉर्थ कोरिया के मिलिट्री सहयोग के बारे में (खासकर यूक्रेन के खिलाफ मास्को के युद्ध में मदद के लिए नॉर्थ कोरिया के अपने सैनिकों को भेजने के बाद), ब्रूनसन ने कहा कि प्योंगयांग ने एक 'लंबे समय का स्ट्रेटेजिक फैसला' लिया है। ब्रूनसन ने कहा कि नॉर्थ कोरिया की 'रूस के साथ गहरी होती सैन्य साझेदारी, जैसे उन्नत टेक्नोलॉजी के लिए हथियारों का लेन-देन,' ने नॉर्थ के मिसाइल और न्यूक्लियर प्रोग्राम को 'खतरनाक तरीकों से' आगे बढ़ाया है। 'और आप दूसरी ओर एक ऐसी सरकार देखते हैं जिसने एक लंबे समय का स्ट्रेटेजिक फैसला लिया है, न कोई अस्थाई मोलभाव का खेल खेला है। ' 22 दिसंबर को, साउथ कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून ने कहा कि वह नॉर्थ कोरिया और दूसरे संबंधित देशों के साथ बातचीत करके कोरियन पेनिनसुला में शांति स्थापित करने के लिए काम करेंगे, और प्योंगयांग के साथ फिर से जुड़ने की सरकार की कोशिशों को दोहराया था। चो ने साउथ कोरिया-यूएस पार्लियामेंटेरियन यूनियन द्वारा आयोजित एक समारोह में कहा था कि प्रायद्वीप पर सुरक्षा और शांति सुनिश्चित करने के लिए 'क्या किया जाना चाहिए, इस पर गहराई से सोचने' का समय आ गया है।

ट्रंप और जेलेंस्की यूक्रेन शांति योजना पर लगभग सहमत

एजेंसी

फ्लोरिडा (अमेरिका)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने संयुक्त बयान में कहा कि हम दोनों यूक्रेन शांति योजना पर लगभग सहमत हैं। दोनों नेताओं ने यहां के मार-ए-लागो में यूक्रेन-रूस के बीच शांति समझौते को लेकर अहम बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में यह बयान जारी किया। उन्होंने यूक्रेन-रूस युद्ध और संभावित शांति समझौते पर चर्चा की। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा, यह बैठक शानदार रही। मैंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी फोन पर लगभग दो घंटे से अधिक समय तक बातचीत की। अब लग रहा है कि हम शांति योजना पर बहुत करीब आ गए हैं। पुतिन और मैंने अभी यूरोपीय नेताओं से भी बात की। हमने यूक्रेन-रूस युद्ध को खत्म करने पर बहुत प्रगति की है। यह लड़ाई दूसरे विश्व युद्ध के बाद सबसे घातक है। जेलेंस्की ने कुछ दिन पहले इस मसले पर अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर से बातचीत कर चुके हैं। यहां यह महत्वपूर्ण है कि ट्रंप की 20 सूत्री योजना के मसौदे की अभी क्रेमलिन समीक्षा नहीं कर सका है। मॉस्को ने अब तक अपनी क्षेत्रीय मांगों पर कोई नरमी दिखाने के संकेत भी नहीं दिए हैं। जेलेंस्की ने जरूर कहा कि वह और ट्रंप योजना पर 90 फीसद सहमत हैं। ट्रंप और जेलेंस्की ने डोनबास जैसे क्षेत्रीय मुद्दों को बहुत कठिन सवाल बताया। जेलेंस्की ने यूक्रेन के शुभचिंतक देशों से रूस के शनिवार को कीव पर हमला करने के बावजूद शांति योजना पर समर्थन जारी रखने का आग्रह किया। रिपोर्ट के अनुसार, जेलेंस्की ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के जनवरी में वाशिंगटन में यूरोपीय नेताओं की मेजबानी करेंगे। इस बैठक में वह भी मौजूद रहेंगे।

कंबोडिया ने थाईलैंड के साथ 'त्वरित सीमा बैठक' का रखा प्रस्ताव, फिर क्रेडिट ले गए ट्रंप, यूएस को बताया असली यूएन

एजेंसी

नोम पेन्ह । कंबोडिया और थाईलैंड में कई दिनों तक चले झड़प के बाद एक बार फिर से सुलह हो गई है। इस बीच कंबोडिया ने थाईलैंड को 'त्वरित सीमा बैठक' का प्रस्ताव भेजा है। वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर से क्रेडिट लेते नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने अमेरिका की तुलना संयुक्त राष्ट्र से कर दी। कंबोडिया में सीमा मामले के राज्य सचिवालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की। इसके मुताबिक, कंबोडिया ने थाईलैंड को एक कूटनीतिक नोट भेजा है, जिसमें जनवरी 2026 के पहले हफ्ते में कंबोडिया के सिएम रीप प्रांत में जमीन सीमांकन पर कंबोडिया-थाईलैंड संयुक्त आयोग की मीटिंग करने का प्रस्ताव है। कंबोडिया ने इस बैठक का प्रस्ताव इसलिए दिया है ताकि दोनों देशों की सीमा पर शांति सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त सर्वे और सीमांकन का काम फिर से कैसे शुरू किया जाए, इस पर चर्चा हो सके। हालांकि, थाईलैंड की ओर से इस पर किसी भी तरह की कोई प्रक्रिया सामने नहीं आई है। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा,

'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि थाईलैंड और कंबोडिया के बीच शुरू हुई लड़ाई कुछ समय के लिए रुक जाएगी, और वे हमारे हाल ही में हुए वास्तविक समझौते के अनुसार शांति से रहने लगेंगे। मैं दोनों महान नेताओं को इस तेजी से और बहुत सही नतीजे पर पहुंचने के लिए उनकी काबिलियत के लिए बधाई देना चाहता हूं। यह तेज और निर्णायक था, जैसा कि इन सभी स्थितियों में होना चाहिए। ' यूएन से यूएस की तुलना करते हुए ट्रंप ने आगे लिखा, 'अमेरिका, हमेशा की तरह, मदद करने में गर्व महसूस कर रहा था। पिछले ग्यारह महीनों में, आठ महीनों में मैंने जितने भी युद्ध और झगड़े सुलझाए और रोके हैं, शायद अमेरिका असली संयुक्त राष्ट्र बन गया है, जिसने उनमें से किसी में भी बहुत कम मदद या मदद नहीं की है, जिसमें रूस और यूक्रेन के बीच अभी चल रही तबाही भी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र को विश्व शांति में सक्रिय और शामिल होना शुरू कर देना चाहिए। '

मैक्सिको में पटरी से उतरी ट्रेन, 13 की मौत और 98 घायल

एजेंसी

मैक्सिको सिटी । दक्षिणी मैक्सिको में निजांडा के पास एक पुल पर 241 यात्रियों और नौ क्रू मेंबर को ले जा रही पैसेंजर ट्रेन पटरी से उतर गई। नौसेना सचिवालय ने सोशल मीडिया पर बताया कि हुई इस घटना में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 98 अन्य घायल हो गए। यह हादसा इंटरओशनिक ट्रेन के साथ हुआ। ओक्साका के निजांडा शहर के पास एक मोड़ पर ट्रेन के कोच पटरी से उतर गए। ट्रेन में दो लोकोमोटिव और चार पैसेंजर डिब्बे थे। यह ट्रेन पैसिफिक पोर्ट सलीना क्रूज को गल्फ कोस्ट पर कोट्जाकोलकोस से जोड़ती है। हादसे में घायल हुए 98 यात्रियों में से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। ज्यादातर यात्रियों को मैक्सिकन सोशल सिक्योरिटी इंस्टीट्यूट (आईएमएसएस) के मैटियास रोमेरो और सलीना क्रूज के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। वहीं दूसरे घायल यात्रियों का इलाज जुचिटान और इक्स्टेपेक के आईएमएसएस-वेलबीइंग अस्पतालों में किया गया।

मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम पार्डो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'नेवी सेक्रेटेरिएट ने मुझे बताया है कि इंटरओशनिक ट्रेन हादसे में बदकिस्मती से 13 लोगों की मौत हो गई और 98 घायल हैं, जिनमें से पांच की हालत गंभीर है। ' उन्होंने आगे कहा, 'मैंने नेवी सेक्रेटरी और सेक्रेटेरिएट ऑफ द इंटीरियर के मानवाधिकार के उपसचिव को मौके पर जाकर खुद परिवारों से मिलने के निर्देश दिए हैं। मैं ओक्साका के गवर्नर और उनकी टीम के समर्थन की सराहना करती हूं। हम अपडेट देते रहेंगे। ' घटना के बाद रेस्क्यू टीम पटरी से उतरी ट्रेन से यात्रियों को उतरने में मदद करते दिखे। इसके अलावा, स्थानीय और संघीय अधिकारी राहत और मेडिकल मदद में सहयोग कर रहे थे। गवर्नर सालोमोन जारा क्रूज ने दुर्घटना पर गहरा अफसोस जताया और भरोसा दिलाया कि राज्य के अधिकारी प्रभावित परिवारों की मदद के लिए संघीय टीमों के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं। मैक्सिको के अटॉर्नी जनरल ने ट्रेन के पटरी से उतरने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। इंटरओशनिक रेल लिंक को क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करने, यात्री और माल ढुलाई को बढ़ावा देने और तेहुआंटेपेक के इस्तमुस में एक स्ट्रेटेजिक ट्रेड कॉरिडोर बनाने के लिए डिजाइन किया गया था। इसका उद्घाटन दो साल पहले पूर्व राष्ट्रपति आंद्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर ने किया था। हादसे के बाद अधिकारी स्थिति पर करीब से नजर बनाए हुए हैं। सभी यात्रियों की सुरक्षा पर ध्यान देने के साथ घायलों को तुरंत मेडिकल सेवा मुहैया कराई जा रही है।

बांग्लादेश में कॉक्स बाजार के टेकनाफ में रोहिंग्या शिविर में आग लगी

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के एक रोहिंग्या शिविर में आग लग गई। दमकल विभाग के कर्मचारियों के पहुंचने के तक 20 -25 आशियाना जलकर राख हो गए। दमकल विभाग आग बुझाने की कोशिश कर रहा है। आग लगने की वजह मोबाइल फोन का चार्जर फटना बताया जा रहा है। यह हादसा कॉक्स बाजार के टेकनाफ में हुआ है।

ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया कि दमकल विभाग के कर्मचारियों ने आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। इस घटना में कम से कम 20-25 घर जल गए । यह घटना रविवार रात करीब 10:30 बजे हनिला यूनियन के लेडा और अलीखाली इलाकों में रोहिंग्या शिविर नंबर 24-25 में हुई। टेकनाफ में लेडा डेवलपमेंट मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद आलम ने घटना के करीब दो घंटे बाद बताया, '' कुछ लोगों ने जानकारी दी कि आग फातिमा अख्तर के घर में मोबाइल फोन चार्जर फटने से लगी। हम मौके पर पहुंच गए हैं और आग पर नियंत्रण पाने की कोशिश कर रहे हैं। दमकल विभाग के साथ हम लोग भी आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच, 25-30 से अधिक घर पहले ही जल चुके हैं। आग इस वक्त बुझाई नहीं जा सकी है।'' नूर अकम मोहम्मद आलम ने कहा, ''हमारे शिविर में एक झोपड़ी में आग लगी। तुरंत, हम सबने मिलकर आग बुझाने की कोशिश की। हम सब आग की ऊंची लपटों के सामने बेबस हो गए। अब दमकल विभाग के जवान आग बुझाने कोशिश कर रहे हैं।'' इस घटना के बारे में 16वीं आर्म्ड पुलिस बटालियन के कमांडर अतिरिक्त उप महानिरीक्षक मोहम्मद कौसर सिकदर ने कहा, ''अलीखाली और लेडा रोहिंग्या शिविर के बीच के इलाके में घरों में आग लग गई। सभी प्रभावित लोग मिलकर आग पर नियंत्रण पाने की कोशिश कर रहे हैं। आग लगने की सही वजह अभी तक पता नहीं चल पाई है।''

विभाग के जवान भी प्रयास कर रहे हैं ।'' लेडा रोहिंग्या शिविर निवासी सैयद आलम ने कहास '' शिविर के कई घरों में अचानक आग लग गई। दमकल विभाग के साथ हम लोग

हादी की हत्या के विरोध में इंकलाब मंच का सड़क जाम, न्याय की मांग तेज

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के चट्टोग्राम शहर में इंकलाब मंच के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपने पूर्व प्रवक्ता शरीफ उस्मान बिन हादी की हत्या के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने शहर के व्यस्त नोतुन ब्रिज चौराहे पर सड़क जाम कर न्याय की मांग की, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। दोपहर बाद शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन के कारण चट्टोग्राम के प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। बकालिया पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी मोहम्मद सोलायमान ने बताया कि पूर्व घोषणा के अनुसार इंकलाब मंच के कार्यकर्ता सड़क पर बैठ गए, जिससे ट्रैफिक आवागमन रुक गया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए यूपी बांग्लादेश की चट्टोग्राम इकाई की संयुक्त सदस्य सचिव कोहिनूर अख्तर ने कहा कि हादी की सार्वजनिक रूप से गोली मारकर हत्या कर दी गई, लेकिन सरकार अब तक हत्यारों को गिरफ्तार करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि न्याय की मांग को लेकर सड़कों पर उतरना मजबूरी बन गया है। इस बीच, 23 दिसंबर को हादी के भाई शरीफ ओमर हादी ने आरोप लगाया था कि अंतरिम सरकार के भीतर मौजूद कुछ प्रभावशाली तत्वों ने फरवरी 2026 में प्रस्तावित चुनावों को बाधित करने के उद्देश्य से इस हत्या की साजिश रची। ढाका में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि हादी राष्ट्रीय चुनाव फरवरी तक कराने के समर्थक थे। इंकलाब मंच के सदस्य सचिव अब्दुल्ला अल जाबेर ने एक बार फिर अंतरिम सरकार को 30 कार्यदिवस का अल्टीमेटम दोहराते हुए चेतावनी दी कि यदि हत्यारों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि न्याय न मिलने की स्थिति में यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के खिलाफ बड़ा जनआंदोलन छेड़ा जाएगा।

बांग्लादेश में 'फासीवादी' तत्व नहीं लड़ पाएंगे चुनाव, नामांकन पत्र खरीदने की कोशिश की तो गिरफ्तार किए जाएंगे

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में अगले साल होने वाले आम चुनाव में 'फासीवादी' तत्व हिस्सा नहीं ले पाएंगे। पुलिस को निर्देश दिया गया है कि ऐसे लोग अगर नामांकन पत्र खरीदने की कोशिश करते हैं, उन्हें तत्काल गिरफ्तार कर कानूनी शिकंजा कसा जाए। गृह मंत्रालय ने कहा कि अशांति फैलाने वाले कई उम्मीदवारों को नामांकन पत्र जमा करने से वंचित कर दिया गया है।

द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव के संबंध में हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में कई कठोर फैसले लिए गए। बैठक से परिचित एक सूत्र ने कहा, ''आरोपित कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने का फैसला किया गया। बैठक में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान की सुरक्षा पर भी चर्चा हुई और संबंधित

एजेंसियों को निर्देश दिया गया कि ढाका और राजधानी के बाहर उनके सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान उनकी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जाए।'' गृह मंत्रालय के सूत्र ने कहा, ''इंकलाब मंच नई मांगें कर रहा है। मंच पर कड़ी निगरानी करने की जरूरत है। बैठक के बाद गृह सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) जहांगीर आलम चौधरी ने पत्रकारों को बताया कि कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को किसी भी स्थिति पर बिगड़ने नहीं दिया जाएगा। इसके लिए कठोर फैसला लिया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा, '' सभी राजनीतिक दल फासीवादी तत्वों से दूर रहें।''उन्होंने कहा कि 13 से 26 दिसंबर तक कुल 9,993 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में हथियार, ग्रेनेड, मोर्टार शेल, बारूद, पटाखे और बम बनाने का सामान बरामद किया गया। लक्ष्मीपुर पुलिस ने 26 दिसंबर को जिला चुनाव कार्यालय पर हुए हमले के मुख्य संदिग्ध रुबेल को गिरफ्तार किया है। खुलना शहर में जातीय श्रमशक्ति के केंद्रीय आयोजक 42 वर्षीय मोतालिब सिकदर की हत्या के सिलसिले में डीके शमीम उर्फ ढाकैया शमीम सहित तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। गृह सलाहकार चौधरी ने कहा कि मयमनसिंह में दीपू चंद्र हत्याकांड के सिलसिले में 18 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है।

बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री को बुगती कबीलों का आठवां सरदार चुना गया

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान) । बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती को पारंपरिक कबायली परंपरा के तहत बुगती कबीलों का नया सरदार (तुमंदर) चुना गया है। पगड़ी बांधने (दस्तार बंदी) की रस्म आज डेरा बुगती के बकर इलाके में होगी। सरफराज बुगती कबीलों के आठवें सरदार होंगे है। कबायली बुजुर्गों ने उनकी सफलता, सुरक्षा और नेतृत्व के लिए दुआएं की हैं। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पारंपरिक पगड़ी बांधने की रस्म पूरी होने के साथ मीर सरफराज बुगती औपचारिक रूप से बुगती कबीले के नए सरदार बन जाएंगे। रस्म पगड़ी समारोह में सभी बुगती उप-कबीलों (शंबानी, कलपर, मोंद्रानी, पिरोजानी, नोथानी और

डोम्ब) शामिल होंगे। नवाब बुगती परिवार के सदस्य भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। कबायली रीति-रिवाजों के अनुसार पारंपरिक पगड़ी बांधने की रस्म अदा की जाएगी।सरफराज बुगती के पिता मीर गुलाम कादिर बुगती की गिनती क्षेत्र के प्रभावशाली लोगों में होती है। मीर सरफराज बुगती ने 2024 में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा। वह निर्विरोध मुख्यमंत्री चुने गए। यह नियुक्ति उनके राजनीतिक करियर के साथ-साथ उनके कबीलाई नेतृत्व को भी मजबूती प्रदान करती है।

ईरान ने रूस से तीन उपग्रह अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किए

एजेंसी

तेहरान। ईरान ने रूस के सहयोग से अपने तीन स्वदेशी निगरानी उपग्रहों को अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। सरकारी टेलीविजन के अनुसार, ये उपग्रह रूस के वोस्तॉचनी कॉस्मोड्रोम से सोयूज रॉकेट के जरिए कक्षा में स्थापित किए गए। यह कदम पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद ईरान के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक और प्रगति के रूप में देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रक्षेपित किए गए उपग्रहों में जाफ़र-2, पआया और कोसर 1.5 शामिल हैं। ईरानी समाचार एजेंसी इरना ने बताया कि इन उपग्रहों को देश के निजी क्षेत्र ने डिज़ाइन किया है और इनका उपयोग पृथ्वी अवलोकन से जुड़े कार्यों में किया जाएगा। पया को ईरान का अब तक का सबसे उन्नत इमेजिंग उपग्रह बताया गया है, जिसमें आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस की मदद से तस्वीरों की गुणवत्ता बेहतर की जाती है। इसका इस्तेमाल जल संसाधन प्रबंधन, पर्यावरण निगरानी और मैपिंग जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा। फार्स समाचार एजेंसी के अनुसार, संवेदनशील उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए सोयूज रॉकेट को उसकी विश्वसनीयता के कारण चुना गया। पिछले दो वर्षों में ईरान कुल 10 उपग्रह प्रक्षेपण कर चुका है, जिनमें से एक इसी साल जुलाई में इसी रूसी प्रक्षेपण स्थल से हुआ था। हालांकि, पश्चिमी देशों ने आशंका जताई है कि उपग्रह प्रक्षेपण तकनीक का इस्तेमाल बैलिस्टिक मिसाइल प्रणालियों में भी किया जा सकता है।

इंडोनेशिया के नर्सिंग होम में लगी भीषण आग, 16 लोगों की गई जान

एजेंसी

जकार्ता । इंडोनेशिया में एक नर्सिंग होम में भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। इस घटना में 16 लोगों की मौत हो गई है। आग लगने की वजह क्या थी, इसके बारे में अब तक कोई जानकारी सामने नहीं आई। जांच टीम मौके पर पहुंचकर घटना के कारण का पता लगाने की कोशिश कर रही है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि स्थानीय अधिकारियों ने सोमवार को जानकारी दी है कि इंडोनेशियाई पुलिस नॉर्थ सुलावेसी प्रांत की राजधानी मनाडो के एक नर्सिंग होम में आग लग गई। इस आग में 16 लोग मारे गए, जिनकी पहचान की जा रही है ताकि पीड़ित परिवार को उनका शव सौंप कर आगे की कार्रवाई की जा सके। पोल्डा सुलुत के पब्लिक रिलेशन्स हेड अलमस्याह पी. हसीबुआन के मुताबिक, नॉर्थ सुलावेसी रीजनल पुलिस (पोल्डा सुलुत) के भायंगकारा हॉस्पिटल में पीड़ितों के शवों की पहचान की जा रही है। पहचान की प्रक्रिया का मकसद पीड़ितों के परिवारों के साथ आगे सहयोग से पहले उनकी पूरी

पहचान करना है। सिन्हुआ ने अधिकारी के हवाले से बताया, आग स्थानीय समयानुसार रात करीब 8:36 बजे मनाडो के पाल दुआ डिस्ट्रिक्ट में मौजूद पैंटी वेरधा दमाई नर्सिंग होम में लगी। मनाडो शहर की सरकार द्वारा भेजी गई तीन फायर इंजन के मौके पर पहुंचने के बाद रात करीब 9:30 बजे आग बुझाई गई। आग की खबर मिलने के बाद पुलिस अधिकारी आनन-फानन में घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने इलाके को सुरक्षित करने और बचाव कार्य में मदद का काम शुरू कर दिया। बचे हुए लोगों को मानाडो सिटी रीजनल हॉस्पिटल और परमाता बुंडा हॉस्पिटल ले जाया गया।

हसीबुआन ने कहा कि पुलिस फोरेंसिक टीमें घटनाओं के क्रम और आग लगने के शुरुआती कारण का पता लगाने के लिए क्राइम सीन की जांच कर रही हैं। इसके साथ ही घटना के चश्मदीदों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि आग लगने के कारण का पता चल सके। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले 22 दिसंबर को सोमवार सुबह सेंट्रल जावा प्रांत के सेमारंग शहर में क्राप्याक टोल एग्जिट के चौराहे पर एक बस दुर्घटना में 15 लोगों की मौत हो गई थी और 19 अन्य घायल हो गए। सेमारंग सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के अनुसार, यात्री बस की स्पीड बहुत ज्यादा थी और ड्राइवर ने अपना नियंत्रण खो दिया। इसकी वजह से गाड़ी एक सड़क अवरोधक से टकराकर पलट गई। सेमारंग सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के प्रमुख बुडियोनो ने कहा, 'यात्रियों को निकालने की प्रक्रिया काफी मुश्किल थी, क्योंकि कुछ पीड़ित बस के अंदर फंस गए थे और टूटे हुए कांच के कारण रास्ता रुका हुआ था, हालांकि कड़ी मशक्कत के बाद सभी पीड़ितों को सफलतापूर्वक निकालकर पास के अस्पतालों में भेज दिया गया।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/30/2025 12:23 AM Page 2

भारत की नियामक क्रांति: कैसे 2025 ने 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' को आदत बना दिया!

2010 के शुरुआती वर्षों में भारत में व्यापार करना किसी बाधा दौड़ जैसा लगता था, जिसमें बीच रास्ते में ही बाधाएं खड़ी कर दी जाती थीं। क्या आप जानते हैं कि कभी निर्माण की अनुमति लेने के मामले में भारत कुल 190 देशों में 184वें स्थान पर था? क्या आप जानते हैं कि सिर्फ अनुमति लेने में ही 186 दिन यानी छह महीने से ज्यादा नौकरशाही की भेंट चढ़ जाते थे? इस दौरान न कोई काम शुरू होता था, न रोजगार पैदा होते थे। यह कोई इत्तेफ़ाक नहीं था। यह दशकों से चली आ रही नियामक ज्यादितियों, विरासत में मिले नियंत्रण और कारोबार के प्रति अविश्वास का परिणाम था।

उस नुकसान को ठीक करना एक दिन में संभव नहीं था। इसे ठीक करने में 11 साल की लगातार सुधार प्रक्रिया लगी, जिसमें कई ऐसे काम हुए जो दिखते तो नहीं थे लेकिन बहुत जरूरी थे।

पर 2025 अलग रहा। इस साल भारत ने सिर्फ कारोबार को आसान बनाने से आगे बढ़कर कारोबार को सच में आज़ाद करना शुरू किया। अगर 1991 उदारीकरण का साल था, तो 2025 नियमों से मुक्ति (डिरेग्यूलेशन) का साल बन गया। 1991 ने भारत में नई ऊर्जा जगाई थी, और 2025 ने उस ऊर्जा को बिना बंधन के आगे बढ़ने का खुला माहौल दिया।

ठहरे हुए विकास चक्र से बाहर निकलना

कई दशकों तक भारतीय कंपनियां जानबूझकर छोटी ही रहती थीं। यह इसलिए नहीं कि उनमें महत्वाकांक्षा कम थी, बल्कि इसलिए कि बढ़ने पर सज़ा मिलती थी।

10वां, 20वां या 100वां कर्मचारी रखने पर लगभग 29 केंद्रीय श्रम क़ानूनों में छिपे नियम सक्रिय हो जाते थे। कंपनी बढ़ाते ही जांच, इंस्पेक्टर और कानूनी जोखिम बढ़ जाते थे।

इसलिए कंपनियों के लिए समझदारी यही थी कि वे छोटी ही बनी रहें।

यह मानसिकता आखिरकार 2025 में टूट गई।सरकार ने छोटी कंपनियों के लिए टर्नओवर की लिमिट को दस गुना बढ़ाकर 100 करोड़ कर दिया, जिससे ग्रोथ को जानबूझकर सीमित करने का इंसेंटिव खत्म हो गया। साथ ही, दर्जनों ओवरलैपिंग लेबर कानूनों को चार आसान लेबर कोड में बदल दिया गया, जिससे अनिश्चितता की जगह स्पष्टता आई। संदेश साफ था- अब बड़े होने पर कोई सज़ा नहीं मिलेगी। ग्रोथ पर अब शक नहीं किया जाएगा।

अनुपालन की बाधाओं को हटाना

कई वर्षों तक भारत की विनिर्माण क्षमता कौशल या क्षमता की कमी से नहीं, बल्कि ज़्यादा नियमों के बोझ से रूकी हुई थी। क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर्स (क्यूसीओ), जिन्हें मूल रूप से गुणवत्ता बनाए रखने के लिए बनाया गया था, समय के साथ इतने बढ़ गए कि तैयार उत्पादों से लेकर कच्चे माल और महत्वपूर्ण इनपुट तक, हर चीज़ के लिए अनिवार्य सर्टिफिकेशन ज़रूरी हो गया।इसका नतीजा उल्टा और नुकसानदायक रहा।

एक तरफ 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा दिया गया, वहीं दूसरी तरफ कंपनियों को ऐसे इनपुट आयात करने पर मजबूर होना पड़ा जो सिर्फ क्यूसीओ मानकों को पूरा करते हों- अक्सर ज्यादा लागत और ज्यादा समय के साथ। निर्यात महंगे हो गए, न कि इसलिए कि भारतीय कंपनियाँ कमज़ोर थीं, बल्कि इसलिए कि अनुपालन (कंप्लायंस) खुद सप्लाई चेन का हिस्सा बन गया था।

इस समस्या को समझते हुए सरकार ने क्यूसीओ की बड़ी समीक्षा की। 76 उत्पाद श्रेणियों से अनिवार्य नियम हटाए गए और 200 से अधिक श्रेणियों को डिरेग्यूलेशन के लिए चिन्हित किया गया। जो काम पहले वर्षों में धीरे-धीरे होता, वह अब बड़े पैमाने पर और तेज़ी से किया गया। सिर्फ एक साल में भारत ने वह डिरेग्यूलेशन गति पकड़ ली, जो पहले बहुत धीमे और टुकड़ों में आगे बढ़ती थी। संदेश साफ़ था- मैन्युफैक्चरिंग भारत में होनी चाहिए, कागज़ी कार्रवाई नहीं।

इस गति को एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन (ईपीएम) के जरिए मज़बूत किया जा रहा है, जो 25,060 करोड़ के आउटले वाली छह साल की पहल है, जिसमें एमएसएमई और पहली बार एक्सपोर्ट करने वालों के लिए 20,000 करोड़ की बढ़ी हुई एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी शामिल है। यह डीरेगुलेशन सिर्फ़ मंत्रालय की गतिविधियां नहीं थीं, बल्कि आरबीआई और सेबी भी महत्वपूर्ण डीरेगुलेशन के साथ इस मिशन में शामिल थे।

सालों तक, पूंजी जुटाने का मतलब था ढेर सारे कागज़ों में उलझना, जहाँ ज़रूरी बात शोर में खो जाती थी। सेबी के हालिया सुधारों ने ऑफर डॉक्यूमेंट्स को आसान बनाया है, जिससे निवेशक उन चीज़ों पर ध्यान केंद्रित कर सकें जो सच में मायने रखती हैं। कैपिटल मार्केट को आखिरकार स्पष्टता को पुरस्कृत करने के लिए डिज़ाइन किया जा रहा है, न कि कंप्लायंस की बाज़ीगरी के लिए।

इस बीच, आरबीआई ने दशकों से चले आ रहे ओवरलैपिंग निर्देशों को खत्म करने का काम किया है।

लगभग 9,000 सर्कुलर को 11 कैटेगरी और 30 फंक्शनल एरिया में 238 मास्टर डायरेक्शन में मिलाकर, यह एक बड़े और कन्फ्यूजिंग आर्काइव को एक सिंगल, पढ़ने लायक फ्रेमवर्क में बदल रहा है। अब कंप्लायंस सस्ता, तेज़ और बहुत कम भ्रामक रह गया है।

पोर्ट में भीड़ बनाम समुद्री गति

2013-14 में, जहाज़ भारतीय बंदरगाहों पर लगभग चार दिन बेकार खड़े रहे। हर रुका हुआ जहाज़ फंसी हुई पूंजी थी, व्यापार में देरी हो रही थी, और प्रतिस्पर्धा कम हो रही थी। 2025 तक, औसत टर्नअराउंड टाइम घटकर एक दिन से भी कम हो गया।इस साल, संसद ने 1908 और 1925 के समुद्री कानूनों को पांच आधुनिक कानूनों से बदल दिया, जिनमें बिल ऑफ़ लेडिंग, तटीय शिपिंग, समुद्र द्वारा माल ढुलाई, मर्चेंट शिपिंग और बंदरगाहों के शासन को शामिल किया गया है। 1908 और 1925 के औपनिवेशिक काल के कानूनों को बदलकर, इन सुधारों ने समुद्री शासन को आधुनिक बनाया है, विवादों को कम किया है, और लॉजिस्टिक्स लागत को कम किया है, जिससे भारत 21वीं सदी के मानकों के साथ अपनी नीली अर्थव्यवस्था का पूरी तरह से लाभ उठाने के लिए तैयार है।

सबसे शांत लेकिन सबसे मज़बूत सबूत- भारत में एक्टिव कंपनियों की संख्या 2025 में लगभग दोगुनी हो गई

मार्च 2014 में, भारत में 9.52 लाख एक्टिव कंपनियां थीं। मार्च 2025 तक, यह संख्या बढ़कर 18.51 लाख हो गई। यह लगभग दोगुना होना किसी एक इंसेंटिव या स्कीम से नहीं हुआ। यह अनुमान लगाने की क्षमता से हुआ। कम रुकावटों से। ऐसे नियमों से जिन्होंने सफलता को सज़ा देना बंद कर दिया। जब बिज़नेस चुपचाप बढ़ते हैं, तो इसका आमतौर पर मतलब होता है कि सिस्टम अब रास्ते में नहीं आ रहा है।

जन विश्वास के साथ इंस्पेक्टर राज को खत्म करना

जन विश्वास मायने रखता था, लेकिन सिर्फ एक नारे के रूप में नहीं।

जन विश्वास 1.0 और 2.0 के माध्यम से 200 से अधिक छोटे तकनीकी अपराधों को अपराध की श्रेणी से हटाया गया और सैकड़ों पुराने नियम खत्म किए गए। इसका असली असर संस्कृति में दिखा- अब कागज़ात में गलती को अपराध नहीं माना जाता।

इससे भी ज़्यादा ज़रूरी बात यह है कि रेगुलेशन में ढील सिर्फ़ दिल्ली तक सीमित नहीं रही। सात एनडीए शासित राज्यों ने पहले ही 1,000 से अधिक नियमों को अपराध की श्रेणी से हटा दिया है, ताकि सुधार सीधे वहां पहुंचे जहां कारोबार असल में चलता है-फैक्ट्री, गोदाम, बंदरगाह और जिला कार्यालय।

केंद्र अकेले डिरेग्यूलेशन नहीं कर रहा था, बल्कि पूरे सिस्टम को इसके साथ जोड़ा। 2025 को किसी एक सुधार के लिए नहीं, बल्कि शासन के दृष्टिकोण में बदलाव के लिए याद किया जाएगा।

ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस अब केवल एक इंडेक्स नहीं है जिसे भारत पीछा करता है, यह अब एक आदत बन चुकी है जिसे पूरा सिस्टम अपनाता है।

ग्लोबल इंटीग्रेशन सिर्फ़ 1 साल में 3 बड़े एफटीए

अगर बिज़नेस के पास बेचने के लिए कोई जगह ही न हो, तो ईज ऑफ डूइंग का कोई मतलब नहीं है। 2025 में यूके, ओमान और न्यूज़ीलैंड के साथ तीन बड़े फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) करके, भारत ने ग्लोबल मार्केट में एंट्री की लागत को प्रभावी ढंग से कम कर दिया है। उदाहरण के लिए, भारत-ओमान सीईपीए में टियर्ड रूल्स ऑफ़ ओरिजिन के लिए एक खास प्रावधान शामिल था, जिसने सर्टिफिकेशन को आसान बनाया और भारतीय पेट्रोलियम उत्पादों और ज्वेलरी के लिए तुरंत ज़ीरो-ड्यूटी एक्सेस दिया। न्यूज़ीलैंड के साथ, भारत के 100% एक्सपोर्ट पर ज़ीरो ड्यूटी मार्केट एक्सेस है।

साल भर उगाई जा सकती है मूली

मूली की खेती के लिए भूमि का चयन

मूली के उत्तम उत्पादन के लिए उचित जल निकास वाली रेतीली दोमट और दोमट भूमि अधिक उपयुक्त रहती है। मटियार भूमि मूली कि फसल उगाने के लिए अनुपयुक्त रहती है, क्योंकि इस भूमि में ऐसी जड़ों का समुचित विकास नहीं हो पाता है।

इसकी खेती के लिए गहरी जुताई कि आवश्यकता होती है, क्योंकि इसकी जड़ें भूमि में गहरी जाती है। गहरी जुताई के लिए मिटटी पलटने वाले हल से जुताई करें। इसके बाद दो बार कल्टीवेटर या देशी हल चलाएँ जुताई के बाद पाटा अवश्य लगाएं, ताकि भूमि समतल और

मूली की खेती के लिए भूमि कि तैयारी

मूली की खेती के लिए उपयुक्त जलवायु

मूली अधिक तापमान के प्रति सहनशील है। किन्तु सुगंध विन्यास और आकार के लिए ठंडी जलवायु कि आवश्यकता होती है। अधिक तापमान के कारण जड़ें कठोर और चरपरी हो जाती है। मूली कि सफल खेती के लिए 10 से 11 डिग्री सेल्सियस तापमान सर्वोत्तम माना गया है।

हमारे देश में मूली की खेती प्राय: सभी क्षेत्रों में की जाती है। सामान्यत: सब्जी उत्पादक कृषक सब्जियों की अन्य फसलों की मेढ़ों पर या छोटे-छोटे क्षेत्रों में मूली लगाकर आय अर्जित करते है। शीत ऋतु में भी कृषक इसकी फसल को 30 से 60 दिन में तैयार कर पुन: बोवनी कर दो बार उपज प्राप्त कर लेते हैं। यह फसल कम खर्च में अधिक उत्पादन देने वाली सलाद के लिए उत्तम हैं। जड़ वाली सब्जियों में इनका प्रमुख स्थान है। इनकी खेती सम्पूर्ण भारत वर्ष में की जाती है ।

महत्व-

मूली का उपयोग आमतौर पर सलाद एवं पकी हुई सब्जी के रूप में किया जाता है। इसमें तीखा स्वाद होता है, इसका उपयोग नाश्ते में दही के साथ पराठे के रूप में भी किया जाता है। इसकी पत्तियों की भी सब्जी बनाई जाती है। मूली विटामिन सी एवं खनीज तत्व का अच्छा स्त्रोत है।

मूली लिवर एवं पीलिया मरीजों के लिए भी अनुसंशित है। यदि उत्पादक मूली की खेती वैज्ञानिक तकनीक से करें, तो इसकी खेती से अधिक उपज के साथ-साथ अच्छा लाभ प्राप्त किया जा सकता है। इस लेख में मूली की उन्नत खेती कैसे करें का उल्लेख किया गया है।

मूली की खेती के लिए किस्में

हमारे देश के विभिन्न क्षत्रों में मूली की दो प्रकार की किस्मे उगाई जाती है, एशियन और यूरोपियन जो इस प्रकार है, जैसे-

एशियन किस्में- पूसा चेतकी, जापानी सफ़ेद, पूसा हिमानी, पूसा रेशमी, जौनपुरी मूली, हिसार मूली न- 1, कल्याणपुर- 1, पूसा देशी, पंजाब पसंद, चाइनीज रोज, सकुरा जमा, व्हाइट लौंग, के एन- 1, पंजाब अगेती और पंजाब सफेद आदि प्रमुख है।

यूरोपियन किस्में- व्हाइट आइसीकिल, रैपिड रेड व्हाईट टिपड, स्कारलेटग्लोब और फ्रेंच ब्रेकफास्ट आदि प्रमुख है।

मूली की उन्नत किस्में, विशेषताएं और पैदावार

मूली की फसल लेने के लिए ऐसी उन्नत किस्मों का चयन करना चाहिए, जो देखने में सुंदर व खाने में स्वादिष्ट हो, साथ ही अपने क्षेत्र की प्रचलित और अधिक पैदावार देने वाली होनी चाहिए। मूली की खेती मैदानी इलाकों में सितंबर से जनवरी तक और पहाड़ी इलाकों में मार्च से अगस्त तक आसानी से की जा सकती है।

वैसे मूली की तमाम ऐसी एशियन और यूरोपियन किस्में उपलब्ध हैं, जो मैदानी व पहाड़ी इलाको में पूरे साल उगाई जा सकती है। इस लेख में मूली की उन्नत किस्मों की विशेषताएं और पैदावार की जानकारी का उल्लेख किया गया है।

मूली की किस्में

एशियन किस्में

पूसा चेतकी-

डेनमार्क जनन द्रव्य से चयनित यह किस्म पूर्णतया सफेद, मूली, नरम, मुलायम, ग्रीष्म ऋतु की फसल में कम तीखी जड़ 15 से 22 सेंटीमीटर लम्बी, मोटी जड़, पत्तियां थोड़ी कटी हुई, गहरा हरा एवं उर्ध्वमुखी, 40 से 50 दिनों में तैयार, ग्रीष्म एवं वर्षा ऋतु हेतु उपयुक्त फसल अप्रैल से अगस्त और औसत पैदावार 250 से 270 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक है।

जापानी सफ़ेद-

इस किस्म कि जड़ें सफ़ेद लम्बी 15 से 22 सेंटीमीटर बेलनाकार, कम तीखी मुलायम और चिकनी होती है। जड़ों का नीचे का भाग कुछ खोखला होता है। इसकी बुवाई का सर्वोत्तम समय 15 अक्तूबर से 15 दिसंबर तक है बोने के 45 से 55 दिन बाद फसल खुदाई के लिए तैयार और पैदावार क्षमता 250 से 300 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है।

पूसा हिमानी-

इस मूली की किस्म की जड़े 30 से 35 सेंटीमीटर लम्बी, मोटी, तीखी, अंतिम छोर गोल नहीं होते, सफेद एवं टोप हरे होते है। हल्का तीखा स्वाद और मीठा फ्लेवर, बोने के 50 से 60 दिन में परिपक्व, दिसम्बर से फरवरी में तैयार और औसत पैदावार 320 से 350 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त होती है।

पूसा रेशमी-

इसकी जड़ें 30 से 35 सेंटीमीटर लम्बी , मध्यम मोटाई वाली, लेकिन उपरी सिरे वाली, समान रूप से चिकनी और हलकी तीखी होती है। उपरी भाग मध्यम ऊंचाई वाला और हलके हरे रंग कि कटावदार पतियों वाला होता है। यह किस्म मध्य सितम्बर से अक्टूम्बर तक बुवाई के लिए उपयुक्त है बोने के 55 से 60 दिन बाद तैयार और उपज क्षमता 315 से 350 प्रति हेक्टेयर है।

जौनपुरी मूली-

यह उत्तर प्रदेश कि प्रसिद्ध एवं लोकप्रिय किस्म है। यह 70 से 100 सेंटीमीटर लम्बी और । से 10 सेंटीमीटर मोटी होती है। इस किस्म का छिलका और गुदा सफ़ेद होता है। गुदा मुलायम, कम चरपरा और मीठा होता है।

हिसार मूली न 1-

इस मूली की उन्नत किस्म की जड़ें सीधी और लम्बी बढ़ने वाली होती है। जड़ें सफ़ेद रंग कि होती है, यह किस्म सितम्बर से अक्तूबर तक बोई जाती है। यह किस्म बोने के 50 से 55 दिन बाद खुदाई के लिए तैयार हो जाती है। यह प्रति हेक्टेयर 225 से 250 क्विंटल तक उपज दे देती है।

कल्याणपुर 1-

इस मूली की उन्नत किस्म की जड़ें सफ़ेद चिकनी मुलायम और मध्यम लम्बी होती है। बोने के 40 से 45 दिन बाद यह खुदाइ के लिए तैयार हो जाती है।

पूसा देशी-

इस मूली की किस्म कि जड़ें सफ़ेद, मध्यम, मोटी 30 से 35 सेंटीमीटर लम्बी और बहुत चरपरी होती है। इसकी जड़ें नीचे कि ओर पतली होती है। पौधों का उपरी भाग मध्यम ऊंचाई वाला होता है और पत्तियां गहरे हरे रंग कि होती है। यह मध्य अगस्त से अक्टूम्बर के आरंभ तक बुवाई के लिए उत्तम किस्म है। यह बोने के 40 से 55 दिन बाद तैयार हो जाती है।

पंजाब पसंद-

यह जल्दी पकने वाली किस्म है, यह बिजाई के बाद 45 दिनों में कटाई के लिए तैयार होती हैं। इसकी जड़ें लम्बी, रंग में सफेद और बालों रहित होती है। इसकी बिजाई मुख्य मौसम और बे-मौसम में भी की जा सकती है। मुख्य मौसम में, इसकी औसतन पैदावार 215 से 235 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और बे-मौसम में 150 क्विंटल होती है।

अन्य एशियन किस्में-

चाइनीज रोज, सकुरा जमा, व्हाईट लौंग, के एन- 1, पंजाब अगेती और पंजाब सफेद आदि है। ये किस्में भी अच्छी पैदावार वाली और आकर्षक है।

यूरोपियन किस्में

व्हाईट आइसीकिल-

यह मूली की किस्म ठंडी जलवायु के लिए उपयुक्त है। इसकी जड़ें सफ़ेद, पतली कम चरपरी और स्वादिष्ट होती है। इसकी जड़ें सीधी बढ़ने वाली होती है। जो नीचे के ओर पतली होती जाती है। इसे खेत में लम्बे समय तक रखने पर भी इसकी जड़ें खाने योग्य बनी रहती है। इसे 15 अक्टूम्बर से फ़रवरी तक कभी भी बो सकते है। इस किस्म कि मुली बोने के करीब 30 दिन बाद तैयार हो जाती है।

रैपिड रेड व्हाईट टिपड-

इस किस्म कि मूली का छिलका लाल रंग का होता है। जो थोड़ी सी सफेदी लिए होता है। जिसके कारण मुली देखने में अत्यंत आकर्षक लगती है। इसकी जड़ें छोटे आकार वाली होती है और उनका गुदा सफ़ेद रंग का होता है तथा मुली कम चरपरी होती है। इस किस्म कि बुवाई मध्य अक्टूम्बर से फ़रवरी तक कभी भी कि जा सकती है। इस किस्म कि मुली बोने के लगभग 25 से 30 दिन बाद तैयार हो जाती है।

स्कारलेटग्लोब-

यह मूली की अगेती किस्म है, जो बोने के 25 से 30 दिन बाद तैयार हो जाती है। इसकी जड़ें छोटी मुलायम और ग्लोब के आकार वाली होती है। इसकी जड़ें खाने में अत्यंत स्वादिष्ट लगती है।

फ्रेंच ब्रेकफास्ट-

यह भी मूली की एक अगेती किस्म है, यह किस्म बुवाई के 2। दिन बाद खुदाई के लिए तैयार हो जाती है। जड़ें बड़े आकार में छोटी, मुलायम, गोलाकार तथा कम चरपरी होती हैजो खाने में अत्यंत स्वादिष्ट लगती है।

मूली के बीज की मात्रा इसकी किस्म, बोने की विधि और बीज के आकार पर निर्भर करती है। 5 से 10 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर आवयक होता है।

मूली की खेती के लिए खाद और उर्वरक

200 से 250 किंवटल गोबर की खाद या कम्पोस्ट, 100 किलोग्राम नाइटोजन, 50 किलोग्राम स्फुर तथा 100 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर आवयक है। गोबर की खाद, स्फुर तथा पोटाश की पूरी मात्रा और नाइट्रोजन की आधी खेत की तैयारी के समय तथा नाइटोजन की शेष मात्रा दो भागों में बोने के 15 और 30 दिन बाद देना चाहिए।

मूली की फसल में निदाई-गुड़ाई

यदि खेत में खरपतवार उग आये हों तो आवयकतानुसार उन्हें निकालते रहना चाहिए। रासायनिक खरपतवारनाशी जैसे पेन्डिमीथेलिन 30 ई सी 3.0 किलोग्राम 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 48 घंटे के अन्दर प्रयोग करने पर प्रारम्भ के 30 से 40 दिनों तक खरपतवार नहीं उगते हैं। निंदाई-गुड़ाई 15 से 20 दिन बाद करना चाहिए। मूली की खेती में उसके बाद मिटटी चढ़ा देनी चाहिए। मूली की जड़े मेड़ से उपर दिखाई दे रही हों तो उन्हें मिटटी से ढक दें अन्यथा सूर्य के प्रकाश के सम्पर्क से वे हरी हो जाती हैं।

मूली फसल की सिंचाई और जल निकास

बोवाई के समय यदि भूमि में नमी की कमी रह गई हो तो बोवाई के तुरंत बाद एक हल्की सी सिंचाई कर दें। वैसे वर्षा ऋतु की फसल में सिंचाई की आवयकता नहीं पड़ती हैं। परन्तु इस समय जल निकास पर ध्यान देना आवयक हैं। गर्मी की फसल में 4 से 5 दिन के अन्तराल पर सिंचाई की आवयकता पड़ती है। शरदकालीन फसल में 10 से 15 दिन के अन्तर पर सिंचाई करते हैं। मेड़ों पर सिंचाई का पानी आधी मेड़ तक ही सिमित रखना चाहिए ताकि पूरी मेड़ नमीयुक्त व भुरभुरी बनी रहे।

-(Compiled by: C M Sharma)